Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 60
लखनऊ, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

विकास, राष्ट्रवाद संविधान की प्रस्तावना के नजरिए से देखा जाना चाहिए

संसद में आज एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक

राजेश कुमार। नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार मंगलवार को लोकसभा में एक साथ चुनाव 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का रास्ता साफ करने वाले दो विधेयक पेश कर सकती है। संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और संभवत: स्थानीय निकायों के चुनावों को एक साथ कराने का प्रयास करता है। जबकि केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2024, केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन करने वाला है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल संसद में विधेयक पेश करेंगे।

भाजपा ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को 17 दिसंबर, 2024 को सदन में उपस्थित रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए दो विधेयकों को पहले ही मंजूरी दे दी है, हालांकि स्थानीय निकाय चुनावों पर फैसला फिलहाल टाल दिया गया है। संविधान ((एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024) के उद्देश्यों और कारणों के कथन के अनुसार, विधेयक में एक नया अनुच्छेद 82ए (लोकसभा और सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव) जोड़ने और अनुच्छेद 83 (संसद के सदनों की अवधि), अनुच्छेद 172 (राज्य विधानसभाओं की अवधि) और अनुच्छेद 327 (विधानसभाओं के चुनावों के संबंध में प्रावधान करने की संसद की शक्ति) में संशोधन करने का प्रस्ताव है। संविधान (129वें) संशोधन विधेयक की धारा 2 के उपखंड 5 के अनुसार, 'यदि चुनाव आयोग की राय है कि किसी विधान सभा के चुनाव लोक सभा के आम चुनाव के साथ नहीं कराए जा सकते, तो वह राष्ट्रपति को एक आदेश द्वारा यह घोषित करने की सिफारिश कर सकता है कि उस विधान सभा के चुनाव बाद में कराए जा सकते हैं।' लोकसभा और सभी राज्य विधान सभाओं के आम चुनाव वर्ष 1951-52, 1957, 1962 और 1967 में एक साथ हुए थे। हालांकि, 1968 और 1969 में कुछ विधान सभाओं के समय से पहले भंग होने के कारण लोक सभा के साथ-साथ चुनाव कराने का चक्र बाधित हो गया। भारत के विधि आयोग ने 'चुनावी कानूनों में सुधार' (शेष पृष्ठ 9)

राम, कृष्ण और बुद्ध की परंपरा से चलेगा भारत, बाबर व औरंगजेब से नहीं: योगी

●विधानसभा में मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी समेत पूरे विपक्ष को दिखाया आईना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अपनी बातें रखते हुए विपक्ष को आईना दिखाया। मुख्यमंत्री ने एनसीआरबी डेटा के आंकड़ों के मुताबिक बताया कि 2017 से लेकर अब तक प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 से 99 फीसदी तक की कमी आई है। 2017 से अब तक यूपी में दंगे नहीं हुए हैं, जबकि 2012 से 2017 (सपा कार्यकाल) तक प्रदेश में 815 सांप्रदायिक दंगे और 192 लोगों की मौत हुई। 2007 से 2011 के बीच 616 सांप्रदायिक घटनाएं हुईं, इसमें 121 लोगों की मौत हुई। योगी ने कहाकि आखिर तथ्यों को छिपाकर कब तक जनता को गुमराह करेंगे। संभल में न्यायालय के आदेश पर सर्वे हो रहा था। जयश्रीराम सांप्रदायिक संबोधन नहीं है। राम के बिना हमारा कोई काम ही नहीं है। यदि जयश्रीराम बोलने पर उत्तेजना से नीयत सभी लोग समझ सकते हैं।

सीएम ने कहा कि कुंदरकी की जीत वोट की लूट कहना सदस्य का अपमान है। वहां सपा के प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई। आज डिजिटल मीडिया का समय है। वहां का पठान और शेख कह रहा है कि हमारे पूर्वज हिंदू थे। आपके पूर्वज भी हिंदू थे। यह देशी-विदेशी मुसलमानों की आपसी भिड़ंत है, जो वर्चस्व की लड़ाई को लेकर चल रही है। सपा पर हमलावर योगी ने कहा कि सच पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सूर्य, चांद और सत्य को बहुत देर तक कोई छिपा नहीं सकता, सत्य जल्द सामने आएगा। सीएम ने नेता प्रतिपक्ष के बयान पर कहा कि बाबर नामा भी कहता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर ढांचा खड़ा किया गया। पुराण भी कहता है कि श्रीहरि विष्णु का दसवां अवतार संभल में होगा। न्यायालय के निर्देश पर डीएम व एसपी शांतिपूर्ण तरीके से सर्वे को संपन्न कराते हैं। 19 नवंबर, 21 नवंबर व 24 नवंबर को सर्वे कार्य चल रहा था। सर्वे के दौरान पहले दो दिन शांतिभंग नहीं हुई। 23 नवंबर को जुमे की नमाज के पहले और दौरान जिस प्रकार की तकरीरें दी गईं, उसके बाद माहौल खराब हुआ, उसके बाद की स्थितियां सबके सामने हैं। हमारी सरकार ने पहले ही कहा है कि हम ज्यूडिशियल एक्ट बनाएंगे, जो एक्ट के अंदर बना है। सदन में उसकी रिपोर्ट आएगी, तब दूध का दूध, पानी का पानी होगा।

सीएम ने कहाकि संभल में माहौल खराब किया गया। 1947 से अनवरत दंगे प्रारंभ हुए। 1947 में एक मौत और 1948 में छह लोग मारे जाते हैं। 1958-1962 में दंगा, 1976 में पांच लोगों की मौत हुई थी। 1978 में 184 हिंदुओं को सामूहिक रूप से जला दिया गया था। अनवरत कई महीनों तक कर्फ्यू लगा। 1980-1982 में दंगा और एक-एक की मौत हुई। 1986 में चार लोग मारे गए।1990-1992 में पांच, 1996 में दो मौत हुई। लगातार यह सिलसिला चलता रहा। सीएम ने कहा कि 1947 से अब तक संभल में 209 हिंदुओं की हत्या हुई और एक भी बार निर्दोष हिंदुओं के लिए दो शब्द नहीं कहे। घड़ियाली आंसू बहाने वाले लोग निर्दोष हिंदुओं केबारे में दो शब्द नहीं कहे। 1978 में जो दंगा हुआ, एक वैश्य ने सबको पैसा उधार दे रखा था। दंगा होने केबाद हिंदू उनके घर में एकत्र होते हैं, उन्हें घेर लिया जाता है और उनसे कहा जाता है कि इन हाथों से पैसा मांगोगे, इसलिए पहले हाथ, फिर पैर, फिर गला काट दिया जाता है। सौहार्द की बात करने पर इन्हें शर्म नहीं आती है। सीएम ने कहा कि बजरंग बली का जो मंदिर आज निकल रहा है। 1978 से उस मंदिर को इन लोगों ने खुलने नहीं दिया। 22 कुएं किसने बंद किए थे। इन लोगों ने तनावपूर्ण माहौल बनाया। पत्थरबाजी की होगी, माहौल खराब किया होगा, उसमें से एक भी बचने वाला नहीं है।

हां, मैं नाखुश हूं: भुजबल

टीएन रघुनाथ। मुंबई

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल से बाहर रखे जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एपी) के नेता और राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोकप्रिय चेहरे छगन भुजबल ने सोमवार को कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों और फुले संगठन के सदस्यों से बात करने के बाद अपने अगले कदम के बारे में फैसला करेंगे, जिसके वह अध्यक्ष हैं। जब मीडियाकर्मियों ने राज्य मंत्रिमंडल से बाहर रखे जाने पर टिप्पणी के लिए भुजबल से संपर्क किया तो उन्होंने कहा, 'हां, मैं परेशान हूं... मुझे मंत्री पद दिया गया हो या नहीं, लेकिन छगन भुजबल का काम अभी खत्म नहीं हुआ है।' नागपुर में राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मीडियाकर्मियों से बात करते हुए भुजबल ने कहा, 'मैं निर्वाचन क्षेत्र के लोगों और समता परिषद के सदस्यों से परामर्श करने के बाद अपने भविष्य की कार्रवाई के बारे में फैसला करूंगा।' सत्तर वर्षीय भुजबल, जो ओबीसी के माली समुदाय के एक प्रभावशाली नेता हैं, अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद के संस्थापक-अध्यक्ष हैं। सात बार विधायक रह चुके भुजबल ने दो बार दक्षिण मुंबई के मझगांव निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और नासिक जिले के येओला (शेष पृष्ठ 9)

लड़ाई जारी रखना चाहता था, लेकिन रूसियों ने मुझे निकाल लिया: बशर असद

एपी। दमिश्क

अपदस्थ सीरियाई नेता बशर असद ने कहा कि एक सप्ताह पहले दमिश्क के पतन के बाद उनका देश छोड़ने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन पश्चिमी सीरिया में उनके बेस पर हमला होने के बाद रूसी सेना ने उन्हें वहां से निकाल दिया। विद्रोही समूहों द्वारा सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद असद की यह पहली टिप्पणी है। असद ने अपने फेसबुक पेज पर एक बयान में कहा कि वह 8 दिसंबर की सुबह दमिश्क से चले गए, जब विद्रोहियों ने राजधानी पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि वह रूसी सहयोगियों के साथ समन्वय में तटीय प्रांत लताकिया में रूसी बेस के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने लड़ाई जारी रखने की योजना बनाई। असद ने कहा कि रूसी बेस पर ड्रोन द्वारा हमला किए जाने के बाद, रूसियों ने 8 दिसंबर की रात को उन्हें रूस ले जाने का फैसला किया। असद ने कहा, 'मैंने योजना के तहत देश नहीं छोड़ा, जैसा कि पहले बताया गया था।' असद ने अपने बयान के अंग्रेजी पाठ में कहा, 'इन घटनाओं के दौरान किसी भी समय मैंने पद छोड़ने या शरण लेने के बारे में नहीं सोचा और न ही किसी व्यक्ति या पार्टी द्वारा ऐसा कोई प्रस्ताव रखा गया।'

विजय दिवस

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध में भारत की जीत के उपलक्ष्य में विजय दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भी मौजूद थे।

प्रियंका का फलस्तीनी बैग बना चर्चा का विषय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फलस्तीन के लोगों के प्रति समर्थन जताते हुए कांग्रेस सांसद (एमपी) प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को संसद पहुंचीं, जिस पर 'फलस्तीन' लिखा हुआ था। कांग्रेस महासचिव गाजा में इजरायल की कार्रवाई के खिलाफ आवाज उठा रही थीं और फलस्तीनियों के साथ एकजुटता व्यक्त कर रही थीं। प्रियंका को 'फलस्तीन' शब्द और फलस्तीनी प्रतीकों से सजा एक हैंडबैग ले जाते हुए देखा गया, जिसमें तरबूज भी शामिल है, जिसे फलस्तीनी एकजुटता का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था, 'यह हर सही सोच वाले व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है, जिसमें वे सभी इजरायली नागरिक शामिल हैं जो नफरत और हिंसा में विश्वास नहीं करते हैं, और दुनिया की हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वे इजरायल सरकार की नरसंहारकारी कार्रवाइयों की निंदा करें और उन्हें रोकने के लिए मजबूर करें। बैग मुद्दे पर वायनाड सांसद पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा सदस्य अनुराग ठाकुर ने आश्चर्य जताया कि वह क्या संदेश देना चाहती थीं। उन्होंने दावा किया, 'उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन फलस्तीन बैग के साथ फैशन स्टेटमेंट बनाना चाहती हैं।' भाजपा नेताओं द्वारा फलस्तीन बैग का मुद्दा उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने कहा, 'उनसे कहिए कि उन्हें (शेष पृष्ठ 9)

भाजपा का सोनिया से सवाल, पत्र को क्यों नहीं सार्वजनिक किया जाना चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा ने सोमवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा कई हस्तियों के साथ किए गए पत्राचार को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय को लौटाने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक दस्तावेज देश के हैं और किसी की निजी संपत्ति नहीं हैं। लोकसभा सांसद और भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस मुद्दे पर पीएमएमएल की चर्चा की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत में अंतिम ब्रिटिश वायसराय की पत्नी एडविना माउंटबेटन और नेता जयप्रकाश नारायण तथा जगजीवन राम के साथ नेहरू के पत्राचार तत्कालीन नेहरू संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी के पास थे, जिसने उन्हें 2008 में सोनिया गांधी को लौटा दिया था। पात्रा ने इससे पहले लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान भी यह मुद्दा उठाया था, जब केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अपने मंत्रालय से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। शेखावत ने कहा कि पात्रा का प्रश्न, जो एक पूरक प्रश्न है, भाजपा सदस्य सौमित्र खान द्वारा सदन में उठाए गए मुख्य प्रश्न से संबंधित नहीं है। मंत्री ने कहा कि उन्होंने पात्रा के (शेष पृष्ठ 9)

सपनों के दूल्हे के पीछे निकला पूर्व सुरक्षा गार्ड

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

शादी डॉट कॉम और जीवनसाथी डॉट कॉम जैसे मैट्रिमोनियल ऐप पर सपनों का दूल्हा लगने वाले 35 वर्षीय मनोज गहल्यान ने खुद को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) का आकर्षक और अच्छा वेतन पाने वाला कर्मचारी बताया। लेकिन परफेक्ट मैच के मुखौटे के पीछे एक पूर्व सुरक्षा गार्ड था, जो 50 से अधिक महिलाओं के लिए दु:स्वप्न बन गया, जिन्हें उसने सात साल के दौरान बड़े पैमाने पर ठगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शख्स ने खुद को डीएमआरसी का जनरल मैनेजर बताया और खुद को उच्च आय वाला कर्मचारी बताया, जबकि उसने 15 से 20 लाख रुपये कमाने का दावा किया। हरियाणा के पानीपत जिले के जोरशी खालसा गांव का मूल निवासी गहल्यान 2017 से महिलाओं को ठग रहा है।

यह मामला तब सामने आया जब 23 नवंबर को एक राष्ट्रीयकृत बैंक में काम करने वाली 35 वर्षीय शिकायतकर्ता ने कहा कि उसने जीवनसाथी पर एक विवाह प्रोफ़ाइल बनाई थी, जिसके माध्यम से उसकी मुलाकात गहल्यान से हुई। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने कहा, 'ऐप के माध्यम से जुड़ने के बाद, उसने उसे शादी के लिए बेहतर तरीके से जानने के लिए बातचीत करने और मिलने का लालच दिया और फिर उसके बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड के विवरण प्राप्त किए और उसकी जानकारी के बिना अनधिकृत लेनदेन किया।' डीसीपी ने कहा कि शिकायत के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद, पुलिस टीम हरकत में आई और इंटरनेट पर खुले तौर पर उपलब्ध स्रोतों और सूचनाओं के माध्यम से पाया कि मनोज गहल्यान नाम का व्यक्ति मासूम और भोली महिलाओं से उनके पैसे ठग रहा था। पुलिस को संदेह है कि उसने इसी तरह से सैकड़ों महिलाओं को लालच दिया है और तीन से चार पीड़ितों से संपर्क भी किया है। डीसीपी ने कहा, 'हालांकि, शर्म या अपराधबोध के कारण, वे हमारे पास आकर जानकारी नहीं दे रही हैं और रिपोर्ट करने की संभावना नहीं है। पीड़तों की संख्या और उसके द्वारा ठगी की गई संभावित राशि के बारे में जांच चल रही है। डीसीपी ने कहा, उन्होंने कहा कि वे अब उसके बैंक खातों का पता लगाएंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने महिलाओं से कितनी रकम ठगी है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में छापेमारी के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इस साल राष्ट्रीय राजधानी में इस तरह का यह पहला मामला नहीं है। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने सितंबर में मुकीम अय्यूब खान नाम के एक 38 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया था, जिस पर कई राज्यों में 50 से अधिक महिलाओं को ठगने का आरोप है। वह हाई-प्रोफाइल पेशेवर महिलाओं को ठगने के लिए विभिन्न मैट्रिमोनियल साइट्स पर खुद को सरकारी अधिकारी बताता था। खान ने पुलिस को बताया कि उसने कथित तौर पर अविवाहित, विधवा या तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को लक्षित करते हुए लोकप्रिय वैवाहिक साइटों पर कई फर्जी पहचान बनाईं। वह उन्हें बताता था कि वह एक सरकारी कर्मचारी है, जो अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद अपनी बेटी की परवरिश के लिए संघर्ष कर रहा है। डीसीपी (क्राइम ब्रांच) संजय सैन ने कहा, (शेष पृष्ठ 9)

भूमि हड़पने वालों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह करोल बाग में एक सार्वजनिक पुस्तकालय वाली सौ साल पुरानी इमारत को कैसे ध्वस्त किया गया, इस बारे में 'सच्चाई का पता लगाने के लिए गहराई में जाने' का वादा करता है। जस्टिस सूर्यकांत और उज्जल भुइयां की बेंच को यह बताए जाने पर नाराजगी हुई कि 2018 में इमारत को ध्वस्त करने वाला दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) नहीं था, बल्कि एक अधिकारी था जिसने मौखिक आदेश पर कार्रवाई की थी। सुप्रीम कोर्ट तब और भी नाखुश हुआ जब उसने पाया कि दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड से कोई भी व्यक्ति मामले को चुनौती देने के लिए मौजूद नहीं था और मामले में पेश होने के लिए कोई वकील अधिकृत नहीं था।

निजी फर्म डिंपल एंटरप्राइज की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एस मुरलीधर से बेंच ने कहा, 'भूमि हड़पने वालों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए।' डिंपल एंटरप्राइज संपत्ति की मालिक है और कथित तौर पर उस जगह पर एक वाणिज्यिक परिसर का निर्माण करना चाहती थी, जहां कभी इमारत थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुरलीधर से कहा, 'हम सच्चाई का पता लगाने के लिए गहराई तक जाएंगे। हम याचिकाकर्ता (दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड) द्वारा केस लड़े बिना भी आदेश पारित करेंगे।' पीठ ने कहा, 'आपने (निजी फर्म मेसर्स डिंपल एंटरप्राइज) एमसीडी और लाइब्रेरी अधिकारियों के साथ मिलीभगत की होगी। आपने उन्हें रिश्वत दी होगी।' पहली दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी की शुरुआत तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1951 में पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास की थी। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी एक स्वायत्त निकाय है, जिसे संस्कृति मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया जाता है और राष्ट्रीय राजधानी में इसकी लगभग 45 शाखाएँ और मोबाइल लाइब्रेरी हैं। बेंच ने दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि वे मामले में क्यों पेश नहीं हो रहे हैं।

इसने एमसीडी से कहा कि वह संपत्ति का पूरा विवरण देते हुए एक बेहतर हलफनामा दाखिल करे; वहां कौन रहता था और वर्तमान मालिक कौन है, क्योंकि नगर निकाय द्वारा दाखिल हलफनामे को 'भ्रामक' करार दिया गया है। बेंच ने कहा कि वह अपनी जांच का दायरा बढ़ाएगी और इसमें लाइब्रेरी बोर्ड के अधिकारियों की निजी फर्म के साथ मिलीभगत की संभावना को भी शामिल करेगी। मुरलीधर ने कहा कि सार्वजनिक पुस्तकालय वाली जीर्ण-शीर्ण इमारत 100 साल पुरानी संरचना थी, जिसे एमसीडी ने ध्वस्त कर दिया था। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी के अधिकारियों या एमसीडी अधिकारियों के बीच फर्म के साथ किसी भी तरह की मिलीभगत का सुझाव देने के लिए रिकॉर्ड पर कोई सामग्री नहीं थी और किसी भी तरह की रिश्वत दिए जाने का कोई उल्लेख नहीं था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने एमसीडी द्वारा दायर हलफनामे को पढ़ा और कहा कि नगर निकाय ने स्वीकार किया है कि उसके पास इमारत के ध्वस्तीकरण का कोई रिकॉर्ड नहीं है, जबकि एक आधिकारिक कार्यकारी अभियंता ने मौखिक आदेश पर कार्रवाई की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, श्री मुरलीधर, आप अच्छी तरह जानते हैं कि ये चीजें कैसे काम करती हैं। यह आश्चर्यजनक है कि आप भू-माफियाओं का बचाव कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि एमसीडी अधिकारी ने अपनी मर्जी से काम किया? उन्होंने एमसीडी आयुक्त के मौखिक निर्देश पर काम किया होगा। उच्च न्यायालय के आदेश के कुछ दिनों के भीतर, उन्हें राहत के लिए उच्च न्यायालय जाने का मौका दिए बिना इमारत को ध्वस्त कर दिया गया।

न्यायाधीश ने आगे कहा, शुक्र है कि मामले की पहली सुनवाई पर, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एमबी लोकुर की पीठ ने संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। किसी भी मिलीभगत से इनकार करते हुए, मुरलीधर ने कहा कि फर्म का विध्वंस अभ्यास से कोई लेना-देना नहीं है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी, 2025 को तय की। 25 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने एमसीडी को इस बात के लिए आड़े हाथों लिया कि उसने प्रभावित पक्ष को राहत मांगने का मौका दिए बिना ही उस इमारत को गिरा दिया जिसमें एक सार्वजनिक पुस्तकालय था और कहा कि 'कोई दैवीय शक्ति नहीं है जो (शेष पृष्ठ 9)

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024

विपक्ष के लोग गन प्वाइंट पर मनवाना चाहते हैं संवैधानिक संस्थाओं से अपनी बातः योगी

● उपराष्ट्रपति व माननीय न्यायमूर्ति के खिलाफ नोटिस पर भी गरजे मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र में कहा कि कुंदरकी की जीत सनातन की जीत है। यह भारत की वास्तविक जीत है। कुंदरकी, कटेहरी, खैर, मझवा, गाजियाबाद, मीरापुर, फूलपुर की जीत भारत के संविधान की जीत है। आप सबको कटघरे में खड़ा करते हैं।

सीएम ने पूछा कि विपक्ष आखिर मानता किसे है। एक तरफ विपक्ष ने सर्वे के बारे में माननीय उच्चतम न्यायालय की बात का स्वागत किया। दूसरी तरफ माननीय उच्चतम न्यायालय बार-बार समान नागरिक कानून को लागू करने की बात कहता है। भारत अकेला देश है, जहां बहुसंख्यक समाज अपने लिए विशेष अधिकार की नहीं, बल्कि समान नागरिक कानून की मांग कर रहा है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश ने समान नागरिक कानून की वकालत की तो विपक्ष ने उनके खिलाफ राज्यसभा में महाभियोग का नोटिस दे दिया, जो आपके दोहरे चरित्र को प्रदर्शित करता है। उच्चतम न्यायालय द्वारा सर्वे पर रोक लगाने और बुलडोजर की कार्रवाई पर दी गई गाइडलाइन का यह लोग स्वागत कर रहे हैं। उप्र अकेला राज्य है, जिसने बुलडोजर की कार्रवाई को अक्षरशः सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार अंजाम दिया

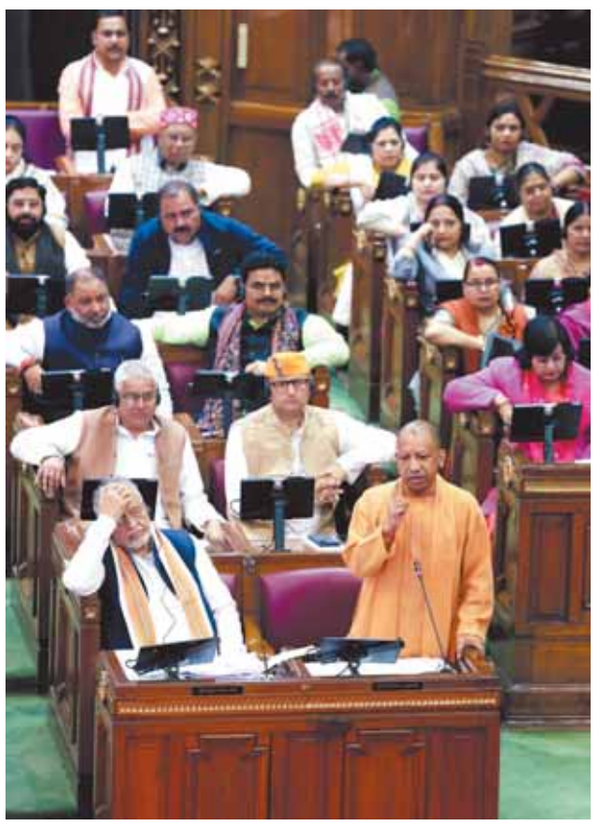

है। सपा व कांग्रेस के लोग माननीय न्यायाधीश के खिलाफ राज्यसभा में महाभियोग की नोटिस देकर सच का मुंह जबर्दस्ती बंद करना चाहते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि राज्यसभा के सभापति (उपराष्ट्रपति) के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव की नोटिस इसलिए दे दी गई, क्योंकि उन्होंने सदन के सकुशल संचालन के लिए सभी पक्षों से कहा था। सभापति व चेयरपर्सन के रूप में उनकी यही जिम्मेदारी है, लेकिन किसान पुत्र कैसे इतनी बड़ी कुर्सी पर पहुंच गया, यह इन लोगों को अच्छा नहीं लग रहा है। चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा किया गया यानी यह लोग संवैधानिक संस्थाओं से गन पॉइंट पर अपनी बातों को मनवाना चाहते हैं। यह चरित्र स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। हमें संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करना होगा और इसे मजबूत बनाना होगा।

संविधान में धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द कहीं नहीं मिलेगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र में विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि आपको बाबा साहब आंबेडकर के मूल संविधान की प्रस्तावना को पढ़ना चाहिए। मौलिक अधिकारों को देखना चाहिए। अलग-अलग पृष्ठों का अवलोकन करेंगे तो आपको उसमे राम भी नजर आएंगे और कृष्ण भी, लंका दहन के उपरांत बजरंग बली भी नजर आएंगे और ज्ञान का उपदेश देने वाले बुद्ध भी नजर आएंगे। भारत की समृद्ध परंपरा का दर्शन आपको उसी संविधान में मिलेगा, लेकिन उस मूल संविधान में कहीं भी धर्मनिरपेक्ष, पंथनिरपेक्ष या समाजवाद शब्द नहीं है।

अल्लामा इकबाल की नज्म पढ़कर सीएम योगी ने विपक्ष से पूछा सवाल

● क्या दोहरे चरित्र वाले अल्लामा इकबाल को आप अपना आदर्श मानते हैं

अल्लामा इकबाल की नज्म को लेकर भी सीएम योगी ने विपक्ष पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता यहां एक कविता सुना रहे थे। सच को स्वीकार करने की सामर्थ्य नहीं है, इसलिए वो चले गए। एक दोहरे चरित्र के व्यक्ति के द्वारा जो पहले कुछ पंक्तियां लिखता है और बाद में उसका चरित्र कैसे बदल जाता है। अल्लामा इकबाल ही हैं जो कहते थे... मुस्लिम हैं हम वतन है सारा जहां हमारा चीन-ओ-अरब हमारा हिन्दोस्तां हमाराताैहीद की अमानत सीनों में है हमारेदुनिया के बुत-कदों में पहला वो घर खुदा कातेगों के साए में हम पल कर जवां हुए हैंमगरिब की वादियों में गूंजी अजां हमारीबातिल से दबने वाले ऐ आसमां नहीं हमऐ गुलिस्तान-ए-उंदुलुस वो दिन हैं याद तुझकोऐ मौज-ए-दजला तू भी पहचानती है हम कोऐ अर्ज-ए-पाक तेरी हुर्मत पे कट मरे हमसालार-ए-कारवां है मीर-ए-हिजाज अपनाइकबाल का तराना बांग-ए-दरा है गोयामुस्लिम हैं हम वतन है सारा जहां हमारा।

योगी ने पूछा, क्या भारत की धरती पर केसरिया झंडा नहीं लग सकता

शीतकालीन सत्र के पहले दिन सीएम योगी नेता विपक्ष पर जमकर बरसे। उन्होंने पूछा कि जब मोहर्रम का जुलूस हो या कोई भी मुस्लिम त्योहार का जुलूस वो हिंदू मोहल्ले से, मंदिर के सामने से सुरक्षित निकल जाता है, कोई समस्या नहीं होती। समस्या वहीं पर क्यों खड़ी होती है, जब कोई हिंदू शोभायात्रा किसी मस्जिद के सामने से या मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र से निकलती है। झंडा लगाने में क्या समस्या आ रही है। क्या भारत की धरती पर केसरिया झंडा नहीं लग सकता। पूछना चाहता हूं कि हिंदु मोहल्ले और मंदिर के सामने से मुस्लिम जुलूस निकल सकता है तो मुस्लिम मोहल्ले से कोई शोभायात्रा क्यों नहीं निकल सकती। यहीं पर विवाद शुरू होता है। आप चाहते हैं कि आपके पर्व और त्योहार तो शांति से मनाए जाएं, लेकिन दूसरों के नहीं। योगी ने पूछा कि आखिर ये संविधान में कहां लिखा है कि किसी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में हिंदू शोभायात्रा नहीं निकल सकती। जब आप रोकते हैं तो हिंदू पक्ष की ओर से भी रिएक्शन आता है कि हम भी नहीं जाने देंगे। मुझे आश्चर्य होता है इन बातों को लेकर कि मस्जिद के सामने से शोभायात्रा नहीं निकलने देंगे। ये सड़क किसी की अमानत है क्या, ये सार्वजनिक मार्ग है, आप किसी को कैसे रोक सकते हैं। बहराइच में भी परंपरागत जुलूस था और उसी परंपरागत जुलूस को आगे बढ़ाने के लिए सारे कार्यक्रम संपन्न हुए थे। लेकिन यह कहना की उत्तेजक नारे लगाए जा रहे थे। जय श्री राम का नारा उत्तेजक नहीं है, ये हमारी श्रद्धा का नारा है, हमारी आस्था का प्रतीक है। कल आपसे कहूंगा कि अल्ला हो अकबर का स्लोगन हमें अच्छा नहीं लगता तो क्या आपको अच्छा लगेगा। हमारी विरासत तो इतनी लंबी चौड़ी और प्राचीन है कि हम उस परंपरा को लेकर ही चले जाएं और जय श्री राम, हर हर महादेव और राधे राधे के संबोधन से ही पूरा जीवन काट सकता हूं। हमें और किसी संबोधन की आवश्यकता ही नहीं है।

बर्क खुद को बाबर की संतान कहते थे

योगी आदित्यनाथ ने विपक्षियों की खिंचाई करते हुए कहा कि संभल में तुर्क व पठान का विवाद चल रहा है। शफीकुर्रहमान बर्क (सपा के पूर्व सांसद-अब स्मृतिशेष) खुद को भारत का नागरिक नहीं, बल्कि बाबर का संतान कहते थे। आपको तय करना है कि आक्रांताओं को अपना आदर्श मानते हैं या राम-कृष्ण, बुद्ध की परंपरा को। भारत में राम-कृष्ण व बुद्ध की परंपरा ही रहेगी, बाबर और औरंगजेब की परंपरा नहीं रहेगी।

विधानसभा की कार्यवाही

संभल व बहराइच हिंसा पर चर्चा की मांग को लेकर सपा का हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● विपक्ष के पास नारेबाजी के अलावा और कोई काम नहीं: सुरेश खन्ना

● योगी सरकार आज पेश करेगी अनुपूरक बजट

उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हुआ। विधानसभा में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, समाजवादी पार्टी सहित विपक्ष के सदस्यों ने संभल और बहराइच हिंसा को लेकर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाडेय ने कहा कि उनकी तरफ से नियम 311 के तहत संभल और बहराइच हिंसा पर चर्चा के लिए एक सूचना दी गई थी। उन्होंने कहा कि मेरा अनुरोध है कि आप इस पर सभी नियमों को शिथिल कर चर्चा करवा दें। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि मैने आप से बहुत कुछ सीखा है आप यदि बता दें कि यह नियम 311 के तहत कैसे आता है तो मैं चर्चा के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा नियम 311 के तहत ये विषय नहीं लिया जा सकता। उन्होंने नेता विपक्ष माता प्रसाद पांडेय से कहा कि वह बताएं किस नियम के तहत इस विषय पर चर्चा हो। लेकिन विपक्ष की तरफ से कोई नियम नहीं बताया जा सका। इस दौरान प्रमुख रूप से सपा के सदस्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। विपक्ष के विरोध की वजह से सदन को 12 बजकर 20 मिनट तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले विपक्ष विधायक हाथों तख्ती लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। उनका कहना था कि सरकार संभल हिंसा मामले में लापरवाही कर रही है और दोषियों को बचाने का काम कर रही है।

विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच सतीश महाना लगातार प्रश्नकाल की याद दिलाते रहे। उन्होंने एक के बाद एक आज प्रश्नकाल के लिए आए सभी 20 विधायकों के सवालों को पूछने का आग्रह किया। लेकिन विपक्ष के हंगामे के बीच सदस्यों ने प्रश्न पूछने से मना कर दिया। सतीश महाना ने कहा कि इसका मतलब ये मान लिया जाए कि सभी जिन सदस्यों ने प्रश्न पूछे थे वो जवाब से संतुष्ट हैं।

प्रदेश सरकार में मंत्री सुरेश खन्ना ने इस मामले को लेकर कहा कि विपक्ष के पास नारेबाजे के अलावा और कोई काम नहीं है। कोई न कोई रचनात्मक कार्य और नहीं कोई रचनात्मक विचार कर पा रहे हैं। बस विपक्ष इसको लेकर शोर मचा रही है और हंगामा कर रही है। उन्होंने ये भी कहा कि सरकार पूरी तरह से तैयार है और हम सदन में हर प्रश्न का जवाब देने को तैयार हैं। विधानसभा अध्यक्ष हुए विपक्षी विधायकों से खफा

विधानसभा में विपक्षी सदस्य अध्यक्ष के आसन के पास आ गए और हंगामा करने लगे। सभी सदस्यों की मांग थी की संभल में हुई हिंसा को लेकर चर्चा हो।

सपा विधायकों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानमंडल का सत्र के शुरू होने से पहले सोमवार को समाजवादी पार्टी के विधायक और विधान परिषद सदस्य ने विधानभवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास जोरदार प्रदर्शन किया। सपा विधायकों ने नारेबाजी करते हुए सरकार को घेरा। फसलों की एमएसपी का वादा अधूरा, बेरोजगारी से युवा बर्बाद, पेपर लीक से नौजवान में बेहाल, पुलिस अत्याचार व अन्य मुद्दों पर नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर जमकर नारेबाजी की। सपा विधायकों का कहना है कि योगी सरकार किसानों को उनके न्यूनतम समर्थन मूल्य का हक दिलाने में नाकाम रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं किए हैं। सपा नेताओं ने कहा कि राज्य के किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा है। गन्ना किसानों के बकाए भुगतान में देरी पर भी सवाल उठाए गए। कृषि कानूनों और एमएसपी पर स्पष्ट नीति की कमी के कारण किसानों की हालत दिन-ब-दिन खराब हो रही है। सपा ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस के बढ़ते दामों पर सपा ने सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताया। युवाओं के लिए रोजगार सृजन और सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता के अभाव को लेकर सरकार पर निशाना साधा। विधानसभा की कार्रवाई के दौरान मंत्री आशीष पटेल के सवाल पर समाजवादी पार्टी की विधायक पल्लवी पटेल ने भी इस मामले में सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। पल्लवी पटेल ने कहा कि 250 लेक्चरर्स को पदोन्नति देने के लिए प्रत्येक लेक्चरर से मुख्यमंत्री के नाम पर 25 लाख की वसूली की गई है। उन्होंने कहा कि पदोन्नति में भारी घोटाला हुआ है। इससे वंचित वर्ग अपेक्षित हुआ है। मुख्यमंत्री को सदन में आकर जवाब देना चाहिए।

लोकतंत्र की हत्या का कोई प्रयास बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेसः अजय राय

● कांग्रेस के विधानसभा घेराव कार्यक्रम से डरी योगी सरकार, कार्यकर्ताओं को न आने के लिए बना रही दबाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश की जनता योगी सरकार के कुशासन से त्राहि त्राहि कर रही है। जनता से जुड़े हर मुद्दे पर पूरी तरह से विफल हो चुकी योगी सरकार कांग्रेस के विधान सभा घेराव के कार्यक्रम से डर गई है। राय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया है कि जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करे कि कुछ भी करना पड़े पर कोई कांग्रेस का कार्यकर्ता घर से निकल कर लखनऊ नहीं पहुंच पाए। जिन जिलों से कांग्रेसी कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचेंगे वहां के अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही होगी। इस निर्देश के कारण जिलों में पुलिस ने हमारे कार्यकर्ताओं को धमकी देना और आतंकित करना शुरू कर दिया है। राय सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। प्रेसवार्ता में मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, सदस्य एआईसीसी ललन कुमार प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता प्रियंका गुप्ता, डॉ. अलीमुल्लाह खान, डॉ. सुधा मिश्रा प्रमुख रूप से मौजूद रही। राय ने कहा कि योगी वो दिन भूल गए जब इसी पुलिस के भय के कारण वह संसद में फूट-फूट कर रोए थे और तब सभी ने उनका साथ दिया था। आज मुख्यमंत्री के पद पर बैठ कर वो उसी पुलिस के बल पर राजनीतिक कार्यकर्ताओं को आतंकित कर रहे हैं।

भाजपाइयों को ईमान की रोटी नहीं पचतीः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपाइयों को ईमान की रोटी नहीं पचती। भाजपा सरकार में जिनका भी उत्पीड़न हो रहा है, उसके पीछे बात ये नहीं है कि वो कहाँ का है, वो जो कोई भी हो, अगर मेहनत करके ईमानदारी से दो जून की रोटी कमा रहा है, मजबूर है, बेबस है या वंचित समाज का है तो वह भ्रष्ट भाजपा सरकार के शोषण-उत्पीड़न का शिकार होगा ही।

यादव ने कहा कि भाजपा द्वारा गरीबों के विरोध की असली वजह सबको समझनी चाहिए, जिसकी जड़ में मनोविज्ञान है। भाजपाइयों को लगता है कि 'ईमान की रोटी कमाने वाले' सैद्धांतिक रूप से भाजपाइयों की पैसे की उस भूख के ख़िलाफ़ हैं, जो बेईमानी से ही पैसा कमाना जानती है। भाजपाइयों को लगता है, ईमानदारी से पैसा कमानेवाले, उनकी बेईमानी की सोच के साक्षात् विरोधी हैं, इसीलिए ऐसे ईमानदार लोगों को आम जनता की आंख के सामने से हटा देना चाहिए। कहा जाता है, जब कुछ दिखना बंद हो जाता है, तो लोग उसके बारे में सोचना भी बंद कर देते हैं। इसीलिए भाजपा ग़रीबों-मेहनतकशों को हटा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में किसानों की जमीन और लोगों के मकानों का जबरन अधिग्रहण कर लिया गया और पीड़ित लोगों को उचित मुआवजा भी नहीं दिया गया। जमीन और घरों से विस्थापित लोगों की जिंदगी कैसे कटेगी, इसकी भाजपा सरकार ने जरा भी चिंता नहीं की। कई अन्य जिलों में भी यही कहानी दोहराई गई है।

यूपी का पहला स्टार्टअप फाउंडर्स राउंडटेबल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का पहला स्टार्टअप फाउंडर्स राउंडटेबल आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 16 दिसंबर, 2024 को बापू भवन, लखनऊ में आयोजित हुआ। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देना और नवाचार के माध्यम से उत्तर प्रदेश को एक मजबूत आर्थिक और तकनीकी हब के रूप में विकसित करना था। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप्स ने भाग लिया और अपनी परियोजनाएँ प्रस्तुत कीं। इनमें स्पोर्ट्स स्टार्टअप ने बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने पर जोर दिया, जबकि बायोडीजल जनरेशन स्टार्टअप ने वेस्ट ऑयल से बायोडीजल उत्पादन कर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल की। स्किल डेवलपमेंट स्टार्टअप ने गैर-तकनीकी उम्मीदवारों को प्रशिक्षण देकर उन्हें तकनीकी क्षेत्र में कुशल और रोजगार योग्य बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। इसके अलावा, वेस्ट मैनेजमेंट स्टार्टअप ने स्मार्ट पोर्टल के माध्यम से कचरे के स्मार्ट पृथक्करण और पुनर्चक्रण की आधुनिक व्यवस्था प्रस्तुत की। ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी स्टार्टअप्स ने तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित किया और सोलर मैन्युफैक्चरिंग स्टार्टअप ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में नई संभावनाओं को सामने रखा।

सीएम ने फ्रांसीसी कंपनियों को एनसीआर व बुंदेलखंड में निवेश के लिए आमंत्रित किया

● फ्रांस के राजदूत डॉ.थियरी माथू ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को फ्रांस के राजदूत डॉ.थियरी माथू ने मुलाकात की। उनके साथ फ्रांस का प्रतिनिधिमंडल भी रहा। मुख्यमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल की प्रदेश में डिफेंस,फार्मा व शिक्षा सेक्टर में एमओयू व निवेश को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप्र में निवेश के लिए हर मदद का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने फ्रांसीसी कंपनियों को एनसीआर, बुंदेलखंड के साथ ही रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधि मंडल ने भारत की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की 60 फीसदी युवा शक्ति के लिए निवेश को लेकर उत्साह दिखाया। माथू ने उत्तर प्रदेश व फ्रांस के बीच व्यापारिक-सांस्कृतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने की इच्छा जताई। प्रतिनिधिमंडल ने आईटी कॉरिडोर, स्मार्ट सिटीज व सांस्कृतिक उन्नयन को लेकर भी उत्तर प्रदेश के साथ काम करने को लेकर रुचि दिखाई। बैठक में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने, निवेश बढ़ाने, नवीकरणीय ऊर्जा और उत्तर प्रदेश में फ्रांसीसी कंपनियों की उपस्थिति के विस्तार पर भी चर्चा हुई। माथू ने भारत की प्राचीन संस्कृति और इतिहास के को लेकर फ्रांस में हो रहे अध्ययनों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी स्थित संपूर्णानंद विश्वविद्यालय में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के महत्व को रेखांकित किया। दोनों पक्षों ने शिक्षा, संस्कृति और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग, जेवर हवाई अड्डे पर एमआरओ (मेंटिनेंस, रिपेयर और ओवरहाल) हब की स्थापना और बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंट अथॉरिटी के फार्मा पार्क में निवेश के अवसरों पर भी बल दिया।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं अजय प्रकाश श्रीवास्तव (आर्मी नंबर जे सी 820789 एन) निवासी बिहरा पोस्ट बीरबलपुर जिला गाजीपुर का हूं। मेरे सर्विस रिकॉर्ड में पिता का नाम त्रिभुवन लाल श्रीवास्तव तथा माता का नाम बुन्दा देवी दर्ज हो गया है, जो कि गलत है। आधार कार्ड में मेरे पिता का सही नाम त्रिभुवन लाल तथा माता का नाम लक्ष्मीना देवी है, जो की सही है। भविष्य में इन्हें इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

मैंने अपना नाम ए. तौफीक से बदलकर अब्दुल तौफीक पुत्र ए. रफीक कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। 40—ए यशोदा नगर, कानपुर नगर।

विधानसभा की नवीनीकृत दर्शक दीर्घा का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा की नवीनीकृत दर्शक दीर्घा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने इसे समस्त विधानसभा सदस्यों और प्रदेश की 25 करोड़ जनता को समर्पित करते हुए कहा कि विधानसभा प्रदेश के समस्त नागरिकों के लिए लोकतंत्र का आधार है। यह लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। इस पवित्र मंदिर में जब कोई आए तो उसका फर्स्ट इंप्रेशन यहां की दर्शक दीर्घा के माध्यम से ही पड़े। यह सिर्फ सत्ता पक्ष ही नहीं, बल्कि विपक्ष के लिए भी प्रसन्नता का क्षण होना चाहिए, क्योंकि आप सभी की संस्तुति पर ही दर्शक दीर्घा के सुंदरीकरण का यह कार्यक्रम संपन्न हुआ है।

दर्शक दीर्घा के उद्घाटन के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मुख्यमंत्री समेत मंच पर उपस्थित सभी मंत्रियों एवं नेता विपक्ष को मूल संविधान की एक-एक प्रति भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विधानसभा द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का भी विमोचन किया। इन पुस्तकों में देश की आजादी से लेकर अब तक मुख्यमंत्री और नेता विपक्ष की संपूर्ण जानकारी दी गई है। योगी ने कहा कि लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में विधायिका का महत्वपूर्ण स्थान है। विधायिका एक प्रकार से मार्गदर्शिका है। सभी माननीय सदस्य न केवल विधायिका से जुड़ते हैं, बल्कि यह उन्हें विकास की, जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने का भी एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष जा का भी अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने पौने तीन वर्ष के इस कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की विधानसभा को न केवल लोकतंत्र के सशक्त स्तंभ के रूप में, बल्कि आधुनिकता के साथ जोड़ने का भी काम किया है। ये गौरव, देश की सबसे बड़ी विधानसभा को जाता है जिसने ई विधान लागू किया है। आज आप देख सकते हैं कि आपके सामने ई विधान किस रूप से सफलतापूर्वक लागू हो सकता है। उत्तर प्रदेश विधानसभा पेपरलेस होकर इसका उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। यह सिर्फ विधानसभा के लिए नहीं, बल्कि हम सबके लिए और 25 करोड़ की आबादी के लिए भी गौरवपूर्ण क्षण था।

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार, विपक्ष के साथी भी तैयारी के साथ आएंः योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व व मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने विगत साढ़े सात वर्ष में विकास व सुरक्षा के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। यूपी में विकास, सुरक्षा, समृद्धि, आस्था व आधुनिकता का जो संगम देखने को मिल रहा है, उसका रास्ता भी इसी विधानमंडल से प्रारंभ होता है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले सोमवार को पत्रकारों से बातचीत की। सीएम ने शीतकालीन सत्र में सभी सदस्यों का स्वागत किया। योगी ने कहा कि सरकार सदन में नौजवानों, महिलाओं, किसानों, युवाओं, प्रदेश की समृद्धि व सुरक्षा के हित के सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार है। विधानमंडल सार्थक बहस का मंच बने, इसमें सबके सहयोग की अपेक्षा है।

विपक्षी दलों के साथियों से भी आग्रह है कि वे तैयारी के साथ आएं। सीएम ने कहा कि हमारा सदन सार्थक मुद्दों पर चर्चा के लिए जाना जाए, इस विश्वास के साथ पूरे शीतकालीन सत्र को सुगमतापूर्वक संचालन की अपील करता हूं।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का विधानमंडल दुनिया के किसी भी राज्य का सबसे बड़ा विधानमंडल है। यह अत्यंत गौरव का क्षण है कि देश जिस अमृतकाल में प्रवेश कर प्रधानमंत्री मोदी जी की संकल्पनाओं के अनुसार विकसित भारत के निर्माण के पवित्र अभियान के साथ जी जान से जुड़ा है, उसमें उप्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तर प्रदेश को केंद्र में रखकर अनेक स्वाधीनता संग्राम सेनानी देश की आजादी के अभियान के साथ जुड़े थे। उत्तर प्रदेश को अनेक क्रांतिकारियों की कर्मभूमि व जन्मभूमि होने का भी सौभाग्य प्राप्त है।

HDFC BANK
We understand your world

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, द्वितीय तल, एक्सपीरियो बिल्डिंग, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226010

कब्जा सूचना परिशिष्ट IV [नियम 8(1),

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनरनिर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक मांग सूचना दिनांकित 13–09–2024 जारी की थी, जिसमें कर्जदार(रों) **1.श्रीमती माँ कोटमारी फिलिंग स्टेशन, अपने स्वामी श्रीमती रुचि सिंह (उधारकर्ता) के माध्यम से, 2.श्रीमती रुचि सिंह, पत्नी श्री रवींद्र प्रताप (सह–उधारकर्ता), 3. श्रीमान कैप्टन फिलिंग स्टेशन, अपने स्वामी श्री राजेंद्र सिंह (सह–उधारकर्ता) के माध्यम से, 4. श्री राजेंद्र सिंह, पुत्र श्री लोकनाथ सिंह (सह–उधारकर्ता), 5.श्रीमती कुसुम देवी, पत्नी श्री राजेंद्र सिंह (सह–उधारकर्ता एवं मॉर्गेजर), से उक्त सूचना में वर्णित अनुसार बकाया राशि रू. 49,27,711.00/– (रूपये उनचास लाख सत्ताईस हजार सात सौ ग्यारह मात्र)** का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति के 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। कर्जदार उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार(रों) तथा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने, उक्त नियमावली, के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा **12–12–2024 को ले लिया है।** . कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है। . कर्जदार को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को एतद्द्वारा इस संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और संपत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार एचडीएफसी बैंक लिमिटेड की सूचना में वर्णित बकाया राशि . **रू. 49,27,711.00/– (रूपये उनचास लाख सत्ताईस हजार सात सौ ग्यारह मात्र)** उस पर ब्याज और खर्चे तथा प्रभार इत्यादि (–) भुगतान की गई राशि, यदि कोई, चुकाने के बाद ही किया जा सकता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

प्लॉट संख्या 23, रामजानकी कॉलोनी, क्षेत्रफल – 3956 वर्ग फुट, स्थित – एस.एम. प्लॉट संख्या 391 के भाग पर, स्थान – मौजा लालपुर मीरापुर बसही, परगना शिवपुर, तहसील और जिला – वाराणसी, उत्तर प्रदेश (जिस संपत्ति की मालिक श्रीमती कुसुम देवी हैं)। सीमाएं इस प्रकार हैं:उत्तर: अन्य का मकान, दक्षिण: प्रस्तावित रास्ता, पूर्व: प्लॉट संख्या 394, पश्चिम: कॉलोनी का प्लॉट

तिथि : 12–12–2024, स्थान : वाराणसी

प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

एचओडी की सीधी भर्ती पर उठे सवाल

● प्राविधिक शिक्षा विभाग में नियम विरुद्ध प्रमोशन व 5400 ग्रेड पे वाले शिक्षकों को सीधे 9000 का ग्रेड पे देने का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्राविधिक शिक्षा विभाग के डिप्लोमा सेक्टर में विभागाध्यक्षों के पदों पर हाल ही में हुई पदोन्नति की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा अप्लाइड साइंस एवं ह्यूमैनिटीज सेवा संघ ने इस संबंध में वित्त विभाग के प्रमुख सचिव सहित शासन स्तर पर ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में संघ की तरफ से आरोप लगाया गया है कि विभागाध्यक्ष की सीधी भर्ती के पदों पर नियम विरुद्ध तरीके से शिक्षकों को पदोन्नति देकर उन्हें अप्रत्याशित वेतन वृद्धि भी की गई है।

उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा अप्लाइड साइंस एवं ह्यूमैनिटीज सेवा संघ महामंत्री भोलानाथ प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में 177 शिक्षकों (विभिन्न विषयों के) कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से विभागाध्यक्ष के पद (ग्रेड पे 9000) पर पदोन्नति दी गई है। जबकि यह ग्रेड पे सीधी भर्ती का है। उन्होंने बताया कि यही नहीं मात्र 5 साल की सेवा का अनुभव रखने वाले बीटेक विषय के शिक्षकों को लेवल 10 से सीधे लेवल 13 दे दिया गया है। महामंत्री भोलानाथ प्रसाद ने बताया कि 2018 के शासनादेश के तहत अब से 6 वर्ष पूर्व से प्राविधिक शिक्षा विभाग (डिप्लोमा सेक्टर) में एआईसीटीई के विनियम– 1 मार्च 2019 के सेवा शर्तें लागू कर दी गई थीं। ऐसे में जो प्रवक्ता पहले से ही विभाग में नौकरी कर रहे हैं, उनकी प्रोन्नति कैसे हो सकती है। उन्होंने कहा कि एआईसीटीई के नई नियमावली के अनुसार प्रवक्ताओं के पदों के भर्ती के लिए न्यूनतम अहर्ता एमटेक और 15 साल की पढ़ाने की नियमावली बनाई गई है। साथ ही अगर पीएचडी है तो 12 साल पढ़ाने की नियमावली बनाई गई है। जिन 177 लोगों को प्रमोशन दिया गया है। उनमें कुछ एक को छोड़ दे तो बाकी सब बीटेक डिग्री धारक है। जिन्हें नियमानुसार प्रमोशन का लाभ नहीं दिया जा सकता है।

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर महिलाएं हो रहीं सशक्तः सुनील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दीनदयाल अन्त्योदय योजना– राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त हो रहीं हैं। एसएचजी की महिलाओं द्वारा शक्ति रसोई, अमृत मित्र आदि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाई जा रही है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद उनकी कार्य दक्षता का उत्कृष्ठ उदाहरण है। जल्द ही महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को वृहद बाजार उपलब्ध कराने के लिए एक ऐसा मंच या प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे महिलाओं को उनकी मेहनत का सही पारितोषिक मिल सके। उक्त बातें सोमवार को सूडा भवन में सुनील कुमार यादव, निदेशक, डे-एनयूएलएम, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने कहीं। यादव ने पाइलट प्रोजेक्ट (शहरी गरीबी उन्मूलन हेतु नया मिशन) के रूप में लखनऊ में संचालित हो रही योजना की प्रगति की समीक्षा की।

हत्यारोपी को उम्र कैद, 40 हजार जुर्माना

विधि संवाददाता। लखनऊ

हत्या के एक मामले में दोषी करार दिए गए आरोपी श्रीकांत उर्फ पिन्कू को सत्र अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। एडीजे नरेन्द्र कुमार, तृतीय ने इस पर 40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

सरकारी वकील अरुण पांडेय के मुताबिक इसने सीतापुर में अपने विरुद्ध चल रहे एक मुकदमे से बचने के लिए अपने साथी नरेन्द्र चौहान उर्फ नन्का की सिर काटकर हत्या कर दी थी। साथ ही लाश को अपना कपड़ा पहनाकर तालाब में फेंक दिया था। यह दोनो साथ ही मजदूरी का काम करते थे। सात मई, 2022 को मृतक की पत्नी आशा देवी ने इस मामले की एफआईआर थाना गुड़म्बा में दर्ज कराई थी।

प्राथमिक शिक्षा संज्ञानात्मक व सामाजिक विकास की कुंजीः डॉ. राजेश्वर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महानगर स्थित ब्लू बेल स्कूल और राज माता एकेडमी के फाउंडर्स डे कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने एकेडमी की संस्थापिका एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रभा अस्थाना को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, इस एकेडमी के रूप में शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों को आलोकित करता रहेगा। प्राइमरी शिक्षा के महत्व को उल्लेखित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा, 'प्राथमिक शिक्षा बच्चे की क्षमता को उजागर करने, संभावनाओं से भरा भविष्य बनाने की कुंजी है।' सरोजनीनगर विधायक ने विद्यालय में स्मार्ट क्लासेज का अवलोकन खुशी व्यक्त की और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को आगे बढाने के विद्यालय के संकल्प की प्रशंसा की। सरोजनी नगर विधायक ने डिजिटल शिक्षा के प्रोत्साहन के संकल्प क्रम में एकेडमी में 10 कंप्यूटर प्रदान कर डिजिटल लाइब्रेरी की सथापना का संकल्प व्यक्त किया।

हिन्दुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में की सहभागिता

आशियाना स्थित स्मृति उपवन में मां गायत्री जनसेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउन्डेशन द्वारा आयोजित 'हिन्दुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव' में अपने बड़े भाई रामेश्वर सिंह के साथ पहुंचे डॉ. राजेश्वर सिंह ने देश के 28 राज्यों से आये शिल्पकारों की अनुपम कलाकृतियों का अवलोकन और हस्त शिल्पियों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा, 'हस्त शिल्प केवल कला नहीं, अपितु हमारे पूर्वजों की धरोहर और परिश्रम की जीवंत मिसाल है, जो समय के साथ सजीव बनी रहती है। हस्तशिल्प देश के 70 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है, जिसमें से 38 लाख महिलाएं हैं, इस दृष्टि से भी हस्त शिल्प अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत के निर्यात में हस्तशिल्प का योगदान करीब 35 हजार करोड़ है, जो प्रतिवर्ष 14 – 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, हस्त शिल्प के सभी उत्पाद प्रकृति के अनुकूल होते हैं।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपनी विधानसभा क्षेत्र में इस भव्य आयोजन के लिए अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा, मनोज सिंह चौहान, विनय दुबे, रनवीर सिंह, हेमू चौरसिया एवं आयोजन मंडल के सभी सदस्यों को बधाई दी।

परिवार वालों की सामूहिक हत्या के मामले में पति-पत्नी दोषी करार, सजा पर सुनवाई 21 दिसंबर को

विधि संवाददाता। लखनऊ

वर्ष 2020 में जायदाद के पैसों के लिए अपने मां-बाप, भाई-भाभी, भतीजा व भतीजी की निर्मम हत्या करने के बहुचर्चित मामले में सत्र अदालत ने आरोपी अजय सिंह व इसकी पत्नी रुपा सिंह को दोषी करार दिया है। एडीजे रोहित सिंह ने इन दोनों की सजा की बिन्दू पर सुनवाई के लिए 21 दिसंबर की तारीख मुकर्रर की है। एक मई, 2020 को इस वारदात की एफआईआर गुड्डी ने थाना बंथरा में दर्ज कराई थी। सरकारी वकील एमके सिंह के मुताबिक वह अपने ससुराल में थी। उसे सूचना मिली कि उसके पिता अमर सिंह, मां राम दुलारी, भाई अरुण सिंह, भाभी रामसखी, भतीजा सौरभ सिंह व भतीजी सारिका सिंह को उसके बड़े भाई अजय सिंह व उनके नाबालिग बेटे ने धारदार हथियार गड़ासे से काटकर व तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी है। अजय सिंह व उसकी पत्नी रुपा सिंह तथा इनका बेटा पहले से ही ईर्ष्या रखते थे। ये हमेशा जमीन बेचकर पैसा देने को कहते थे। इन्हें हमेशा यह लगता था कि मेरे पिताजी जमीन बेचकर सारा हिस्सा छोटे भाई अरुण व उसकी पत्नी के नाम करे देंगे। इसी ईर्ष्या के कारण सांय छह बजे अजय, उनकी पत्नी रुपा व इनका नाबालिग बेटे ने योजनाबद्ध तरीके से पूरे परिवार के छह सदस्यों की निर्मम हत्या कर दी है। इस वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी अजय सिंह अपने नाबालिग बेटे के साथ खुद ही थाने पहुंच गया था। अजय अपने हाथ में गड़ासा जबकि उसका बेटा तमंचा व कारतूस लिए था। इसने थाने पर बताया था कि मेरे पिता अमर सिंह व भाई अरुण सिंह जमीन बेंचकर मेरा हिस्सा नहीं दे रहे थे तो मैने व मेरे बेटे ने सबकी हत्या कर दी है। सभी का शव मौके पर पड़ा है। 18 जनवरी 2023 को अदालत ने अभियुक्त अजय व रुपा पर समान आशय से हत्या व साजिश की धारा में आरोप तय किया। अजय पर अलग से आर्म्स एक्ट में भी आरोप तय हुआ। जबकि नाबालिग होने के चलते इनके बेटे का मामला सुनवाई के लिए जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड भेज दिया गया।

Piramal
Capital & Housing Finance

पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय पताः यूनिट नं. 601, 6वीं मंजिल पीरामल अमिटी बिल्डिंग, पीरामल अगस्त्य कॉर्पोरेट पार्क, कमानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सामने, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई–400070
सीआईएनः L65910MH1984PLC032639, वेबसाइट : www.piramalfinance.com
शाखा का पताः धीरज बाग, बिल्डिंग "ए" भूतल और प्रथम तल, एक्सिस बैंक के साथ में, मोनालिसा बिल्डिंग के सामने, आगरा रोड, हरि निवास सर्कल, नौपाड़ा, ठाणे (पश्चिम)–400602

मांग सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के साथ पठित। अधोहस्ताक्षरी वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के प्रवर्तन के तहत पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी है। सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी कर आह्वान किया है निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) ("उक्त उधारकर्ता") को जारी किए गए संबंधित मांग नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने के लिए नीचे दिया गया है। उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता को इस नोटिस के प्रकाशन से 60 दिनों के भीतर पीसीएफएल को भुगतान करने का नोटिस दिया जाता है। नीचे दी गई तारीखों से भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, अन्य दस्तावेजों/लेखों के साथ पठित ऋण समझौते के तहत देय, उक्त मांग नोटिस में बताए गए अतिरिक्त ब्याज के साथ, नीचे दर्शाई गई राशियाँ, यदि कोई हो, उक्त उधारकर्ता(ओं) द्वारा निष्पादित। ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित परिसंपत्तियों को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा पीसीएफएल को गिरवी रखा गया है।

उधारकर्ता/गारंटर्स का नाम	मांग सूचना की तिथि और राशि साथ में एन पी ए की तिथि	सम्पत्ति का पता
(कानपुर शाखा का एल.सी. सं. 24000000386) कल्पना सिंह (उधारकर्ता) हेमंत सिंह (सह-उधारकर्ता 1)	21-11-2024 /रु. 4,15,663/-(रु. चार लाख पंद्रह हजार छह सौ तिरेसठ मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्राईवेट प्लॉट नं. 18 आराजी नं. 70 का भाग, मकसूदाबाद कानपुर, कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश - 208017
(कानपुर शाखा का एल.सी. सं. 24000000387) कल्पना सिंह (उधारकर्ता) हेमंत सिंह (सह-उधारकर्ता 1)	21-11-2024 /रु. 13,09,166/-(रु. तेरह लाख नौ हजार एक सौ छियासठ मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्राईवेट प्लॉट नं. 18 आराजी नं. 70 का भाग, मकसूदाबाद कानपुर, कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश 208017
(लखनऊ - एम.एम.एम. मार्ग शाखा का एल.सी. सं. 06000005098) डॉ. मूलचंद्र मेमोरियल नारी एवं बाल विकास समिति (उधारकर्ता) राकेश (सह-उधारकर्ता 1) अनीता जायसवाल (सह-उधारकर्ता 2) प्रभा देवी (सह-उधारकर्ता 3) प्रतिमा जायसवाल (सह-उधारकर्ता 4)	21-11-2024/रु. 57,81,340/- (रु. सत्तावन लाख इक्यासी हजार तीन सौ चालीस मात्र) एनपीए (09-07-2023)	प्लॉट, भूमि खसरा नं. 50 (एम) एनए ग्राम अहिबरनपुर, ग्राम अहिबरनपुर, वार्ड-त्रिवेणी नगर, लखनऊ उत्तर प्रदेश भारत 226020
(लखनऊ - एम.एम.एम. मार्ग शाखा का एल.सी. सं. 06000004369) राकेश (उधारकर्ता) प्रतिमा जायसवाल (सह-उधारकर्ता 1)	21-11-2024 /रु. 38,28,231/-(रु. अड़तीस लाख अट्ठाईस हजार दो सौ इकतीस मात्र) एनपीए (09-07-2023)	मकान नं. 538 बी/1/235 (421बी), प्लॉट नं. 73-ए, 73-बी और 73-सी पर भूमि खसरा नं. 428 (एम) रूपपुरखदरा, वार्ड अयोध्या दास लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश-226020
(कानपुर शाखा का एल.सी. सं. 24000001106) लाल जी (उधारकर्ता) मालती देवी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 3,62,672/- (रु. तीन लाख बासठ एक हजार छह सौ बहत्तर मात्र) एनपीए (03-10-2024)	मकान नं. 22, ब्लॉक बी, ईडब्ल्यू एस, बर्रा - 7, कानपुर कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश- 208027
(हल्द्वानी शाखा का एल.सी. सं. 15000001711) प्रेमा पाल (उधारकर्ता) सुधा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 8,48,902/-(रु. आठ लाख अड़तालीस हजार नौ सौ दो मात्र) एनपीए (08-10-2024)	खसरा नं. 58/3 मिन का हिस्सा, प्राइवेट प्लॉट नं. 0-4, कौशल्या एन्क्लेव पीएच 3 गांव बिगवारा रूरापुर उधमसिंहनगर उत्तरांचल- 263153
(गोरखपुर शाखा का एल.सी. सं. 25700001805) बृजेश यादव (उधारकर्ता) नीरज यादव (सह-उधारकर्ता 1) सवारू यादव (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 23,88,282/-(रु. तेईस लाख अट्ठासी हजार दो सौ बयासी मात्र) एनपीए (24-02-2024)	प्लॉट, आराजी नं. 212, मौजा- गुलहरिया, टप्पा- खुटहन, परगना- हवेली, तहसील- सदर गोरखपुर गोरखपुर उत्तर प्रदेश - 273003 में स्थित
(लखनऊ - एम.एम.एम. मार्ग शाखा का एल.सी. सं. 19300042937) हारिस मोहम्मद फरीदी (उधारकर्ता) सफिया परवीन (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 38,04,590/-(रु. अड़तीस लाख चार हजार पांच सौ नब्बे मात्र) एनपीए (08-10-2024)	प्लॉट नं. 4 पर मकान नं. 529 डी/1/665(4), खसरा नं. 267 का भाग, आदिल नगर शंकर पुरवा लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226020
(लखनऊ - एम.एम.एम. मार्ग शाखा का एल.सी. सं. 06000007296) अरुण शर्मा (उधारकर्ता) रजनी शर्मा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 5,35,298/-(रु. पांच लाख पैंतीस हजार दो सौ अट्ठानवे मात्र) एनपीए (03-10-2024)	प्लॉट नं. ई-05, ई-ब्लॉक, खसरा नं. 287 सीएचएचए का हिस्सा, ग्राम-दसौली, परगना-महोना, बीकेटी लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश- 226020
(लखनऊ - एम.एम.एम. मार्ग शाखा का एल.सी. सं. 19300043402) सच्चिदा नंद पटेल (उधारकर्ता) सोनम देवी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 10,48,178/- (रु. दस लाख अड़तालीस हजार एक सौ अठहत्तर मात्र) एनपीए (08-10-2024)	प्लॉट नं.-2, खसरा नं. 192 ग्राम, दनियालपुर, परगना-देवा, तहसील नवाबगंज, जिला-बाराबंकी, बाराबंकी बाराबंकी उत्तर प्रदेश - 225001
(लखनऊ - एमएमएम मार्ग शाखा का एलसी नं. 06000009047) सुनील कुमार मिश्रा (उधारकर्ता) रिनी मिश्रा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 6,62,394/-(रु. छह लाख बासठ हजार तीन सौ चौरानबे मात्र) एनपीए (08-10-2024)	डी 5/201 द्वितीय तल, मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट सी जी सिटी सुल्तानपुर रोड, लखनऊ लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226020
(आगरा शाखा का एलसी नं. 23400003672) अकबर खान (उधारकर्ता) रूमाना खान (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 4,50,186.88 (रु. चार लाख पचास हजार एक सौ छियासी और पैसे अट्ठासी मात्र) एनपीए (29-09-2024)	ईडब्ल्यूएस-265 ताजनगरी फेस 2 सेक्टर-एफ1 ताजगंज फतेहाबाद रोड, पुष्पांजलि पुरम आगरा के पास, आगरा उत्तर प्रदेश - 282001
(लखनऊ - एमएमएम मार्ग शाखा का एलसी नं. 06000004811) मुकुल कुमार गुप्ता (उधारकर्ता) राजू कुमार गुप्ता (सह-उधारकर्ता 1) फूल कुमारी (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 8,11,155.9(रु. आठ लाख ग्यारह हजार एक सौ पचपन और पैसे नब्बे मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्लॉट नं. 9 मिन का भाग, खसरा 497 अमराई गांव वार्ड शहीद भगत सिंह लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226020
(लखनऊ - एमएमएम मार्ग शाखा का एलसी नं. 06000008304) विजय भाकुनी (उधारकर्ता) नीलम श्रीवास्तव (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 13,68,398/-(रु. तेरह लाख अड़सठ हजार तीन सौ अट्ठान्वे मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्लॉट नं. 02 पर निर्मित मकान, खसरा नं. 106 और 107 का हिस्सा, ग्राम और वार्ड फैजुल्लागंज लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226020
(लखनऊ - एमएमएम मार्ग शाखा) राम सिंह (उधारकर्ता) प्रभा सिंह चौहान (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 10,59,807/- (रु. दस लाख उनसठ हजार आठ सौ सात केवल) एनपीए (08-11-2024)	प्लॉट नं. 03 खसरा नं. 715 मिन, गाँव अल्लू नगर डुगुरिया लखनऊ लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226020
(जबलपुर शाखा का एलसी नं. 08200002397) जितेंद्र सिंह (उधारकर्ता) प्रभुनाथ सिंह (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 3,64,968/-(रु. तीन लाख चौसठ हजार नौ सौ अड़सठ मात्र) एनपीए (08-11-2024)	ख. नं. 549/4, पी.एच. नं. 24, सेट.नं. 458 वार्ड क्रमांक 08 मौजा बोड़ा तहसील हुजूर रीवा रीवा मध्य प्रदेश- 486001
(दिल्ली - पीतमपुरा शाखा का एलसी नं. 09200001751) त्रिलोकपति कुमार (उधारकर्ता) मोहम्मद अजमेर अंसारी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु. 11,40,831/-(रु. ग्यारह लाख चालीस हजार आठ सौ इकतीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	आरजेड-एफ 1013/13ए (पुराना नं.-60) तीसरी मंजिल (पीछे की ओर) ख नं. 50/1/1, गांव पालम राज नगर-2, पालम कॉलोनी दिल्ली नई दिल्ली दिल्ली - 110075
(नोएडा - सेक्टर 2 शाखा का एलसी नं. 11900001894) मोहम्मद असलम खान (उधारकर्ता) जरीना बेगम (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 30,27,184/-(रु. तीस लाख सत्ताईस हजार एक सौ चौरासी मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्लॉट नं.-318 ब्लॉक नं.-सी, सेक्टर-10, इंडस्ट्रियल नोएडा गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश- 201301
(वाराणसी शाखा का एलसी नं. 12000001106) कन्हैया लाल भारती (उधारकर्ता) सविता प्रभा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 10,74,301/-(रु. दस लाख चौहत्तर हजार तीन सौ एक मात्र) एनपीए (08-11-2024)	आराजी नं. 257 मौजा-सुसवाही, परगना-देहात अमानत वाराणसी वाराणसी उत्तर प्रदेश- 221005
(वाराणसी शाखा का एलसी नं. 12000003664) उमेश सिंह (उधारकर्ता) नीतू सिंह (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 7,59,703/-(रु. सात लाख उनसठ हजार सात सौ तीन मात्र) एनपीए (08-11-2024)	आराजी नं. 937, मौजा परमानंदपुर परगना शिवपुर, वार्ड शिवपुर, वाराणसी वाराणसी उत्तर प्रदेश- 221002
(वाराणसी शाखा का एलसी नं. 12000003994) राकेश कुमार गुप्ता (उधारकर्ता) उर्मिला देवी (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 18,21,721/-(रु. अठारह लाख इक्कीस हजार सात सौ इक्कीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	आराजी सं. 318/2, मौजा - महमूदपुर तहसील- चंदौली, परगना - मवई वाराणसी चंदौली उत्तर प्रदेश - 232101
(मेरठ शाखा का एलसी नं. 14600001664) राहुल गहलोत (उधारकर्ता) आशा गहलोत (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 17,14,958/-(रु. सत्रह लाख चौदह हजार नौ सौ अट्ठावन मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्रा. फ्लैट नं. 1, प्लॉट 63 पर आरएचएस, द्वारिकापुरी एक्सटेंशन, ख. नं. 2136/2, 2137/3, 2138 /2, 2139/3, 2140/3, 2142/2 निकट प्रताप विहार मेरठ मेरठ उत्तर प्रदेश- 250004
(हल्द्वानी शाखा का एलसी नं. 15000003372) मुजफ्फर खान (उधारकर्ता) अंजुम बेगम (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु.2,10,131/-(रु. दो लाख दस हजार एक सौ इकतीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	खसरा नं. 914-923 का हिस्सा, बिहारमान नगला बरेली बरेली उत्तर प्रदेश - 243001
(गाजियाबाद शाखा का एलसी नं. 19000000523) चंद्र जीत यादव (उधारकर्ता) रीनू यादव (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 2,53,528/-(रु. दो लाख तिरेपन हजार पांच सौ अट्ठाईस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	फ्लैट नं. 803, 8वीं मंजिल, टावर जी ब्लॉक 03, टाइप जी, अमात्रा होम्स प्लॉट नं. जीएच 02सी, सेक्टर-10 ग्रेटर नोएडा वेस्ट गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश - 201308
(लखनऊ - एमएमएम मार्ग शाखा का एलसी नं. 19300041355) अरुण कुमार गुप्ता (उधारकर्ता) अवनी गुप्ता (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 19,98,687/-(रु. उन्नीस लाख अट्ठानबे हजार छह सौ अस्सी मात्र) एनपीए (08-11-2024)	फ्लैट नं. 211 द्वितीय तल श्री कृष्ण किला खसरा नं. 520 एस ए 521 गणेशपुर रहमानपुर फैजाबाद रोड लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226020
(लखनऊ - एमएमएम मार्ग शाखा का एलसी नं. 19300043725) पटेश्वरी गुप्ता (उधारकर्ता) सुमन गुप्ता (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 9,58,810.2/-(रु. नौ लाख अट्ठानबे हजार आठ सौ दस और पैसे बीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्लॉट नं. 12बी के हिस्से पर मकान, खसरा नं. 131 मिन गांव-नौबस्ता खुर्द, वार्ड - फैजुल्लागंज तह व जनपद लखनऊ लखनऊ उत्तर प्रदेश - 226020
(लखनऊ - एमएमएम मार्ग शाखा का एलसी सं. 193LUK31690) कल्पना श्रीवास्तव (उधारकर्ता) संजीव श्रीवास्तव (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 10,54,311/-(रु. दस लाख चौवन हजार तीन सौ ग्यारह मात्र) एनपीए (08-11-2024)	मकान/फ्लैट नं. एफ-3, परिसर नं. 127/770, सेक्टर ब्लॉक-डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर उत्तर प्रदेश-208007
(नोएडा - सेक्टर 2 शाखा का एलसी सं. 200NOD37388) समीर कुमार सिन्हा (उधारकर्ता) ईशा सिन्हा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 3,73,244/-(रु. तीन लाख तिहत्तर हजार दो सौ चौवालीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	मकान/फ्लैट नं. टी-3/डी-7, फ्लोर नं. 7वीं मंजिल, प्लॉट नं. जीएच-06/बी, शुभकामना लिविया, सेक्टर, सेक्टर-सीएचआई-वी, गांव ग्रेटर नोएडा ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश - 201308
(कानपुर शाखा का एलसी सं. 24000000494) अनूप अस्थाना (उधारकर्ता) मीता अस्थाना (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु. 15,95,340/-(रु. पन्द्रह लाख पिचान्बे हजार तीन सौ चालीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	परिसर सं. 7/108ए स्वरूप नगर मिठास रोड अनूप अस्थाना प्रॉपर्टीज कानपुर कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश- 208002
(लखनऊ - एमएमएम मार्ग शाखा का एलसी सं. 193LUK31226) कपलिश कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (उधारकर्ता) रिपिन कपलिश (सह-उधारकर्ता 1) वंदना कपलिश (सह उधारकर्ता 2)	18-11-2024/रु. 38,57,763/-(रु. अड़तीस लाख सत्तावन हजार सात सौ तिरेसठ मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्लॉट नं. 54 पर मकान, के-ब्लॉक, स्कीम-2 किदवई नगर, कानपुर उत्तर प्रदेश-208011
(कानपुर शाखा का एलसी नं. 24000001081) कपलिश कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (उधारकर्ता) रिपिन कपलिश (सह उधारकर्ता 1) वंदना कपलिश (सह उधारकर्ता 2) नाइमी कपलिश (सह उधारकर्ता 3)	18-11-2024/रु. 94,63,847/- (रु. चौरानबे लाख तिरेसठ हजार आठ सौ सैंतालीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	परिसर सं. 127/डब्ल्यू/786, डब्ल्यू-ब्लॉक, स्कीम नं. 2, जूही कलां कानपुर कानपुर ग्रामीण उत्तर प्रदेश - 208014
(कानपुर शाखा का एलसी नं. 24000001673) सुदेश कुमार (उधारकर्ता) राखी देवी (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु. 14,63,863/-(रु. चौदह लाख तिरेसठ हजार आठ सौ तिरेसठ मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्राइवेट प्लॉट नं. 89/3 आराजी नं. 404 का भाग, टटिया झनकू कानपुर, कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश - 208027
(कानपुर शाखा का एलसी नं. 24000001877) नीरज कुमार दुबे (उधारकर्ता) निधि दुबे (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 14,47,126/-(रु. चौदह लाख सैंतालीस हजार एक सौ छब्बीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्राइवेट प्लॉट नं. 77 आराजी नं. 1011 मेहरबान सिंह का पुरवा कानपुर कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश - 208027
(कानपुर शाखा का एलसी नं. 24000002094) प्रदीप कुमार सचान (उधारकर्ता) निधि सचान (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 17,34,903/-(रु. सत्रह लाख चौंतीस हजार नौ सौ तीन मात्र) एनपीए (08-11-2024)	फ्लैट नं. एफ एफ-5, प्लॉट नं. 865-सी, ब्लॉक बी, स्कीम नं. 40 पनकी कानपुर कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश- 208001
(कानपुर शाखा का एलसी नं. 24000002938) विमल कुमार (उधारकर्ता) प्रियंका शुक्ला (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 13,53,133/-(रु. तेरह लाख तिरेपन हजार एक सौ तैंतीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्लॉट नं. 11, आराजी नं. 413, ग्राम परगही बांगर, कानपुर कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश- 208001
(कानपुर शाखा का एलसी सं. 24000001844) संजय कुमार सिंह (उधारकर्ता) दीपमाला सिंह (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु. 20,13,821/- (रु. बीस लाख तेरह हजार आठ सौ इक्कीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	दूसरी मंजिल पर फ्लैट नं. 303, मां सरस्वती अपार्टमेंट, फेज-1 प्लॉट नं. 756 डब्ल्यू-1, स्कीम 2 जूही कला, साकेत नगर कानपुर कानपुर ग्रामीण उत्तर प्रदेश- 208014
(कानपुर शाखा का एलसी सं. 24000003192) संजय कुमार सिंह (उधारकर्ता) दीपमाला सिंह (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु. 5,47,443/-(रु. पांच लाख सैंतालीस हजार चार सौ तैंतालीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	दूसरी मंजिल पर फ्लैट नं. 303, मां सरस्वती अपार्टमेंट, फेज-1 प्लॉट नं. 756 डब्ल्यू-1, स्कीम 2 जूही कला, साकेत नगर कानपुर कानपुर ग्रामीण उत्तर प्रदेश- 208014
(कानपुर शाखा का एलसी सं. 24000004124) अमित गुप्ता (उधारकर्ता) मनोज कुमार गुप्ता (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 25,80,116/-(रु. पच्चीस लाख अस्सी हजार एक सौ सोलह मात्र) एनपीए (08-11-2024)	आराजी नं. 1748 मिन पर प्लॉट, बूढ़पुर मछरिया, एस आई इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास, कानपुर नगर, कानपुर शहरी उत्तर प्रदेश- 208017
(गोरखपुर शाखा का एलसी सं. 25700001917) राम निवास गुप्ता (उधारकर्ता) विद्यावती देवी (सह उधारकर्ता 1) बबली गुप्ता (सह उधारकर्ता 2) बजरंगी तिलकधारी गुप्ता (सह उधारकर्ता 3)	18-11-2024/रु. 36,47,929/-(रु. छत्तीस लाख सैंतालीस हजार नौ सौ उनतीस मात्र) एनपीए (08-11-2024)	मकान जोकि आराजी नं. 115, पुराना नं. 56, मौजा- भरवलिया बुजुर्ग, टप्पा एवं परगना- हवेली, तहसील-सदर गोरखपुर गोरखपुर उत्तर प्रदेश - 273412
(गोरखपुर शाखा का एलसी सं. 25700002461) प्रवीण कुमार (उधारकर्ता) पल्लवी मिश्रा (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 14,07,793/-(रु. चौदह लाख सात हजार सात सौ तिरानबे मात्र) एनपीए (08-11-2024)	प्लॉट जोकि आराजी नं. 832, वार्ड नं. 2 मौजा-जंगल छत्रधारी, टप्पा-खुटहां परगना-हवेली,तहसील-सदर गोरखपुर गोरखपुर उत्तर प्रदेश - 273001
(मुरादाबाद शाखा का एलसी नं. 29300000840) संतोष कुमार (उधारकर्ता) शुरती सागर (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 10,91,376/-(रु. दस लाख इक्यान्वे हजार तीन सौ छिहत्तर मात्र) एनपीए (08-11-2024)	खसरा नं. 671 मुहल्ला बैंक कॉलोनी शाहपुर तिगरी मोरादाबाद मोरादाबाद उत्तर प्रदेश - 244001
(प्रयागराज शाखा का एलसी नं. 29400000211) जिलेदार गौतम (उधारकर्ता) प्रीति पांडे (सह-उधारकर्ता 1) हिना खान (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024/रु. 24,47,503.54/-(रु. चौबीस लाख सैंतालीस हजार पांच सौ तीन और पैसे चौवन मात्र) एनपीए (08-11-2024)	मकान नं. ई.जे.-46, सेक्टर- जे, फेज ।।, मो. नैनी आवास योजना परगना अरैल, तह. करछना इलाहाबाद इलाहाबाद उत्तर प्रदेश - 211001
(नोएडा-सेक्टर 2 शाखा का एलसी नं. HLSA0004D8E1) संदीप कुमार (उधारकर्ता) नीलम शर्मा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 15,66,778.66/-(रु. पंद्रह लाख छियासठ हजार सात सौ अठहत्तर और पैसे छियासठ मात्र) एनपीए (03-11-2024)	फ्लैट नं. 3, प्लॉट नं. 15 16 17, दूसरी मंजिल, छत के अधिकार के साथ, खसरा नं. 792, गांव धारगल जलालाबाद, गाजियाबाद 201009 उत्तर प्रदेश
(नोएडा-सेक्टर 2 शाखा का एलसी नं. HLSA0004D8E1TU) संदीप कुमार (उधारकर्ता) नीलम शर्मा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु. 93,818.12/-(रु. तिरान्बे हजार आठ सौ अठारह और पैसे बारह मात्र) एनपीए (03-11-2024)	फ्लैट नं. 3, प्लॉट नं. 15 16 17, दूसरी मंजिल छत के अधिकार सहित, खसरा नं. 792, गांव धारगल जलालाबाद, गाजियाबाद 201009 उत्तर प्रदेश
(नोएडा शाखा का एलसी नं. M0029345) यशवीर (उधारकर्ता) अनीता (सह-उधारकर्ता 1) शिवम चौधरी (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 32,89,733.94/-(रु. बत्तीस लाख नवासी हजार सात सौ तैंतीस और पैसे चौरानबे मात्र) एनपीए (03-11-2024)	मकान नं. 122 (पुराना), नया मकान 178, गली नं. 02, सुभाष नगर, शिव मंदिर, मेरठ- 250002, उत्तर प्रदेश
(नोएडा शाखा का एलसी नं. M0029345TU) यशवीर (उधारकर्ता) अनीता (सह-उधारकर्ता 1) शिवम चौधरी (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 11,20,800.94/-(रु. ग्यारह लाख बीस हजार आठ सौ और पैसे चौरानबे मात्र) एनपीए (03-11-2024)	मकान नं. 122 (पुराना), नया मकान 178, गली नं. 02, सुभाष नगर, शिव मंदिर, मेरठ- 250002, उत्तर प्रदेश
(लखनऊ - गोमती नगर शाखा का एलसी नं. M0194850) जुबैर अहमद (उधारकर्ता) जरीना खातून (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 19,43,223.6 (रु. उन्नीस लाख तैंतालीस हजार दो सौ तेईस और पैसे साठ मात्र) एनपीए (03-10-2024)	मकान भूमि क्षेत्रफल 500 वर्ग फीट, प्लॉट नं. 46, 47,48 के हिस्से पर निर्मित, खसरा नं. 369 में से, मकान नं. 430/025एन का हिस्सा, मोअज्जम नगर गढ़ी पीर खान, रहमानिया मस्जिद, लखनऊ-226003, यू.पी. में स्थित
(हाथरस शाखा का एलसी नं. M0225777) पंकज पलावत (उधारकर्ता) केएम पिंकी कुमारी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 16,29,962.12/- (रु. सोलह लाख उनतीस हजार नौ सौ बासठ और पैसे बारह मात्र) एनपीए (03-09-2024)	प्लॉट नं. 101, खसरा नं. 27 और 44 का हिस्सा, आशीर्वाद वाटिका चुंगी, ओढ़पुरा बिजलीघर के पास, मौजा खोंडा हजारी, परगना और तहसील हाथरस 204101 उत्तर प्रदेश
(मुरादाबाद शाखा का एलसी नं. M0235166) जगत सिंह (उधारकर्ता) मीरा (सह-उधारकर्ता 1) पंकज (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024/रु. 9,19,351.68 (रु. नौ लाख उन्नीस हजार तीन सौ इक्यावन और पैसे अड़सठ मात्र) एनपीए (03-10-2024)	खसरा नं. 774, 775, पंडित नगला की मिलक, शिव मंदिर, मुरादाबाद-244001, उत्तर प्रदेश
(मुरादाबाद शाखा का एलसी नं. M0235321) अनिल कुमार (उधारकर्ता) ओमवती (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 13,32,367.3 (रु. तेरह लाख बत्तीस हजार तीन सौ सड़सठ और पैसे तीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	गाटा सं. 77 का भाग, न्यू जेनरेशन फ्यूचर एकेडमी, मुरादाबाद-244001, उत्तर प्रदेश।
(मुरादाबाद शाखा का एलसी नं. M0236977) मोहम्मद रिजवान (उधारकर्ता) रफीका (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 20,23,044 /-(रु. बीस लाख तेईस हजार चौवालीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खारा नं.136, ग्राम पिपला जागीर, परगना बूढ़पुर तहसील, चांदपुर-246734, बिजनौर, उत्तर प्रदेश
(मुरादाबाद शाखा का एलसी नं. HLSA0000505C) मोहम्मद रईस (उधारकर्ता) अस्मा बी (सह-उधारकर्ता 1) मोहम्मद इदरीस (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024/रु. 25,76,650.48 (रु. पच्चीस लाख छिहत्तर हजार छह सौ पचास और पैसे अड़तालीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा नं. 161 का हिस्सा, सलीम सीमेंट स्टोर लगभग 100 मीटर, ग्राम रसूलपुर नगला खेम, मुरादाबाद-244001, उत्तर प्रदेश
(मुरादाबाद शाखा का एलसी नं. M0248536) आजम अली (उधारकर्ता) नाजरीन (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 18,62,171.3/-(रु. अठारह लाख बासठ हजार एक सौ इकहत्तर और पैसे तीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा नं. 291, 297 का हिस्सा, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप 100.00 मीटर लगभग, मुरादाबाद- 244001, उत्तर प्रदेश
(मुजफ्फरनगर का एलसी नं. M0253022 - भोपा रोड शाखा) रिसालत खान (उधारकर्ता) चांद रानी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 13,05,694.5 /-(रु. तेरह लाख पांच हजार छह सौ चौरानबे और पैसे पचास मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा नं. 2312, मोहल्ला मक्कीनगर, पर. और तेह. एवं जिला-मुजफ्फरनगर-251001, उत्तर प्रदेश
(वापी शाखा का एलसी नं. HLSA000065AD) चौधरी समीउल्लाह जुम्मन (उधारकर्ता) सलमा समीउल्लाह चौधरी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु. 9,83,892.3 (रु. नौ लाख तिरासी हजार आठ सौ बान्वे और पैसे तीस मात्र) एनपीए (03-10-2024)	फ्लैट नं. 105, पहली मंजिल, ड्रीम पैलेस, प्रिंस पार्क के पास, ग्राम करवड़, उप जिला वापी, वलसाड 396191
(मुरादाबाद शाखा का एलसी नं. M0260252) सरित सिंह (उधारकर्ता) अरुणा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 6,58,477.06 /-(रु. छह लाख अट्ठावन हजार चार सौ सतहत्तर और पैसे छह मात्र) एनपीए (03-10-2024)	गाटा सं. 83, मुहल्ला हीरा नगर धनौरा, एचपी गैस एजेंसी, ज्योतिबा फुले नगर, तहसील- धनुआरा, जिला-अमरोहा, उत्तर प्रदेश -244321
(मेरठ शाखा का एलसी नं. M0264940) आरिफ (उधारकर्ता) सबाना (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 14,57,759.68/-(रु. चौदह लाख सत्तावन हजार सात सौ उनसठ तथा पैसे अड़सठ मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा नं. 1901, न्यू और अविकसित कॉलोनी, अंदर नगर पालिका परिषद, सरधना, झिटकारी रोड के पास, पीए, मेरठ-250342, उत्तर प्रदेश
(लखनऊ - गोमती नगर शाखा का एलसी नं. HLSA00007205) मनीष सिंह (उधारकर्ता) प्रीति सिंह (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 36,04,503.4 /-(रु. छत्तीस लाख चार हजार पांच सौ तीन तथा पैसे चालीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	प्लॉट नगर निगम सं. खसरा सं. 424, खसरा सं. 424 का हिस्सा, लखनऊ लॉ कॉलेज ग्राम अहमामऊ, वार्ड-विस्तारित क्षेत्र भाग -1, लखनऊ, 226002 उत्तर प्रदेश
(सीतापुर शाखा का एलसी नं. HLSA00008D74) अनिल कुमार सक्सेना (उधारकर्ता) रामकुमार सक्सेना (सह-उधारकर्ता 1) राजेश्वरी (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 7,41,462.9 /-(रु. सात लाख इकतालिस हजार चार सौ बासठ और पैसे नब्बे मात्र) एनपीए (03-11-2024)	प्लॉट नगरपालिका सं. 215, पुराना नं. 223,227, कस्बा में नीमसर परगना औरंगाबाद, हनुमान गढ़ी के पास, सीतापुर-261001, उत्तर प्रदेश
(मेरठ शाखा का एलसी नं. BLSA00004A2D) अरविंद कुमार (उधारकर्ता) रेनू देवी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 13,60,467.94 /-(रु. तेरह लाख साठ हजार चार सौ सड़सठ और पैसे चौरानबे मात्र) एनपीए (03-11-2024)	मकान नं. 150/224, वार्ड नं. 6, वाल्मिकी मंदिर, मुजफ्फरनगर-247776, उत्तर प्रदेश
(लखनऊ - पीजीआई शाखा का एलसी नं. HLSA0002C298) मोहित मिश्रा (उधारकर्ता) रोहित मिश्रा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 18,38,592.2 /-(रु. अठारह लाख अड़तीस हजार पांच सौ बान्वे और पैसे बीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	दूसरी मंजिल पर फ्लैट नं. 203, खसरा नं. 970 का हिस्सा, आरएलबी स्कूल सेक्टर-8 के पास, जे एंड एस हाइट, गांव इस्माइलगंज, लखनऊ गोमती नगर 226028 उत्तर प्रदेश में स्थित
(अलीगढ़ शाखा का एलसी नं. BLSA00005099) असलम (उधारकर्ता) अमीना बेगम (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 9,68,425/-(रु. नौ लाख अड़सठ हजार चार सौ पच्चीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा नं. 3194के का हिस्सा, मौजा कस्बा कोइल, नगला आशिक अली परगना और तहसील कोइल जिला अलीगढ़ -202001, उत्तर प्रदेश
(बरेली शाखा का एलसी नं. BLSA00009766) शाहरुख (उधारकर्ता) शाहिद (सह-उधारकर्ता 1) चंदा बी (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 12,53,062.02 /-(रु. बारह लाख तिरेपन हजार बासठ और पैसे दो मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा नं. 122, 123,124, 125 का हिस्सा, चक अब्बास नगर, जगतपुर लाला बेगम, कांकर टोला पुलिस चौक के पास, बरेली-243006
(वाराणसी शाखा का एलसी नं. HLSA00037028) तरन्नुम रहमान अंसारी (उधारकर्ता) महफूजुर रहमान अंसारी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 16,90,416.32 /-(रु. सोलह लाख नब्बे हजार चार सौ सोलह और पैसे बत्तीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	मकान नं. ए-28/60 सी, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप, पीली कोठी के पास, वाराणसी-221001, उत्तर प्रदेश
(लखनऊ - गोमती नगर शाखा का एलसी नं. HLSA0003AF64) प्रवींद्र कुमार मिश्रा (उधारकर्ता) मनोरमा मिश्रा (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 34,34,962.4 /-(रु. चौंतीस लाख चौंतीस हजार नौ सौ बासठ और पैसे चालीस मात्र) एनपीए (03-10-2024)	प्लॉट खसरा नं. 19एम का हिस्सा, पेट्रोल पंप, लखनऊ-226010, उत्तर प्रदेश
(कानपुर शाखा का एलसी नं. HLSA0003C246) अरबाज वहीद (उधारकर्ता) अनफाज वहीद (सह-उधारकर्ता 1) जीनत बेगम (सह-उधारकर्ता 2) अंसुल वहीद (सह-उधारकर्ता 3)	18-11-2024 /रु. 13,28,651.42 /-(रु. तेरह लाख अट्ठाईस हजार छह सौ इक्यावन और पैसे बयालीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	फ्लैट नं.201, द्वितीय तल, परिसर नं. 88/255ए, शादियाना गेस्ट हाउस, कानपुर-208001, उत्तर प्रदेश
(अलीगढ़ शाखा का एलसी नं. HLSA0004209A) राजकुमार गौतम (उधारकर्ता) प्रेम लता (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 27,08,382.98 /-(रु. सत्ताईस लाख आठ हजार तीन सौ ब्यासी और पैसे अट्ठानबे मात्र) एनपीए (03-11-2024)	नगर पंचायत, मकान नं. 146, वार्ड नं. 07 मोहल्ला शिवपुरी गली नं. 6, श्रीनाथ अस्पताल के पास, अलीगढ़-202130, उत्तर प्रदेश
(लखनऊ - पीजीआई शाखा का एलसी नं. HLSA00046862) रेखा श्रीवास्तव (उधारकर्ता) सागर श्रीवास्तव (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 5,93,420.42 (रु. पांच लाख तिरानबे हजार चार सौ बीस और पैसे बयालीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	प्लॉट नं. 2, खसरा नं. 294, मोहल्ला केशवानीपुरम, ठाकुर द्वार मंदिर, खीरी- 262701, उत्तर प्रदेश
(पानीपत शाखा का एलसी नं. BLSA000102DA) साहिल खान (उधारकर्ता) रुकसाना (सह-उधारकर्ता 1) शाहिद खान (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 8,69,461.72 (रु. आठ लाख उनहत्तर हजार चार सौ इकसठ और पैसे बहत्तर मात्र) एनपीए (03-11-2024)	चक नं. 4083, हदूद हदबस्त नं. 3, खसरा नं. 712, दरबार खुर्द 2, दरबार खुर्द झरखेड़ी, मक्कीर मस्जिद के पास, कैराना, मुजफ्फरनगर-247774,
(मेरठ शाखा का एल सी नं. HLSA00049511) संत कुमार निरंकारी (उधारकर्ता) कुसुम रानी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 12,37,098.14 (रु. बारह लाख सैंतीस हजार अट्ठानबे और पैसे चौदह मात्र) एनपीए (03-11-2024)	प्लॉट नं. ए21, खसरा नं. 753, ग्राम खड़ौली, त्रिवेणी एन्क्लेव कॉलोनी, मेरठ-250005, उत्तर प्रदेश
(गोंडा शाखा का एलसी नं HLSA00058BOB) रवि कुमार (उधारकर्ता) रेखा देवी (सह-उधारकर्ता 1) वेद प्रकाश (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 11,66,949.5 /-(रु. ग्यारह लाख छियासठ हजार नौ सौ उनचास और पैसे पचास मात्र) एनपीए (03-11-2024)	गाटा सं. 131 का प्लॉट भाग, ग्राम- कंजड़वा, परगना-इकौना, तहसील-इकौना, जिला-श्रावस्ती उत्तर प्रदेश 271845
(सीतापुर शाखा का एलसी नं. HLSA0005958D) अनुराग कुमार शुक्ला (उधारकर्ता) शांति देवी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 6,25,957.06 (रु. छह लाख पच्चीस हजार नौ सौ सत्तावन और पैसे छह मात्र) एनपीए (03-11-2024)	प्लॉट सं. 10, गांव बरखेरवा महेवा, मोहल्ला राम नगर, गाटा सं. 225, लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश 262701
(मेरठ शाखा का एलसी नं. BLSA0001C979) मोहम्मद रिहान (उधारकर्ता) रानी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 21,75,972.8 (रु. इक्कीस लाख पिचहत्तर हजार नौ सौ बहत्तर और पैसे अस्सी मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा नं. 3076, लखीपुरा मेरठ उत्तर प्रदेश 250002
(प्रयागराज शाखा का एलसी नं. HLSA0005C6D2) दीपक पांडे (उधारकर्ता) माधुरी तिवारी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 18,35,472.4 (रु. अठारह लाख पैंतीस हजार चार सौ बहत्तर और पैसे चालीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	फ्लैट नं. 14 ईडब्लूएस, निकट होम गार्ड कार्यालय, इलाहाबाद उत्तर प्रदेश 211001
(आगरा शाखा का एलसी नं. BLSA00018652) प्रमोद कुमार (उधारकर्ता) गौरव अग्रवाल (सह-उधारकर्ता 1) अंकित अग्रवाल (सह-उधारकर्ता 2) नीलम अग्रवाल (सह उधारकर्ता 3)	18-11-2024/रु. 21,48,704.52 (रु. इक्कीस लाख अड़तालीस हजार सात सौ चार और पैसे बावन मात्र) एनपीए (03-11-2024)	मकान नगर निगम नं. 50, मोहल्ला चौबे जी की बाग शहर, काला माता मंदिर के पास, फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश 283203
(आगरा शाखा का एलसी नं. M0071538) दिनेश चंद (उधारकर्ता) प्रेम वती देवी (सह उधारकर्ता 1)	18-11-2024/रु. 24,78,942/- (रु. चौबीस लाख अड़तालीस हजार नौ सौ बयालीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	प्लॉट नं.-7 (भाग), 8, और 9, खसरा नं.- 142 और 145 पर मकान, चामुंडा कॉलोनी, प्राइमरी स्कूल के पास, मौजा-तंतुरा, मथुरा उत्तर प्रदेश -281006
(हरदोई - लखनऊ रोड शाखा का एलसी नं. HLSA000737AD) गौरव यादव (उधारकर्ता) जमुना देवी (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 15,77,630.82/-(रु. पंद्रह लाख सतहत्तर हजार छह सौ तीस और पैसे बयासी मात्र) एनपीए (03-09-2024)	भूमि गाटा सं. 179 का भाग, ग्राम कुतुलुपुर बहार नगर पालिका, देव धाम मंदिर, परगना व तहसील बिलग्राम, हरदोई उत्तर प्रदेश 241301 में स्थित
(मेरठ शाखा का एलसी नं. BLSA0001A9E9) अमजद खान (उधारकर्ता) समीम मलिक (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 19,98,338.56 /-(रु. उन्नीस लाख अट्ठानबे हजार तीन सौ अड़तीस और पैसे छप्पन मात्र) एनपीए (03-11-2024)	दतावली, ग्रेसुपुर मेरठ उत्तर प्रदेश 250001
(वाराणसी शाखा का एलसी नं. HLSA00063C2E) शाकिब अली (उधारकर्ता) सोनम परवीन (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 33,46,530.28 (रु. तैंतीस लाख छियालीस हजार पांच सौ तीस और पैसे अट्ठाईस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	फ्लैट नं. 42/31-2, दूसरी मंजिल, बेनियाबाग तिराहा शहर के पास- वाराणसी, यू.पी.221001
(सीतापुर शाखा का एलसी नं. BLSA0001D9D1) प्रेम शंकर पांडे (उधारकर्ता) मंजू (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 10,79,643.96 (रु. दस लाख उनासी हजार छह सौ तैंतालीस और पैसे छियानवे मात्र) एनपीए (03-11-2024)	गाटा नं. 210 का प्लॉट, कैंपियर नगर, टप्पा- भारीवैसी, परगना-हवेली, तहसील- कैंपियरगंज, भारत पेट्रोल पंप के पास जिला-गोरखपुर उत्तर प्रदेश 273158
(फैजाबाद शाखा का एलसी नं. BLSA0002296E) राम कुमार वर्मा (उधारकर्ता) निर्मला (सह-उधारकर्ता 1) संतोष कुमार (सह-उधारकर्ता 2) लालजी (सह-उधारकर्ता 3)	18-11-2024 /रु. 31,33,838.04 /-(रु. इकतीस तीस लाख तैंतीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे चार मात्र) एनपीए (03-11-2024)	गाटा सं. 33 केएचए, गोपीनाथपुर, परगना अमौड़ा, बस्ती उत्तर प्रदेश 272130
(नोएडा शाखा का एलसी नं. M0092830) आजाद सिंह भाटी (उधारकर्ता) अनीता एस (सह-उधारकर्ता 1) सचिन एस (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 8,39,754.3/-(रु. आठ लाख उनतालीस हजार सात सौ चौवन और पैसे तीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खाता नं. 00090, खेत नं. 84, ग्राम फजायलपुर, परगना सिकंदराबाद, पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के पास, गौतम बुद्ध नगर-203202, उत्तर प्रदेश
(अलीगढ़ शाखा का एलसी नं. M0120408) अलीम मोहम्मद (उधारकर्ता) जुबेदा के (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 14,90,921/- (रु. चौदह लाख नब्बे हजार नौ सौ इक्कीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा 42, प्लॉट 49, सैनी गेस्ट हाउस के पास कोली अलीगढ उत्तर प्रदेश 202001
(वाराणसी शाखा का एलसी नं. M0114433) रमाकांत विश्वकर्मा (उधारकर्ता) संगीता आर (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 5,95,021/-(रु. पांच लाख पिच्यान्वे हजार इक्कीस मात्र) एनपीए (03-10-2024)	आराजी नं. 121 सकलडीहा बाजार और नहर पर प्लॉट, जिला- चंदौली उत्तर प्रदेश 232109
(आगरा शाखा का एलसी नं. M0114976) रमनजीत (उधारकर्ता) मीना (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 12,08,938.02 (रु. बारह लाख आठ हजार नौ सौ अड़तीस और पैसे दो मात्र) एनपीए (03-11-2024)	प्लॉट नं. 43 (भाग), खसरा नं. 47, यूनिवर्सिटी एन्क्लेव, क्वालिटी मार्बल स्टोन के पास, तहसील और जिला-आगरा, आगरा, उत्तर प्रदेश
(अलीगढ़ शाखा का एलसी नं. M0117415) अब्दुल रहमान (उधारकर्ता) भूरी बेगम (सह-उधारकर्ता 1) आबिद मोहम्मद (सह-उधारकर्ता 2)	18-11-2024 /रु. 14,80,349/-(रु. चौदह लाख अस्सी हजार तीन सौ उन्तालीस मात्र) एनपीए (03-08-2024)	प्लॉट नं. डी एल.115, ब्लॉक डी, शांति निकेतन अदा कॉलोनी, खैर बाई पास शाहजमाल परागन और तहसील कोइल, जिला अलीगढ़ 202001 उत्तर प्रदेश
(लखनऊ - गोमती नगर शाखा का एलसी नं. M0126552) पुनीत कुमार (उधारकर्ता) समीक्षा पटेल (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 7,72,252.3 /-(रु. सात लाख बहत्तर हजार दो सौ बावन और पैसे तीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	दुकान 09, प्लॉट 06, खसरा नं. 25 और 29, जोइंडिया ट्रैक्टर एजेंसी, ग्राम मल्लूरपुर, डुबंगाब्लुखनऊ उत्तर प्रदेश 226003 में स्थित
(दिल्ली शाखा का एलसी नं. M0135036) इमरान कुरैशी (उधारकर्ता) प्रिया (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 18,59,520/-(रु. अठारह लाख उनसठ हजार पांच सौ बीस मात्र) एनपीए (03-10-2024)	प्लॉट नं. 18/1 और 18/2, कुरेशी नगर, खसरा 1251, कासिम फार्म हाउस के पास गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 245101
(मेरठ शाखा का एलसी नं. M0141678) सैफ अली (उधारकर्ता) सारिका (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 13,25,504.42 /-(रु. तेरह लाख पच्चीस हजार पांच सौ चार और पैसे बयालीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	खसरा नं.- 205 एवं 206 एवं 207, अनूपनगर फाजलपुर, परगना और तेह. एवं जिला-मेरठ उत्तर प्रदेश 250002
(आगरा शाखा का एलसी नं. M0155519) आकाश गुप्ता (उधारकर्ता) आशा गुप्ता (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 8,28,120.02 (रु. आठ लाख अट्ठाईस हजार एक सौ बीस और पैसे दो मात्र) एनपीए (03-11-2024)	प्लॉट नं. खसरा नं. 387, वार्ड पुराना नं. 9, मोहल्ला-गोपालपुरा, फतेहाबाद, प्रिंस गमाल स्टोर के पास जिला- आगरा उत्तर प्रदेश 282001
(मुरादाबाद शाखा का एलसी नं. M0169791) राशिद (उधारकर्ता) मुसर्रत (सह-उधारकर्ता 1)	18-11-2024 /रु. 6,34,424/- (रु. छह लाख चौंतीस हजार चार सौ चौबीस मात्र) एनपीए (03-11-2024)	गाटा सं. 117 का भाग, निजी प्लॉट नं. 10 और 11, ग्राम बरबरा आर के मेडिकल के पास, मुरादाबाद उत्तर प्रदेश 244001
(दिल्ली - पीतमपुरा शाखा का एलसी नं. 13100000980) पंकज अग्रवाल (उधारकर्ता) दिशा अग्रवाल (सह-उधारकर्ता 1) लिमिटेड अंशुज ढींगरा समाधान प्रोफेशनल (सह उधारकर्ता 2) के माध्यम से	16-11-2024 /रु. 8,23,94,863 /-(रु. आठ करोड़ तेईस लाख चौरानबे हजार आठ सौ तिरेसठ मात्र) एनपीए (01-12-2019)	आवासीय, कोठी, प्लॉट नं. 142, ब्लॉक बी, सेक्टर 50, क्षेत्रफल 360 वर्ग मी., नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश - 201304

यदि उक्त उधारकर्ता उपरोक्तानुसार पीसीएचएफएल को भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो पीसीएचएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, लागत और परिणामों के संबंध में पूरी तरह से उक्त उधारकर्ताओं के जोखिम पर होगा। अधिनियम के तहत उक्त उधारकर्ताओं को पीसीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना, बिक्री, पट्टे या अन्यथा उपरोक्त संपत्तियों को स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है। कोई भी व्यक्ति जो उक्त अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

दिनांकः 17.12.2024, स्थानः उत्तर प्रदेश

हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी)
पीरामल कैपिटल एण्ड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 17 दिसंबर, 2024

महिला अदालत में केजरीवाल ने केंद्र सरकार को घेरा

आप प्रमुख ने कहा, भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री दिल्ली के लोगों ने सुरक्षा देने में विफल रहे

● त्यागराज स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा, दिल्ली की महिलाएं मेरे लिए वोट बैंक नहीं, वे उन्हें अपनी बहन और मां मानते हैं

राजधानी में आयोजित महिला सम्मान कार्यक्रम में आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल, सीएम आतिशी के साथ समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को भारतीय महिला अदालत में महिला सुरक्षा और दिल्ली की कानून व्यवस्था पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने केंद्र पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहने का आरोप लगाया।

त्यागराज स्टेडियम में महिला अदालत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, दस साल पहले दिल्ली वालों ने उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में स्कूल, अस्पताल और जलापूर्ति बेहतर करने की जिम्मेदारी दी थी और उन्होंने अपना काम किया। लेकिन दिल्ली के लोगों ने सुरक्षा की जिम्मेदारी भाजपा और अमित शाह को दी, जो विफल रहे।

केजरीवाल ने कहा, दिल्ली की महिलाएं मेरे लिए वोट बैंक नहीं हैं, वह उन्हें अपनी बहन और मां मानते हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी। आप के सत्ता में आने से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। लोगों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए और दिल्ली परिवहन निगम की बसों में बस मार्शल नियुक्त किए। यह कार्यक्रम वर्ष 2012 में दिल्ली में हुई सामूहिक बलात्कार की घटना की 12वीं बरसी पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में आप प्रमुख ने निर्भया को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने निर्भया अमर रहे और महिला शक्ति जिंदाबाद जैसे नारे लगाए। इस अवसर पर टीवी एक लोकप्रिय कार्यक्रम आप की अदालत की तर्ज पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों को उजागर करने वाला एक छोटा वीडियो दिखाया गया, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर महिलाओं की सुरक्षा के मामले में निष्क्रियता का आरोप लगाया गया। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, मुख्यमंत्री आतिशी और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह समेत अन्य लोग शामिल हुए।

अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय राजधानी बिगड़ी कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भाजपा पर जमकर हमला बोला। साथ ही, उन्होंने आप सरकार द्वारा जनता के हित में किए जा रहे कामों को सराहा। उन्होंने महिलाओं को 2100 रुपए प्रतिमाह सम्मान राशि देने की घोषणा करने के लिए केजरीवाल को बधाई देते हुए कहा कि आप प्रमुख ने यह फैसला कर महिलाओं को सम्मान दिलाने काम किया है।

अखिलेश को बुलाना निर्भया का अपमान : सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी द्वारा आज जिस मंच से महिला सम्मान की बड़ी बड़ी बातें की जा रही थी उस मंच पर बैठे गणमान्यों एवं उनके परिवार पर ही महिला अपमान को बढ़ावा देने का आरोप लग चुका है चाहे वह केजरीवाल हो या फिर अखिलेश यादव।

सचदेवा ने कहा कि महिला अदालत लगाने वाले केजरीवाल काश अपने सहयोगी विभव कुमार को बाहर करके आज स्वाति मालीवाल को न्याय दे देते, लेकिन उन्होंने विभव कुमार को लेकर आज तक चुप्पी साधे रखी है। निर्भया के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अखिलेश यादव को बुलाकर निर्भया का अपमान करने का कोई कसर नहीं छोड़ा है। यादव के पिता स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव को कौन भूल सकता है जिन्होंने महिला उत्पीड़ के आरोपी युवकों का बचाव करते हुए कहा था कि लड़को से गलती हो जाती है उनके साथ केजरीवाल का महिला सम्मान कार्यक्रम करना काफी हैरान करता है। केजरीवाल के पास नैतिकता होती तो वह आज के महिला सम्मान मंच का प्रयोग करते हुए हिम्मत करते और अखिलेश को उनके पिता के बयान पर देश की महिलाओं से माफी मांगने को कहते।

कांग्रेस से दूरी, आम आदमी पार्टी से नजदीकी

संजय राय। नई दिल्ली

संसद के अंदर और बाहर इंडिया गुट के सहयोगी दलों के बीच मतभेद दिखने लगा है। हरियाणा-महाराष्ट्र के चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद, सहयोगी दल ताकत दिखाने लगे हैं। साथ ही राहुल गांधी की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। इसके के मद्देनजर इंडिया गुट के दल कांग्रेस की घेरेबंदी शुरू कर दिए हैं।

इसी बड़ी में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक तरफ कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से दोस्ती बढ़ा रहे हैं। विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को भाजपा और कांग्रेस से लड़कर दिल्ली में फिर से सरकार बनानी है। राष्ट्री राजधानी में आप द्वारा आयोजित महिला अदालत कार्यक्रम में शामिल होकर सपा प्रमुख ने इसके संकेत भी दे दिए हैं। केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी के सामने अखिलेश ने ऐलान किया कि दिल्ली में सपा केजरीवाल और आप के साथ है।

अखिलेश यादव ने महिला अदालत कार्यक्रम में में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में महिला सुरक्षित नहीं है, तो हम कैसे मान लें कि देश उनके हाथ में सुरक्षित है। अखिलेश ने मणिपुर के हालात की भी चर्चाकी और कहा कि गृह मंत्रालय कोई काम नहीं कर रहा है। गृहमंत्रालय सिर्फ नाम का है। दिल्ली से लेकर मणिपुर तक हाल खराब है। गृहमंत्रालय पता नहीं किस दुनिया का मंत्रालय है जो देश की राजधानी में सुरक्षा नहीं दे पा रहा। यादव ने कहा कि आप की सरकार ने जो काम किया है, उसके लिए दोबारा मौका मिलना चाहिए। अखिलेश यादव का केजरीवाल के कार्यक्रम में शामिल होना और केजरीवाल व आप सरकार की सराहना करना कांग्रेस के लिए सदमा से कम नहीं है।

महिला सुरक्षा को बना रहे चुनावी हथकंडा : देवेंद्र यादव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों पर अरविन्द केजरीवाल की महिला अदालत चुनावी सभा थी। चुनावी सभा में आप प्रमुख ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों की कहानी, अपनी झूठी बयानबाजी और बिगड़ती कानून व्यवस्था पर अपने को सबके समाने असहाय घोषित करके महिलाओं को बेसहारा छोड़ने का प्रमाण दे दिया है। निर्भया कांड पर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि सभा करके सत्ता हासिल करने वाले आप नेता फिर चुनावों से पहले महिलाओं को चुनावी जीत का हथियार बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

यादव ने लोगों को विशेषकर महिलाओं को भाजपा और आम आदमी पार्टी के राजनीतिक चुनावी प्रपंचों के बचने की सलाह दी हैं, क्योंकि पिछले 11 वर्षों में भाजपा की केन्द्र सरकार और आप की सरकार ने महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने की जगह इन पर बढ़ते अपराधों पर सिर्फ कोरी राजनीति करने की भूमिका निभाई है। केजरीवाल और भाजपा महिलाओं को सुरक्षा और न्याय दिलाने में अब तक नाकाम रहीं हैं।

यादव ने आप प्रमुख से सवाल पूछा कि वित्त वर्ष 2024-25 बजट में अलग से बजट आवंटित होने के बावजूद महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सम्मान राशि अभी क्यों नही दी गई। यादव ने कहा कि फरवरी 2022 में चुनावों से पहले पंजाब की महिलाओं से किए गए 1000 रुपये प्रतिमाह देने के वादे को अभी तक लागू नही किया है।

महिला अदालत पर मालीवाल का तंज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने महिला अदालत कार्यक्रम को लेकर आप संयोजक केजरीवाल पर तंज कसा और पूछा कि क्या इसका जज बिभव कुमार को बनाया जाएगा। गत 13 मई को स्वाति मालीवाल पर मुख्यमंत्री आवास में कथित तौर पर हमला किया गया था। स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल के सहयोगी रहे बिभव कुमार पर मारपीट का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया था। वह तब सेही आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पर तीखी टिप्पणियां कर रही हैं। दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ने आप संयोजक को टैग करते हुए एक्स पर लिखा, अरविंद केजरीवाल, महिला अदालत में जज बिभव कुमार को बनाएंगे। मालीवाल ने यह तंज उस समय कसा जब केजरीवाल सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ त्यागराज स्टेडियम में मंच साझा कर रहे थे।

लंबित 14 कैग रिपोर्ट सदन पटल पर रखें : उपराज्यपाल

● एलजी ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर विस का विशेष सत्र बुलाने की दी सलाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने को कहा है, जिससे लंबित चल रही नियंत्रक व महालेखा परीक्षक की 14 रिपोर्ट सदन के पटल पर रखा जा सके। एलजी ने कहा कि सीएजी की रिपोर्ट शासन में पारदर्शिता की कसौटी है और इन्हें विधानमंडल के समक्ष शीघ्र रखना सरकार का संवैधानिक दायित्व है। सीएजी रिपोर्ट को तुरंत विस के समक्ष नहीं रखकर सरकार अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करने में विफल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि संवैधानिक जनादेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए बिना और समय गंवाए सत्र बुलाया जाना चाहिए। अभी विधानसभा का सत्र स्थगित नहीं किया गया है।

उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार, नियंत्रक व महालेखा परीक्षक की इन 14 रिपोर्ट में दिल्ली में शराब विनियमन और आपूर्ति, प्रदूषण की रोकथाम, सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन, कार्यप्रणाली का प्रदर्शन आदि पर ऑडिट रिपोर्ट शामिल है। दिल्ली परिवहन निगम के राजस्व, व्यय और सरकार के वित्तीय ऑडिट आदि की रिपोर्ट भी इसमें शामिल है। राजनिवास के मुताबिक, ये रिपोर्ट उस समय की है, जब आप के मुखिया मुख्यमंत्री थे।

यह सभी रिपोर्ट्स उस समय की हैं जब अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री थे। ये रिर्पोट दिल्ली सरकार के पास डेढ़ साल से अधिक समय से लंबित पड़ी हुई हैं। उपराज्यपाल ने इन सभी रिपोर्टों को सदन में प्रस्तुत करने के लिए अपनी औपचारिक स्वीकृति दे दी है।

कांग्रेस ने इस पहल का किया स्वागत

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने उपराज्यपाल द्वारा 14 लंबित कैग रिपोर्टों को विधानसभा के पटल पर रखने की सीएम आतिशी को सलाह देने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से विधानसभा सत्र में कैग रिपोर्ट को पटल पर रखने की मांग करती रही है। यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार के 14 विभागों की कैग रिपोर्ट में शराब घोटाले से संबधित रिपोर्ट है, जिनके विधानसभा के पटल पर आने से केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहने के दौरान दिल्ली सरकार में हुए भ्रष्टाचार और कुशासन की रिपोर्ट दिल्ली के समक्ष सार्वजनिक होगी। अपना भ्रष्टाचार और कुशासन को छिपाने के लिए सभी सीएजी रिपोर्टों को विधानसभा के समक्ष तुरंत न रखकर, सरकार अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करने में विफल रही है और विधान सभा के सदस्यों को कार्यपालिका पर विधायी नियंत्रण रखने के अपने मूल कर्तव्य के निर्वहन से वंचित कर दिया है। केजरीवाल ने वर्तमान और पिछले विधानसभा के सत्रों में व्यर्थ के मुद्दों पर चर्चा करके 14 विभागों की कैग रिपोर्ट को सदन के पटल तक न पहुँचने के लिए विस अध्यक्ष पर भी दवाब बनाया था।

जूनियर डॉक्टरों के साथ हाथापाई के बाद हड़ताल

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के राजीव गाँधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में जूनियर रेसिडेंस डॉक्टर्स से हाथापाई का मामला सामने आया है। इससे नाराज साथी डॉक्टरों ने सोमवार को हड़ताल की। डॉक्टरों ने घटना की शिकायत पुलिस की है। शनिवार को दो युवकों ने डॉक्टर और उनके पिता के साथ मारपीट की थी।

हड़ताली डाक्टरों का कहना है कि दो युवकों ने उनके साथ डॉक्टर से मारपीट की और बाहरी लोग भी लेकर आए थे। हड़ताल के दौरान डॉक्टर अस्पताल के निदेशक आशीष गोयल से घटना की जानकारी दी। आरोपी अस्पताल में कॉन्ट्रेक्ट पर काम करते है। जूनियर रेजिडेंस के पिता शनिवार को खाना देने आए थे, तब उन्होंने बेटे की बाइक पर दो युवकों के बैठने पर आपित्ति जताई तो दोनों युवक भड़क गए और अपशब्द कहा डॉक्टरों के विरोध करने पर उनके साथ मारपीट भी की गई।

एनडीएमसी वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए बिजली के खंभों पर लगाएगा मिस्ट स्प्रेयर

● लोधी रोड से होगी परियोजना की शुरुआत, अगले चरण में शांति पथ और अफ्रीका एवेन्यू क्षेत्र में लगेंगे

प्रतीकात्मक फोटो।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण के नियंत्रण के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग के साथ ही धूल कड़ों को उड़ने से रोकने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद स्थायी व्यवस्था करेगा। एनडीएमसी प्रमुख मार्गों पर लगे बिजली के खंभों पर मिस्ट स्प्रेयर (पानी की फुहार छोड़ने वाला यंत्र) लगाएगा। परियोजना की शुरूआत लोधी रोड से की जाएगी। अगले चरण में शांति पथ और अफ्रीका एवेन्यू क्षेत्र लगेंगे।

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मिस्ट स्प्रेयर लगाने की जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना के तहत शुरुआत में लोधी रोड के 500 मीटर लंबे खंड में 15 बिजली के खंभों पर मिस्ट स्प्रेयर लगाए जाएंगे। प्रत्येक खंभे पर पांच नोजल होंगे, और हर नोजल में छह छिद्र होंगे, जिससे प्रति खंभा कुल 30 छिड़काव बिंदु द्वारा छिड़काव किया जाएगा। यह प्रणाली एक घंटे के संचालन में प्रति खंभा 81 लीटर पानी का उपयोग करेगी। इसके लिए चार टैंकों की व्यवस्था की जाएगी, जिनकी क्षमता 5,000 लीटर प्रति टैंक होगी। इस प्रणाली में केवल सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित पानी का उपयोग किया जाएगा, जिससे ताजे पानी का संरक्षण सुनिश्चित होगा।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना वर्तमान में प्रारंभिक चरण में है और इसे अगले वर्ष लागू किया जाएगा। कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लोधी रोड पर इस परियोजना की सफलता के बाद इसे शांति पथ और अफ्रीका एवेन्यू जैसे प्रमुख स्थानों पर भी लगाया जाएगा, और धीरे-धीरे इसे पूरे एनडीएमसी क्षेत्र में लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि परिषद पहले से ही प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई अन्य पहले कर रहा है। मैकेनिकल रोड स्वीपर को जीपीए ट्रैकिंग के साथ सड़कों की सफाई के लिए तैनात किया गया है, और इनकी निगरानी स्मार्ट सिटी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से की जाती है। एंटी-स्मॉग गन और मिस्ट स्प्रे मशीनें भी खरीदी हैं, जिनका उपयोग वायु में मौजूद धूल और कणों को कम करने के लिए किया जाता है।

पैरा एथलेटिक्स में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित हो रही दिल्ली राज्य पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में गर्व से प्रतिभाग कर रहा है। एमसीडी स्कूलों के लगभग 150 छात्र अपने असाधारण एथलेटिक कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो खेल और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए निगम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह चैंपियनशिप दिल्ली में पैरा-एथलेटिक्स को बढ़ावा देने, समावेशिता और खेल भावना की संस्कृति को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एमसीडी के अपर आयुक्त श्री अमित कुमार शर्मा ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया और एमसीडी पैरा-एथलीटों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। यह आयोजन प्रतिभाशाली पैरा-एथलीटों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने, मान्यता प्राप्त करने और भविष्य के अवसरों का मार्ग प्रशस्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

खेलों के प्रति एमसीडी की प्रतिबद्धता : चैंपियनशिप में एमसीडी की भागीदारी अपने छात्रों के बीच खेल और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रति उसके समर्पण को रेखांकित करती है। पैरा-एथलीटों का समर्थन और प्रोत्साहित करते हुए नई पीढ़ी को प्रेरित करना है।

इ्यूटी पर लापरवाही में नंद नगरी थाने के चार पुलिसकर्मी निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● नशीला प्रदार्थ बेचने का वीडियो हुआ था वायरल

पूर्वी दिल्ली के नंदनगरी इलाके में नशीला पदार्थ बेचने का विडियो स्थानीय निवासियों ने बनाकर दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों को भेज दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त राकेश पावरिया ने बीट पर तैनात चार पुलिसकर्मियों को मामले की जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया। जांच में बीट स्टाफ के अलावा अन्य अधिकारी संलिप्तता पाए गए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाही की जाएगी।

पुलिस अफसरों ने विडियो की जांच की, जिसके बाद इस बीट पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल प्रदीप खोखर, हेड कॉन्स्टेबल दीपक, सिपाही मितेंद्र और शुभम त्यागी को निलंबित कर दिया। अब इस बात की जांच की जा रही है कि नशीला पदार्थ बेचने के इस धंधे में इन पुलिसकर्मियों की कोई भूमिका तो नहीं है। लोगों का आरोप है कि नंद नगरी में नशा और अवैध शराब बेचने की शिकायतें लंबे समय से आ रही थी।

सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा गाजियाबाद के विश्व धर्म संसद का मामला

● एडवोकेट प्रशांत भूषण ने तत्काल सुनवाई के लिए सीजेआई को मौखिक जानकारी दी, यति के बयानों से माहौल बिगड़ने का डर

सुप्रीम कोर्ट (फाइल फोटो)

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में विश्व धर्म संसद का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया। यह 17 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक होनी थी। इस धर्म संसद का आयोजन महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद करा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में धर्म संसद के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की गई। इसमें कहा कि यति नरसिंहानंद मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाकर सांप्रदायिक बयान देते हैं। धर्म संसद मंगलवार यानी 17 दिसंबर से शुरू होनी है। एडवोकेट प्रशांत भूषण ने तत्काल सुनवाई के लिए भारत के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना के समक्ष मौखिक रूप से मामले का उल्लेख किया है। अब सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे जल्दी सुनवाई चाहते हैं तो ई-मेल करें। हम इसे स्वीकार करेंगे। 2021 में यति नरसिंहानंद की ओर से आयोजित धर्म संसद कार्यक्रम ने सांप्रदायिक टिप्पणियों के लिए विवाद ख ?ा कर दिया था। जहां उन्हे गिरफ्तार किया गया था, बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। याचिकाकर्ताओं में पूर्व आईएएस अरुणा राय, रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, देव मुखर्जी भी शामिल हैं। शिव शक्तिधाम डासना के पीठाधीश्वर व श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी इस विश्व धर्म संसद का आयोजन करा रहे हैं। उनका कहना है कि अभी तक हमें अनुमति नहीं मिली है। धर्म संसद का कार्यक्रम स्थल भी बदला जा चुका है। यति नरसिंहानंद गिरी के बयानों से भी पुलिस को माहौल बिग ?ने का डर है। महामंडलेश्वर के विवादित बयानों को देखते हुए ही पुलिस व प्रशासन अभी तक परमिशन नहीं दे सका है। पिछले महीने मुस्लिम समुदाय पर दिए गया बयान से जमकर बवाल हुआ।

15 दिन तक सुरक्षा को देखते हुए यति नरसिंहानंद गिरी को पुलिस को अपनी निगरानी में रखा। संभल हिंसा पर वह कई बयान दे चुके हैं। मौलाना तौकीर रजा की जनसभा के सामने दिल्ली में हनुमान चालीसा का पाठ करने का ऐलान किया तो पुलिस ने नजरबंद भी कर दिया था।

यति नरसिंहानंद ने बंगाल के मंत्री पर साधा निशाना

श्री पंच जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद ने टीएमसी के मंत्री फिराद हकीम के बयान के पर कहा मुसलमान नेता ज्यादातर सच बोलते हैं, और हिंदू नेता सिर्फ भाषण देते हैं। फिराक हकीम ने कहा था बहुत जल्द मुसलमान बहुसंख्यक होंगे। यह बयान यति ने इस्लाम के जिहाद के समूल विनाश के महादेव और माता के महायज्ञ के दौरान दिया। पश्चिम बंगाल के टीएमसी ममता बनर्जी की सरकार के मंत्री फिराद हकीम ने बयान दिया है कि बहुत जल्द हम बहुत ज्यादा होंगे। हम बहुमत में होंगे।

क्रिसमस-नए साल केजश्न से पहले सुरक्षा हुई कड़ी

● हरियाणा, यूपी से दिल्ली प्रवेश के 10 से अधिक स्थानों पर 2,500 से अधिक पुलिसकर्मियों को किया जा रहा तैनात

प्रतीकात्मक फोटो।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

क्रिसमस, नए साल के जश्न में कनॉट प्लेय में पर्यटकों की भीड़ ना हो यह नामुमकिन है। पर्यटक क्रिसमस और नए साल के स्वागत करीब एक सप्ताह पहले से मनाना शुरू कर देते हैं। इसके मद्देनजर दिल्ली पुलिस किसी भी तरह के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिए 2,500 पुलिस कर्मियों को तैनात करेगी। दिल्ली यातायात पुलिस ने त्योहारों के दौरान शरारती लोगों द्वारा मोटरसाइकिल पर स्टंट और शराब पीकर गाड़ी चलाने पर अंकुश लगाने के लिए भी एक योजना तैयार की है।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने क्रिसमस और नए साल के जश्न से पहले पूरे शहर, खासकर इसकी सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ा दी है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हरियाणा और उत्तर प्रदेश से लगती दिल्ली की सीमाओं पर 2,500 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है।

हरियाणा और उत्तर प्रदेश से राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश के 10 से अधिक स्थानों पर हमने सुरक्षा बढ़ा दी है। मध्य और नई दिल्ली क्षेत्रों में भी सुरक्षा कड़ी कर दी है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे होने और राजस्थान के निकट होने के कारण त्योहारों के दौरान अच्छी खासी संख्या में इन राज्यों के लोग दिल्ली में आते हैं। कर्मचारियों को रात में गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजधानी में आने वालों पर नजर रखने के लिए होटल की भी जांच की जाएगी। होटल कर्मचारियों को उचित दस्तावेज रिकॉर्ड रखने के लिए कहा गया है।

पड़ोसी राज्यों से आने वाले लोगों के उपद्रव से निपटने के लिए सीमाओं पर अतिरिक्त चौकियां, अवरोधक और बल तैनात किए जाएंगे, जिनमें अर्धसैनिक बलों की तैनाती भी शामिल है। दिल्ली यातायात पुलिस ने त्योहारों के दौरान मोटरसाइकिल स्टंट और शराब पीकर गाड़ी चलाने पर अंकुश लगाने के लिए भी एक योजना तैयार की है।

पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सभी थाना प्रभारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने क्षेत्रों में एक पुख्ता योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है। 15 जिलों के पुलिस उपायुक्त दो पाली में तैनाती की व्यवस्था करेंगे।

ग्रामीण महिलाओं की जीविका का माध्यम बन रहा महाकुंभ

आसपास के गांवों में महिलाएं तैयार कर रही हैं गोबर के उपले और मिट्टी के चूल्हे- महाकुम्भ नगर में सज रही है उपलों और मिट्टी के चूल्हों की मंडी, महिलाओं की आजीविका बढ़ाने का बन रही माध्यम साधु और संतों व कल्पवासियों के अस्थाई शिविरों में रहती है उपलों व मिट्टी के चूल्हों की विशेष मांग

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ को दिव्य भव्य और सुरक्षित बनाने में योगी सरकार युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। आस्था और अध्यात्म के यह महा समागम लाखों लोगों की जीविका का जरिया भी बन रहा है। महाकुम्भ नगर के अंतर्गत आने वाले गांवों की ग्रामीण महिलाओं की आजीविका बढ़ाने के महाकुम्भ ने नए अवसर दे दिए हैं। संगम किनारे 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 के मध्य आयोजित होने जा रहा महाकुम्भ होटल ट्रैवल और टेंटेज फूड जैसी बड़ी इंडस्ट्रीज के साथ छोटे मोटे काम करने वाले लोगों के लिए भी जीविका के अवसर प्रदान कर रहा है। महाकुम्भ नगर नाम से सृजित हुए अस्थाई जिले के अंतर्गत आने वाले 67 गांवों में पशुपालन से जुड़े कार्य में लगे परिवारों की 15 हजार से अधिक महिलाओं के लिए इस महाकुम्भ ने जीविका का जरिया दे दिया है। गंगा व यमुना किनारे बसे कई गाँवों में इन दिनों ईंधन के परम्परागत रूप उपलों का नया बाजार विकसित होने लगा है। इन गाँवों में नदी किनारे बड़ी तादाद में उपलों की मंडी बन गई है। गाँवों में इन दिनों गोबर से बने उपलों को बनाने में स्थानीय महिलाएं पूरे दिन लगी हुई हैं। हेतापट्टी गांव की सावित्री का कहना है कि पिछले एक महीने से उनके पास महाकुम्भ में अपने शिविर लगाने वाली संस्थाएं उपले सप्लाई करने के ऑर्डर दे रही हैं। इसी गांव की सीमा सुबह से ही अपने घर की आमतौर पर खाली रहने वाली महिलाओं के साथ मिट्टी के चूल्हे तैयार करने में जुट जाती हैं। सीमा बताती हैं कि महाकुम्भ में कल्पवास करने आने वाले श्रद्धालुओं का खाना इन्ही चूल्हों पर तैयार होता है। इसके लिए अभी तक उनके पास सात हजार मिट्टी के चूल्हे तैयार करने के ऑर्डर मिल चुके हैं।

विभिन्न कार्यक्रम का होगा आयोजन:प्रयागराज। पिछले तीन दशकों में दर्शकों के दिलों को छूने वाली कहानियां पेश की हैं जो उनकी ज़िंदगी से जुड़ी होती हैं और ऐसे किरदार लेकर आती हैं। जिन्हें दर्शक अपना मानने लगते हैं। ज़ी टीवी अब एक बार फिर स्टूडियो एलएसडी प्रोडक्शंस के साथ मिलकर एक और दिलचस्प शो लेकर आया है। जमाई नंबर एक। भारतीय परिवारों में जमाई को हमेशा बहुत सम्मान और प्यार दिया जाता है। यह शो नौ दिसंबर से शुरू हो चुका है और हर सोमवार से शुक्रवार रात साढ़े दस बजे सिर्फजी टीवी पर प्रसारित हो रहा है।

शिविरों में हीटर व छोटे एलपीजी सिलेंडर के इस्तेमाल पर लगी रोक से बढ़ी मांग: प्रयागराज। मेला प्रशासन के मुताबिक महाकुम्भ में दस हजार से अधिक संस्थाएं इस बार लगेंगी। इसमें सात लाख से अधिक कल्पवासियों को भी जगह मिलेगी। मेला क्षेत्र में बड़ी संस्थाएं और अखाड़े वैसे तो कुकिंग गैस के बड़े सिलेंडर का इस्तेमाल करती हैं क्योंकि इन्हें प्रतिदिन लाखों लोगों इस्तेमाल करती हैं क्योंकि इन्हें प्रतिदिन लाखों लोगों को भोजन कराना होता है लेकिन धर्माचार्यों साधु संतों और कल्पवासी अभी भी अपनी पुरानी व्यवस्था के अंदर ही खाना बनाते हैं। कुछ स्थानों पर आग लगने की घटनाओं में हीटर और छोटे गैस सिलेंडर का इस्तेमाल बड़ी वजह पाई जाने के मेला प्रशासन ने शिविरों में हीटर और छोटे गैस सिलेंडर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। इस नई व्यवस्था की वजह से भी अब गांव की इन महिलाओं के हाथ से बने उपलों और मिट्टी के चूल्हों की मांग बढ़ गई है। तीर्थ पुरोहित संकटा तिवारी बताते हैं कि तीर्थ पुरोहितों के यहां ही सबसे अधिक कल्पवासी रुकते हैं। ऐसे में उनकी पहली प्राथमिकता पवित्रता और परम्परा होती है इसके लिए वह मिट्टी के चूल्हों पर उपलों से बना भोजन ही बनाना पसंद करते हैं।

महानिरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल ने उप निरीक्षक को किया सम्मानित

प्रयागराज। महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल उत्तर मध्य रेलवे अमिय नन्दन सिन्हा द्वारा आरपीएफ पोस्ट आगरा पर तैनात उप निरीक्षक यादवेन्द्र सिंह को एसएलआर कोच नंबर एनसी 084578 में आग लगाने वाले संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ने पर पुरस्कृत किया गया। 25 अक्टूबर को गाड़ी संख्या 04166 के एसएलआर कोच नंबर एनसी 084578 में आग लगाने वाले संदिग्ध व्यक्ति की सीसीटीवी फुटेज से पहचान करते हुए उसे 06 नवंबर को आगरा छावनी प्लेटफार्म के बाहर घूमते हुए गिरफ्तार किया गया तथा आरोपी के विरूद्ध जीआरपी थाना आगरा छावनी में मुअसं 268/2024 अंतर्गत धारा 317 2 पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। उपरोक्त के अतिरिक्त मुखबिर खास की सूचना पर 16 नवंबर को आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान के दौरान उप निरीक्षक यादवेन्द्र सिंह एवं जीआरपी के उप निरीक्षक द्वारा एक व्यक्ति को 3.060 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ पकड़ा गया। इसके बाद अभियुक्त के विरूद्ध जीआरपी थाना आगरा छावनी में मुअस 276/2024 धारा 8/20 एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया गया। दोनों मामलों में यादवेन्द्र सिंह के द्वारा सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए अतुलनीय और सराहनीय कार्य के लिये उन्हे रेलवे सुरक्षा बल उत्तर मध्य रेलवे द्वारा माह नवम्बर 2024 के लिए माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी घोषित करते हुए नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

वीर बाल दिवस का आयोजन 26 दिसम्बर को

सोनभद्र। वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले गतिविधियों के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय विकास लोढ़ी मे संरक्षण अधिकारी रोमी पाठक एवं गायत्री दुबे की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई।सिक्खों के 10वें गुरु गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों, साहिबजादा ज़ोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान के मौके पर 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। ओआरडब्ल्यू शेषमणि दुबे नें बताया कि वीरता के गतिविधियों की थीम पर वीर बाल दिवस का आयोजन किया जाना हैं। जिसमे मेरे सपनों का भारत, मुझे क्या खुशी मिलती है, विषय पर चित्रकला, कहानी एवं निबंध लेखन की गतिविधियाँ होंगी एवं माध्यमिक स्तर के बच्चों के लिये 'राष्ट्र निर्माण में बच्चों की भूमिका और बेहतर दुनिया के लिये मेरा दृष्टिकोण विषय पर निबंध लेखन, कविता, वाद-विवाद एवं डिजिटल प्रेजेंटेशन का आयोजन 16 से 24 दिसम्बर तक बाल देखरेख संस्थाओं, विद्यालयों तथा अन्य सम्बन्धित कार्यालयों मे बाल सभा के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों की प्रेरणादायी कहानियाँ सुनाई जायेंगी। रचनात्मक लेखन, पोस्टर निर्माण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता करायी जायेगी। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्त्ता आकांक्षा उपाध्याय बाबू अहमद चाईल्ड हेल्पलाइन से सुपरवाइजर धर्मवीर सिंह, सहीत अन्य लोग उपस्थित रहे।

धान क्रय केन्द्रो पर खरीद से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाएँ रखें पूर्ण

सोनभद्र। मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकमार स्वामी बी ने सोमवार को निवार्चन आयोग द्वारा चिन्हित सुपर चेकिंग फार्मो का बूथों पर स्थलीय सत्यापन किया, इस अवसर पर रोल ऑब्जर्वर ने बूथ संख्या 193 कम्पोजिट विद्यालय सरंगा, बूथ संख्या 47 कम्पोजिट विद्यालय जोगिनी में सुपर चेकिंग फार्मो का स्थलीय सत्यापन किया गया, मण्डलायुक्त ने उप जिलाधिकारी घोरावल को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। इस दौरान मण्डलायुक्त ने धान क्रय केन्द्र फूलवारी साधन सहकारी समिति का औचक निरीक्षण किया, निरीक्षक के दौरान मौके पर केन्द्र प्रभारी धीरज कुमार सचिव उपस्थित रहें, निरीक्षण के समय क्रय केन्द्र फुलवारी पर मंयक सिंह निवासी पुरखास घोरावल के धान 55.60 कु0 की खरीद की जा रही थी क्रय केन्द्र पर 92 किसानों से 5194.40 कु0 की खरीद की जा चुकी है। क्रय केन्द्र पर खरीद चल से किसान से क्रय केन्द्र पर उपलब्ध किसानों के सुख सुविधा के बारे में पूछा गया तो किसानों द्वारा बताया गया कि क्रय केन्द्र पर धान क्रय एवं किसानो से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण है और किसानो से अपील की गयी कि क्रय केन्द्रो पर मानक के अनुरूप ही धान विक्रय हेतु लेकर आये। आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल द्वारा एजेन्सियो के जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी क्रय केन्द्रो पर धान के खरीद से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण रखे, जिससे किसानो को धान विक्रय करने मे समस्या उत्पन्न न हो।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अर्न्तगत ऋण के लिए करें आवेदन

सोनभद्र। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी किरन श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अर्न्तगत पूर्व में स्थापित इकाइयां जिनके द्वारा वर्तमान में अपना उद्योग संचालन किया जा रहा है ऐसी इकाइयों को अपग्रेड हेतु 02 इकाइयों का लक्ष्य जिला ग्रामोद्योग कार्यालय उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड सोनभद्र को प्राप्त है। योजनान्तर्गत अपग्रेड हेतु विनिर्माण क्षेत्र में एक करोड़ एवं सेवा क्षेत्र में 25.00 लाख तक द्वितीय ऋण बैंको के माध्यम से दिलाये जाने हेतु प्राविधान है, जिसमें उद्यम की स्थापना हेतु 15 प्रतिशत अनुदान दिये जाने की व्यवस्था की गयी है। ग्रामीण क्षेत्र में पूर्व में योजनान्तर्गत विभाग के माध्यम से स्थापित इकाइयां को अपग्रेड के लिये द्वितीय ऋण की सुविधा हेतु इकाई कम से कम 03 वर्ष पूर्व स्थापित होनी चाहिए तथा जिनकी मार्जिनमनी अनुदान धनराशि का समायोजन किया जा चुका है लाभ ले सकती हैं। 03 वर्ष पूर्व में विश्रपोषित लाभार्थियों द्वारा आनलाइन आवेदन हेतु प्रथम ऋण का स्वीकृति पत्र, उद्यम आधार रजिस्टेशन, बैंक सर्टिफिकेट फार फूल लोन रिपेमेंट बैंक कन्सेंट लेटर आई0टी0आर0 तीन वर्ष का सी0ए0, पीएमईजीपी साइन बोर्ड ऑफद यूनिट के साथ ऑनलाइन आवेदन एक सप्ताह के अन्दर कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कापी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय सोनभद्र में जमा करें।

बाइक-स्कूटी और कार की भिड़ंत, चार लोग हुए घायल

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के बीड़र चौराहे के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा को गया,बीड़र चौराहा के पास बाइक और स्कूटी में जोरदार टक्कर के बाद एक अज्ञात कार ने भी टक्कर मार दी। इस हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी पहुंचाया। जहां मौजूद चिकित्सक ने प्रारंभिक इलाज के बाद तीन घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार स्कूटी सवार रजनीश और लालबाबू बीड़र चौराहा के पास से गुजर रहे थे, तभी उनकी स्कूटी की टक्कर एक बाइक से हो गई। इसी दौरान पीछे से आ रही एक अज्ञात कार ने दोनों वाहनों को टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार 30 रजनीश पटेल पुत्र शारदा प्रसाद सिंह व 22 वर्षीय लालबाबू पुत्र उग्रसेन पटेल दोनों निवासी बीड़र व बाइक सवार 18 वर्षीय आकाश पुत्र पंजाब सोनकर, निवासी मलदेवा व अंकित कुमार निवासी स्टेशन रोड सभी चारों घायल हो गए। बाइक सवार अंकित को हल्की फुल्की चोट होने के कारण प्रारंभिक इलाज के बाद छोड़ दिया गया।

जिला व शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई सम्पन्न

सोनभद्र। कांग्रेस द्वारा विधानसभा घेराव कार्यक्रम में सोनभद्र से भागीदारी हेतु जिला व शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई, बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश के निवर्तमान उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव मंडल प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने विधानसभा घेराव कार्यक्रम में सोनभद्र से सैकड़ो कार्यकर्ताओं के शामिल होने की बात कही कांग्रेस पदाधिकारीयो को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सोनभद्र के कांग्रेस के कार्यकर्ता लगातार दिल्ली लखनऊ के तमाम कार्यक्रमों में अच्छी भागीदारी और ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं इस बार और अधिक ऊर्जा से कार्यकर्ता शामिल होंगे।

वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश द्विवेदी को दी गई श्रद्धांजलि

सोनभद्र। बीती रात वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश द्विवेदी की वाराणसी स्थित उनके आवास पर लगभग 75 वर्ष की अवस्था में मृत्यु हो गई। श्री द्विवेदी पिछले लंबे समय से बीमार चल रहे थे। श्री द्विवेदी सोन साहित्य संगम सोनभद्र के निदेशक, मीडिया फोरम ऑफइंडिया के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के साथ ही पिछले लगभग तीन दशक से भी अधिक समय से जनपद सोनभद्र की पत्रकारिता से जुड़े थे। घटना की जानकारी होते ही पत्रकारों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। सोमवार को श्रमजीवी पत्रकार यूनियन उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई कि शोकाकुल परिवार को दुख की इस घड़ी में परिजनों को शक्ति प्रदान करे। इस दौरान प्रशांत शुक्ला, जुल्फेकार हैदर सन्तोष सिंह चन्देल गिरीश पाण्डेय अमीत दूबे आशुतोष कुमार सचिन कुमार गुप्ता समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

हड़ताल को देखते हुए विद्युत कंट्रोल रुम की हुई स्थापना जारी हुआ मोबाइल नम्बर

गाजीपुर। मुख्य राजस्व अधिकारी आयुष चौधरी ने बताया है कि विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा संभावित हड़ताल के दृष्टिगत जनपद में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से गतिशील रखने हेतु कार्यालय जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण कलेक्ट्रेट के अन्दर डिस्ट्रिक्ट इमरजेंसी आपरेसन सेन्टर में कन्ट्रोल रूम ;दूरभाष नं0.05482224041द्ध की स्थापना की गयी है। उक्त कन्ट्रोल रूम में चन्द्रशेखर यादवए उप जिलाधिकारी ;न्यायिकद्ध सैदपुर मो0 नं0.9198035134 एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा नामित अधिकारी की देख.रेख में आवश्यक कार्यवाही को सम्पादित किये जाने हेतु अधिकारियोध्कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी जाती है। यह ड्यिूटी 03 सिफ्टो में लागयी गयी है। जिमसें नगीना यादव जिला समाज कल्याण अधिकारी मो0नं0.9451487561 के साथ विद्युत विभाग द्वारा नामित अधिकारी सहायक अभियन्ता मिटर्स गुलाब प्रसाद कोटार्य मो0नं0.969587293ए मेसर्स ग्रिड पॉवर ;मैन पॉवर एजेन्सी द्वारा नामित कार्मिकद्ध राजकमल सैनी मो0नं0.8318580110ए मेसर्स एक्सप्लोर टेक ;बिलिंग एजेन्सीद्ध द्वारा नामित कार्मिक सुपरवाईजर शिवशंकर कश्यप मो0नं0.8896220036ए मेसर्स मोंटी कार्लो ;वाह्य एजेन्सी द्वाराद्ध नामित कार्मिक समीर मो0नं0.8521616997 की प्रथम पाली में अवधि प्रात: 07 बजे से अपरान्ह् 02 बजे तक रहेगे। द्वितीय पाली में गिरजा शंकर सरोज जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मो0नं0. 8707326937 के साथ विद्युत विभाग द्वारा नामित अधिकारी सहायक अभियन्ता मिटर्स श्रीमती साधना विद्यार्थी मो0नं0. 7905229811ए मेसर्स ग्रिड पॉवर ;मैन पॉवर एजेन्सी द्वारा नामित कार्मिकद्ध कमर अब्बास मो0नं0. 7499442742ए मेसर्स एक्सप्लोर टेक ;बिलिंग एजेन्सीद्ध द्वारा नामित कार्मिक सुपरवाईजर जवाहर कुमार पटवा मो0नं0. 8840035318ए मेसर्स मोंटी कार्लो ;वाह्य एजेन्सी द्वाराद्ध नामित गौरव ओझा मो0नं0. 9674266757 की अवधि अपरान्ह् 02 बजे से रात्रि 10 बजे तक रहेगे। तथा तृतीय पाली में सचिदानन्द तिवारीए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मो0नं0. 8130272156 के साथ विद्युत विभाग द्वारा नामित अधिकारी सहायक अभियन्ता मिटर्स धीरेश कुमार मो0नं0. 9450496367ए मेसर्स ग्रिड पॉवर ;मैन पॉवर एजेन्सी द्वारा नामित कार्मिकद्ध अमित कुमार मो0नं0. 8382895059ए मेसर्स एक्सप्लोर टेक ;बिलिंग एजेन्सीद्ध द्वारा नामित कार्मिक सुपरवाईजर दुर्गा यादव मो0नं0.8896888115ए मेसर्स मोंटी कार्लो ;वाह्य एजेन्सी द्वाराद्ध नामित कार्मिक सतीश सिंह मो0नं0.8878445514ए की अवधि रात्रि 10 बजे से प्रात: 07 बजे तक रहेगे। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियोध्कर्मचारीगण को निर्देशित किया है।

जियो ट्यूब तकनीक से ट्रीट होंगे प्रयागराज के 22 अनटैप्ड नाले

गंगा नदी में किसी भी अनट्रीटेड नाले का पानी न जाने के सीएम योगी के निर्देश का हो रहा पालन जलीय जीवन को बिना नुकसान पहुंचाए सीवेज वॉटर ट्रीटमेंट की आधुनिक तकनीक का स्वरूप है जियो ट्यूब

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक दुनिया के सबसे बड़े मानवीय समागम महाकुम्भ का आयोजन होने जा रहा है। इसे लेकर प्रयागराज में तैयारियां अपने अंतिम दौर में हैं। सीएम योगी की प्रेरणा से इस बार महाकुम्भ को दिव्य भव्य के साथ स्वस्थ और सुरक्षित महाकुम्भ बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी जा रही है। इस दिशा में ही यूपी जल निगम नगरीय ने प्रयागराज के सलोरी में जियो ट्यूब तकनीक आधारित ट्रीटमेंट प्लांट लगाया है जो शहर के सभी अनटैप्ड 22 नालों के अपशिष्ट जल का शोधन करेगा ताकि सीएम के निर्देशों के मुताबिक गंगा नदी में कोई भी नाले का पानी बिना ट्रीट किए नहीं डाला जायेगा। इससे गंगा के जल को स्वच्छता के मानकों के अनुरूप निर्मल व अविरल बनाने में मदद मिलेगी। महाकुम्भ में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु गंगा यमुनादसरस्वती के संगम में पवित्र स्नान करने आते हैं। लेकिन 2019 के पहले के माघ और कुम्भ मेलों में संगम के दूषित जल में स्नान करने के लिए उन्हें बाध्य होना पड़ता था। सीएम योगी के स्पष्ट निर्देशानुसार इस बार महाकुम्भ में किसी भी नाले या सीवेज से अनट्रीटेड अपशिष्ट जल का दूषित पानी पवित्र नदियों में नहीं गिराया जाएगा। उनके निर्देशों के मुताबिक जल निगम नगरीय ने प्रयागराज के सभी अनटैपड 22 नालों के ट्रीटमेंट के लिए जियो ट्यूब तकनीकी आधारित ट्रीटमेंट प्लान सलोरी में लगाया है। इसके बारे में बताते हुए अधिशासी अभियंता सौरभ कुमार ने बताया कि 55 करोड़ रुपये की लागत से बने इस ट्रीटमेंट प्लांट का अभी ट्रायल रन चल रहा है जो कि एक जनवरी से अपनी पूरी क्षमता से कार्य करने लगेगा।

पर्यावरण के क्षेत्र में स्थिति और मजबूत :प्रयागराज। प्रयागराज फ्रिोना डायमंड्स जो लैब ग्रोन डायमंड्स में अग्रणी है इसने सिविल लाइंस प्रयागराज में अपने छठे प्रमुख स्टोर का उद्घाटन किया। जिससे पर्यावरण के अनुकूल लक्जरी के क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत किया। मुंबई दिल्ली बेंगलुरु और पुणे में पहले से मौजूद स्टोर्स के साथ यह नया स्टोर फ्रिोना की उस दृष्टि को दर्शाता है। जिसमें वे बेहतरीन नैतिक और जिम्मेदार फाइन ज्वेलरी को विशेष रूप से सगाई और विवाह के लिए एक बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाना चाहते हैं।

जियो ट्यूब तकनीक जलीय जीवन के संरक्षण में भी होंगे मददगार

प्रयागराज। जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता सौरभ कुमार ने बताया कि जियो ट्यूब तकनीकि सीवेज वाटर ट्रीटमेंट की आधुनिक तकनीक है। इसमें सीवेज वाटर की 40 से 50 फीसदी बीओडी लेवल और लगभग 80 प्रतिशत टीएसएस जियो ट्यूब्स में ही ट्रीट कर लिया जाता है। इसके बाद इस ट्रीटेड पानी को हाइड्रोजन पैरॉक्साइड से शोधित कर उसका ओजोनाइजेशन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीनाइजेशन की जगह ओजोनाइजेशन किया जाता है क्योंकि ट्रीटेड पानी में अधिक मात्रा में घुला क्लोरीन जलीय जीवों के लिए नुकसानदेह होता है। ओजोनाइजेशन से सभी तरह के फीकल बैकटीरिया मर जाते हैं। फिर इस ट्रीटेड वॉटर को नदियों में छोड़ा जा सकता है। इसकी चौबीसों घंटे ओसीईएमएस तकनीकि से आनलाईन मॉनिटरिंग होती रहती है। सीएम योगी ने 12 दिसंबर के अपने प्रयागराज दौरे पर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया था और महाकुम्भ के दौरान किसी भी तरह की समस्या उत्पन्न न होने के निर्देश भी दिये थे।

स्वतंत्रए निष्पक्षए और पारदर्शी तरीके से परीक्षा संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी ने की बैठक

जनपद के 09 परीक्षा केंद्रों पर होगी सम्मिलित राज्य प्रवर परीक्षा

चन्दौली । आगामी 22 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश द्वारा लोक सेवा प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रसम्मिलित राज्यध् प्रवर अधीनस्थ सेवा ;प्रारम्भिकद्ध परीक्षा.2024 के सकुशल संपन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे एवं समन्वयी पर्यवेक्षक की अध्यक्षता में परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारियों के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।बैठक के दौरान बताया कि सम्मिलित राज्यध् प्रवर अधीनस्थ सेवा ;प्रारम्भिकद्ध परीक्षा आयोजन की तिथि 22 दिसम्बर को आयोग द्वारा निर्धारित किया गया है। जनपद में अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय 02ए अशासकीय सहायता प्राप्त मध्यमिक विद्यालय 07 है । जनपद में कुल परीक्षा केन्द्रों की संख्या 09 है। परीक्षा संचालन की समय प्रथम पाली.प्रात: 09रू30 बजे से अपराह्न 11रू30 बजे तक द्वितीय पाली.अपराह्न 2रू30 बजे से 4रू30 बजे तक आयोग द्वारा निर्धारित किया गया है। सम्मिलित राज्यध् प्रवर अधीनस्थ सेवा ;प्रारम्भिकद्ध परीक्षा हेतु जनपद में कुल 3840 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री को कोषागार हॉलध्स्ट्रांग के डबल लॉक में रखे जाने की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोग के दिशा.निर्देशानुसार परीक्षा से संबंधित प्रश्न पत्र को कोषागार के डबल लॉक में रखे जाने एवं निकासी हेतु वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। परीक्षा शुचितापूर्ण एवं नकल विहीन रूप से सम्पादित कराये जाने हेतु प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सह केन्द्र व्यवस्थापकोंए स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती आयोग के दिशा.निर्देशानुसार प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों पर सह केन्द्र व्यवस्थापक एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगायी जा चुकी है। आयोग के दिशा.निर्देशानुसार प्रश्न पत्रों को सेक्टर मजिस्ट्रेट के माध्यम संबंधित केन्द्र व्यवस्थापकध्स्टेटिक मजिस्ट्रेट को उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु जनपद में सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगा दी गई है । उन्होंने बताया कि परीक्षा के शान्तिपूर्ण एवं शुचितापूर्ण संचालन हेतु प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल की तैनाती हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु पुलिस एवं प्रशासन द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि परीक्षा के सकुशल आयोजन हेतु प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर 50 प्रतिशत कक्ष निरीक्षकध् सहयोगी कक्ष निरीक्षकों अन्य विद्यालयों से एवं 01 परीक्षा सहायक की तैनाती आयोग के दिशा.निर्देशानुसार प्रत्येक परीक्षा केन्द्रों पर 50 प्रतिशत अन्तरीक्षकों की ड्यूटी अन्य विद्यालय ;परिषदीय विद्यालयद्ध से लगायी जा चुकी है।

प्रोटोकॉलधारी दर्शन-पूजन,स्नान किसी एक दिन करें

मिर्जापुर। गांव.गरीब नेटवर्क ने महाकुंभ के अवसर पर विंध्याचल लगायत तीर्थराज प्रयाग एवं बाबा विश्वनाथ के धाम में दर्शनपूजन एवं स्नान के लिए प्रोटोकॉलधारी विशिष्टजनों ;वीआईपीद्ध को सप्ताह में किसी एक दिन के आगमन पर विशेष इंतजाम किए जाने की मांग की है।

राष्ट्रपति एवं सुप्रीमकोर्ट से इस मांग को श्स्वयं संज्ञानश् में लेने का विनम्र अनुरोध करते हुए कहा गया कि है कि मंदिरोंए तीर्थस्थलों में हर रोज कोई न कोई वीआईपी जब आता है तो सारी व्यवस्था चरमरा जाती है। इस सम्बंध में विगत महाकुंभ के दौरान प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर भगदड़ एवं तकरीबन 26 वर्ष पूर्व विंध्याचल में नवरात्र मेले के दौरान भगदड़ से हुई जानमाल की क्षति की याद दिलाते हुए नेटवर्क के संयोजक सलिल पाण्डेय ने कहा कि सप्ताह में कोई एक दिन वीआईपी.डे ;विशेष अतिथि दिवसद्ध घोषित कर दिया जाए जिससे आम श्रद्धालु उस दिन धक्कामुक्की से बच सके। वीआईपी को किसी अन्य दिन आना हो तो वह सामान्य श्रद्धालु की तरह आए। वैसे धार्मिक स्थलों पर आगे.पीछे सुरक्षातंत्र लेकर जाना धर्मविरुद्ध है। 8वीं सदी के दौरान सम्राट हर्षवर्धन जब कुंभ मेले में आए तो सामान्य श्रद्धालु की तरह आए थे और अपनी सारी संपत्ति सनातन संस्कृति के उन्नयन हेतु सौंप कर वापस गए। नेटवर्क ने बड़े.बड़े टेंटों में पुलिस के घेरे में रहने को वाजिब नहीं कहा तथा यह भी कहा कि इतनी बड़ी धार्मिक व्यवस्था में अनगिनत उपदेशों के बावजूद नारी.उत्पीड़नए दुष्कर्म के अलावा हिंसाए रिश्वतखोरीए आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या से श्मर्ज बढ़ता ही गया दवा ज्यों.ज्यों दवा कीश् का मुहावरा लागू होता हैए क्योंकि निंदनीय कर्म सिर्फ अपराधी ही नहीं बल्कि तथाकथित महानुभाव की श्रेणी वाले कर रहे हैं।

परीक्षा केंद्रों की तैयारियों को लेकर गहन मंथन

अंबेडकर नगर । जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी व आयोग से नामित प्रेक्षकों की उपस्थिति में सम्मिलित राज्यएप्रवर अधीनस्थ सेवा ;प्रा0द्ध परीक्षा 2024 को सकुशलए निर्विघ्नए निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने की दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेटए स्टेटिक मजिस्ट्रेटए केंद्र व्यवस्थापकोंए सहायक केंद्र व्यवस्थापकों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की तथा समस्त तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेटए स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा की आयोग द्वारा जारी दिशादृनिर्देशों का गहन अध्ययन करने और समस्त दिशादृनिर्देशों से भली भांति अवगत हो लेने तथा परीक्षा के दौरान लोक सेवा आयोग के दिशादृनिर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेटए स्टेटिक मजिस्ट्रेट को आज ही अपने से संबंधित परीक्षा केंद्रों और उनके प्रत्येक परीक्षा कक्ष का स्वयं निरीक्षण करने और प्रत्येक केंद्रएकक्ष में सीसीटीवी की क्रियाशीलताए प्रकाश व्यवस्थाए दीवाल घड़ीए परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्थाए पेयजल एवं आवागमन आदि व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा की समस्त प्रक्रियाओं में आयोग की समयबद्धता का अक्षरशः अनुपालन करने के निर्देश दिए। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के सामग्रियां के रखने हेतु क्लॉक रूम की व्यवस्था करनेए परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व प्रत्येक परीक्षार्थी के सघन तलाशी की समुचित व्यवस्थाए ड्यूटी लगाने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी परीक्षार्थी आयोग द्वारा प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा केंद्र के अंदर लेकर न जाने पाए। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर तैयारियां समय से पूर्ण करें और त्रुटि विहीन परीक्षा संपन्न कराएंए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगीए लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारीध्कर्मचारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संविधान पर चर्चा

मोदी के संकल्प

लोकसभा में संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए मोदी ने महत्वपूर्ण 11 संकल्प सामने रखे। लोकसभा में 13 दिसंबर को संविधान पर हुई चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के भावी विकास को निर्देशित करने के लिए 11 संकल्प प्रस्तुत किए। संविधान की भावना से निर्देशित इन संकल्पों में नागरिकों की आवश्यकता पर जोर देते हुए सरकारी अधिकारियों से अपने दायित्व निभाने पर जोर दिया गया था। इसके साथ ही संविधान द्वारा मूल कर्तव्यों पर भी जोर दिया गया है, पर उनका क्रियान्वयन व्यापक सार्वजनिक जागरूकता तथा संस्थागत जवाबदेही पर निर्भर है। प्रधानमंत्री ने इस बात की पुनः पुष्टि की कि उनकी सरकार 'सबका साथ सबका विकास' के माध्यम से समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि पिछले वर्षों में ढांचागत विकास तथा डिजिटल पहुंच जैसे क्षेत्रों में काफी विकास हुआ है, पर क्षेत्रीय असमानता तथा सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। इनको संबोधित करने के लिए लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों और संसाधनों के समुचित उच्चीकरण की जरूरत है। सार्वजनिक विश्वास और आर्थिक क्षमता को नुकसान पहुंचाने वाले भ्रष्टाचार का भी उल्लेख प्रधानमंत्री के भाषण में हुआ और उन्होंने भ्रष्टाचार की सामाजिक अस्वीकृति पर जोर दिया। उनका यह दृष्टिकोण डिजिटल पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार-विरोधी कानूनों से पुष्ट होता है। लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जीवन्त क्रियान्वयन व्यवस्थायें तथा न्यायिक सक्षमता बहुत जरूरी हैं। कानूनों और परंपराओं के प्रति सम्मान एक और महत्वपूर्ण संकल्प है जिसका उद्देश्य सामाजिक एकजुटता मजबूत करना है। इसके लिए न केवल कानूनों के कठोर क्रियान्वयन, बल्कि नागरिकों को शिक्षित करने के सांस्कृतिक अभियानों की जरूरत है ताकि उनको भारत की विधिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूक किया जा सके।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विरासत को औपनिवेशिक युग की सोच से मुक्त करने का आह्वान किया। इसके लिए स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों का संवर्धन, शिक्षा पाठ्यक्रम को औपनिवेशिक सोच से मुक्त करने तथा भारत की उपलब्धियों का विश्व स्तर पर सम्मान जरूरी है। मोदी ने संविधान के प्रति सम्मान तथा राजनीतिक लाभ के लिए इसका प्रयोग बंद करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अंतर्गत राजनीतिक निष्ठा और विधायी प्रक्रियाओं में रचनात्मक विचार-विमर्श जरूरी है। प्रधानमंत्री ने बिना धर्म-आधारित आरक्षण को लागू किए वर्तमान आरक्षण व्यवस्था बनाए रखने की प्रतिबद्धता प्रकट की। सामाजिक न्याय और प्रतिभा के बीच संतुलन रखना एक विवादास्पद मुद्दा रहा है। सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सतर्कता से नीतिगत निर्णय की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने 'राज्यों के विकास से देश के विकास' का मंत्र दिया। इसमें सहयोगी संघवाद का महत्व रेखांकित होता है। राज्यों की क्षमताओं के विकास तथा समतापूर्ण वितरण सुनिश्चित करना इस संकल्प की सफलता के लिए जरूरी है। प्रधानमंत्री द्वारा घोषित संकल्पों की सफलता अनेक आयामों पर निर्भर हैं जिनमें कर्तव्यों के साथ नागरिकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना शामिल है। इन संकल्पों का प्रभावी क्रियान्वयन बड़ी सीमा तक प्रशासन की व्यवस्थाओं तथा जीवन्त संस्थानों पर निर्भर है। इसके साथ ही सरकार द्वारा संस्थानों के समुचित व सक्षम उपयोग के अलावा भारत के नागरिकों में अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना जरूरी है। नागरिकों में देश के विकास तथा सामाजिक कल्याण के प्रति सतर्कता तथा सक्रियता की भावना पैदा करना प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्त संकल्पों को जमीन पर उतारने के लिए आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले लगभग एक दशक में भारत की आर्थिक प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए विश्वास प्रकट किया कि वह 2047 तक निश्चित रूप से विकसित देश बनेगा।

खाद्य सुरक्षा का वैश्विक महत्व

वैश्वीकरण से स्वदेशी खाद्य उद्योगों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा सकता है। लेकिन इन सरोकारों के बावजूद बायोटेक्नोलोजी के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं। इससे वैश्विक खाद्य एवं ऊर्जा व्यवस्थायें बदल सकती हैं।

सुधीर हिंदवान
(लेखक, रणनीति विशेषज्ञ हैं।)

दुनिया की राजनीति आज अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें साइबर धोखाधड़ी, व्यापक भ्रष्टाचार, विभिन्न देशों में फैला आतंकवाद तथा व्यापक विनाश के आयुधों का बेलगाम उपयोग शामिल हैं। पश्चिम एशिया संकट तथा रूस-यूक्रेन के बीच जारी वर्तमान युद्ध इन संकटों के उदाहरण हैं।

भू-राजनैतिक प्रतिद्वंद्विताओं के बढ़ते प्रभुत्व, आर्थिक अनिश्चितताओं तथा पर्यावरण क्षरण की समस्याओं से ग्रस्त दुनिया में महत्वपूर्ण खाद्य सुरक्षा चिन्ताओं को अक्सर पृष्ठभूमि में धकेल दिया जाता है। दुनिया की राजनीति आज अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रही है। इनमें साइबर धोखाधड़ी, व्यापक भ्रष्टाचार, विभिन्न देशों में फैला आतंकवाद तथा व्यापक विनाश के आयुधों का बेलगाम उपयोग शामिल हैं। पश्चिम एशिया संकट तथा रूस-यूक्रेन के बीच जारी वर्तमान युद्ध इन संकटों के उदाहरण हैं। असाधारण रूप से व्यापक शरणार्थी संकट, पर्यावरण क्षरण तथा प्राकृतिक विभीषिकाओं की बढ़ती बारंबारता से ये समस्यायें और गंभीर होती हैं। इन महत्वपूर्ण सरोकारों में खाद्य सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके बावजूद इसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। इससे दुनिया भर के अनेक देश प्रभावित होते हैं। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन-एफएओ द्वारा 1996 में रोम विश्व खाद्य सम्मेलन में दी गई परिभाषा के अनुसार, खाद्य सुरक्षा उस समय पैदा होती है जब 'सभी लोगों को पूरे समय तक समुचित, सुरक्षित तथा पोषक भोजन तक भौतिक और आर्थिक पहुंच नहीं मिलती है। यह भोजन उनकी भोजन आवश्यकताओं तथा सक्रिय व स्वस्थ जीवन के लिए खाद्य पसंदों के अनुरूप होना चाहिए।' इस प्रकार इस परिभाषा में न केवल भोजन की भौतिक उपलब्धता, बल्कि उस तक आर्थिक पहुंच पर भी जोर दिया गया है। इसमें भोजन की मात्रा तथा उसकी पोषक गुणवत्ता, दोनों पर जोर दिया गया है। एफएओ के खाद्य सुरक्षा पैमाने के अनुसार गरीब देशों की आधी से अधिक जनसंख्या खाद्य-असुरक्षा स्थितियों का सामना कर रही है, जबकि एक तिहाई जनसंख्या गंभीर संकट का शिकार है। दुनिया भर में लगभग 789 मिलियन लोगों को उपयुक्त भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है और लघु-पोषकों की कमी को देखतते हुए यह संख्या खतरनाक रूप से 2.4 बिलियन तक पहुंच जाती है। खाद्य सुरक्षा मुद्दों को मोटेतौर से दो व्यापक श्रेणियों-मात्रा एवं गुणवत्ता में बांटा जा सकता है। इन चुनौतियों में पांच प्रमुख आयाम- भोजन की उपलब्धता, मूल्यों में उतार-चढ़ाव, समावेशी पहुंच, समुचित उपयोग तथा स्थायित्व शामिल हैं। खासकर गरीब देशों में मूल्यों का उतार-चढ़ाव अधिकांश ऐसे लोगों में खाद्य असुरक्षा को गंभीर बना देता है जिनकी पहुंच पोषक खाद्य पदार्थों तक ठीक से सुनिश्चित नहीं होती है। वैश्विक खाद्य असुरक्षा को स्वीकार करते हुए संयुक्त राष्ट्र ने खाद्य सुरक्षा को 2015 में '2030 एजेंडा' के 17 टिकाऊ विकास लक्ष्यों-एसडीजी में शामिल किया था। दूसरी एसडीजी का लक्ष्य 'भूख समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा पोषण में सुधार करना और टिकाऊ कृषि को प्रोत्साहन देना' रखा गया है। सहायक लक्ष्यों की एसडीजी 6 में 'सबके लिए जल और स्वच्छता की उपलब्धता तथा टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना' तथा एसडीजी 12 में 'टिकाऊ उपभोग एवं उत्पादन पैटर्न' सुनिश्चित करना शामिल किया गया है। इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए टिकाऊ व्यवहारों पर जोर दिया गया है। दुनिया भर में सरकारों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी खाद्य एवं कृषि नीतियों को इन लक्ष्यों के अनुरूप व्यवस्थित करें तथा अपनी जनसंख्या के लिए उपयुक्त मात्रा में पोषक भोजन टिकाऊ आधार पर सुनिश्चित करें।

खाद्य असुरक्षा परिवारों तथा सामाजिक स्तर पर लोगों के लिए अनेक समस्यायें पैदा करती है। उदाहरण के लिए परिवार की खाद्य असुरक्षा को समुचित नींद न होने तथा बीमारियों के खिलाफ समुचित प्रतिरोधक क्षमता के अभाव से जोड़ा गया है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ ने टिकाऊ विकास पर 2012 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में सुरक्षित व पोषक खाद्य तक पहुंच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पुन: प्रकट की। इस प्रतिबद्धता को 'फ्यूचर वी वांट' दस्तावेज में समेकित रूप से रखा गया है। इस सम्मेलन में संरा. के तत्कालीन महासचिव बान की मून ने 'ज़ीरो हंगर चैलेंज'-जेडएचसी भी जारी किया था जिसका लक्ष्य दुनिया भर में 2030 तक भूख और कुपोषण को समाप्त करना था। जेडएचसी का एक प्रमुख तत्व 'सभी खाद्य व्यवस्थाओं को टिकाऊ' बनाने का लक्ष्य है। इसमें स्वच्छ जल, टिकाऊ ऊर्जा, जिम्मेदार खाद्य उपभोग व उत्पादन तथा जलवायु कार्रवाई पर जोर दिया है जिसे राष्ट्रीय नीतियों तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग से प्राप्त किया जा सकता है। 1987 की ब्रंडलैंड रिपोर्ट 'अवर कामन फ्यूचर' में टिकाऊ विकास को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि इस 'विकास का अर्थ भावी पीढ़ियों द्वारा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति में बाधा डाले बिना वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकतायें पूरी करना है।' 1947 में स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने खाद्य सुरक्षा मजबूत करने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इसके लिए भारत में भारतीय कृषि शोध संस्थान के अंतर्गत अनेक संस्थानों की स्थापना की गई है जिनका निर्देशन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-आईसीएआर के पास है। कृषि संबंधी चुनौतियों को संबोधित करने में जेनेटिक इंजीनियरिंग व बायोटेक्नोलोजी में हो रही प्रगति महत्वपूर्ण योगदान कर रही है। इससे उपलब्ध खाद्य की गुणवत्ता बढ़ती है तथा विश्व स्तर पर भोजन की उपलब्धता का भी विस्तार होता है। लेकिन जेनेटिक परिवर्तित अवयवों-जीएमओ से पैदा बायोसुरक्षा जोखिमों, समुचित परिवहन, हस्तांतरण तथा इन अवयवों के निस्तारण के बारे में चिन्ता बनी हुई है। विश्व बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों ने सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया है।

दुनिया वर्तमान समय में भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विताओं में उलझी है जिसके चलते विभिन्न देश भूख, गरीबी, पर्यावरण क्षरण और बेरोजगारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को अनदेखा कर अपने प्रभुत्व पर जोर दे रहे हैं। बायोटेक्नोलोजी के समुचित व प्रभावी प्रयोग से इन चुनौतियों का सामना किया जा सकता है तथा उच्च गुणवत्ता वाले भोजन का उत्पादन सुनिश्चित करने, प्रदूषण घटाने, रोजगार सृजन करने एवं आर्थिक प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा जा सकता है। इस प्रकार हम अंतरराष्ट्रीय सहयोग से वैश्विक तनाव घटा सकते हैं तथा शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। शोध एवं विकास में निवेश से भूख, कुपोषण और खाद्य सुरक्षा, खाद्य पदार्थों में मिलावट जैसी समस्याओं का सामना किया जा सकता है। इसके साथ ही बायोटेक्नोलोजी में परिवर्तन से सारी दुनिया की भलाई और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है। लेकिन बायोटेक्नोलोजी के बारे में दो बड़ी आशंकायें बनी हुई हैं। पहला, इससे विकसित व विकासशील देशों के बीच खाई और चौड़ी हो सकती है। दूसरा, वैश्वीकरण से स्वदेशी खाद्य उद्योगों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा सकता है। लेकिन इन सरोकारों के बावजूद बायोटेक्नोलोजी के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं। इससे वैश्विक खाद्य एवं ऊर्जा व्यवस्थायें बदल सकती हैं तथा गरीब लोगों की सहायता के लिए एक अभियान चलाया जा सकता है। खाद्य सुरक्षा पहलों को भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विताओं से ऊपर रखा जाना चाहिए तथा इसमें समावेशन को बढ़ावा दे कर साझा जिम्मेदारियों पर जोर देना चाहिए। समावेशी राजनय पर जोर देने वाले भारत के पास इस दिशा में विश्व स्तर पर केन्द्रीय भूमिका निभाने की क्षमता है।

कार्यस्थल पर विभाजन

कार्यस्थल पर ध्रुवीकरण व्यापक सामाजिक विभाजन को दर्शाता है, लेकिन पेशेवर सेटिंग्स के भीतर इसकी अनूठी चुनौतियाँ और अवसर हैं। हालांकि इससे सहयोग, विश्वास और उत्पादकता को खतरा है।

साक्षी सेठी
(लेखक, शिक्षाविद हैं)

बढ़ता हुआ विभाजन टीमवर्क में बाधा डाल सकता है, विश्वास को कम कर सकता है और संगठनात्मक प्रभावशीलता को कम कर सकता है। 21वीं पीढ़ी के आगमन के साथ, लोगों का तीव्र विरोधी समूहों में विभाजन कार्यस्थलों में तेजी से घुसपैठ कर रहा है, जो राजनीति, संस्कृति और मूल्यों में व्यापक सामाजिक विभाजन को दर्शाता है। पेशेवर सेटिंग्स में, इसे अक्सर ध्रुवीकरण के रूप में संदर्भित किया जाता है और यह सहयोग में बाधा डाल सकता है, रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है और संगठनात्मक प्रभावशीलता को कम कर सकता है। कार्यस्थल ध्रुवीकरण को संबोधित करने के लिए सक्रिय नेतृत्व, खुला संचार और साझा लक्ष्यों पर जोर देने की आवश्यकता होती है। ध्रुवीकरण अक्सर विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होता है जैसे कि अलग-अलग व्यक्तिगत मूल्य जहां कर्मचारी अपनी राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को कार्यस्थल में लाते हैं।

लिंग, जाति और राजनीतिक विचारधाराओं जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विश्वासों में अंतर संघर्षों को जन्म देता है। दूसरी ओर, मीडिया कवरेज, राजनीतिक अभियान या सामाजिक आंदोलन अलग-अलग दृष्टिकोण वाले कर्मचारियों के बीच तनाव को बढ़ाते हैं। टीमों के भीतर खुले संवाद की कमी प्रतिध्वनि कक्षों को बढ़ावा देती है, जहां कर्मचारी केवल समान विचारधारा वाले व्यक्तियों के साथ बातचीत करते हैं, पूर्वाग्रहों और गलतफहमियों को मजबूत करते हैं। साथ ही, पीढ़ियों के बीच कार्यशैली, प्राथमिकताओं और मूल्यों में अंतर घर्षण पैदा कर सकता है। युवा कर्मचारी सामाजिक सक्रियता को प्राथमिकता दे सकते हैं, जबकि पुराने सहकर्मी पारंपरिक कार्यस्थल मानदंडों को महत्व दे सकते हैं। संगठनात्मक स्वास्थ्य और कर्मचारी कल्याण पर इस तरह के ध्रुवीकरण का प्रभाव महत्वपूर्ण हो सकता है। यह टीमवर्क को बाधित कर सकता है, क्योंकि कर्मचारी विपरीत विचार रखने वालों के साथ सहयोग करने के लिए कम इच्छुक होंगे जो नवाचार और उत्पादकता को बाधित करेगा। व्यक्तिगत या राजनीतिक मुद्दों पर असहमति भी सहकर्मियों के बीच अविश्वास का कारण बन सकती है, जिससे विषाक्त कार्य वातावरण बन सकता है। कर्मचारी जो अपने विश्वासों के कारण अलग-थलग या हाशिए पर महसूस करते हैं, वे कहीं और अवसर तलाश सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिभा का नुकसान होता है। ध्रुवीकरण में निहित कार्यस्थल संघर्ष तनाव, बर्नआउट और नौकरी की संतुष्टि में कमी ला सकते हैं। सम्मानजनक बातचीत को प्रोत्साहित करके जो कर्मचारियों को निर्णय के डर के बिना अपने दृष्टिकोण व्यक्त करने की अनुमति देता है; संरचित पहलों को लागू करके, जैसे कि सुगम चर्चा या संघर्ष समाधान कार्यशालाएँ; कर्मचारियों को एकजुट करने वाले संगठनात्मक उद्देश्यों पर जोर देकर और साझा मूल्यों या टीम मिशनों जैसे सामान्य आधार को उजागर करके, कुछ उपाय हो सकते हैं जो विभाजनकारी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने को कम कर सकते हैं और विभाजन को पाटने में मदद कर सकते हैं। कार्यस्थल पर बातचीत के लिए माहौल बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका नेता की होती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि समावेशी नेता सम्मानजनक व्यवहार का उदाहरण पेश करते हैं, विभिन्न दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करते हैं और संघर्षों में प्रभावी ढंग से मध्यस्थता करते हैं। कार्यस्थल पर स्वीकार्य व्यवहार की रूपरेखा तैयार करने वाले दिशा-निर्देश विकसित करना, विशेष रूप से संवेदनशील विषयों पर चर्चा के संबंध में; अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए आपसी सम्मान को बढ़ावा देने वाली नीतियां बनाना या टीम-निर्माण अभ्यास, मेंटरशिप प्रोग्राम या क्रॉस-डिपार्टमेंट प्रोजेक्ट जैसी पहल करना अलग-अलग दृष्टिकोण वाले कर्मचारियों के बीच अलगाव को कम करने और संबंधों को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। निस्संदेह एक संगठन की संस्कृति ध्रुवीकरण को कैसे प्रकट करती है और कैसे संबोधित की जाती है, इस पर महत्वपूर्ण रूप से प्रभाव डालती है। एक संस्कृति जो सम्मान, समावेशिता और खुले विचारों को महत्व देती है, वह ध्रुवीकरण के प्रभावों को कम कर सकती है।

इसके विपरीत, एक संस्कृति जो पक्षपात या भेदभाव को सहन करती है, वह विभाजन को बढ़ा सकती है। नेताओं को एक ऐसी संस्कृति विकसित करने को प्राथमिकता देनी चाहिए, जहाँ कर्मचारी अपने विश्वासों या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना मूल्यवान महसूस करें और उनकी बात सुनी जाए। कार्यस्थल पर ध्रुवीकरण व्यापक सामाजिक विभाजन को दर्शाता है, लेकिन पेशेवर सेटिंग्स के भीतर इसकी अनूठी चुनौतियाँ और अवसर हैं। हालांकि इससे सहयोग, विश्वास और उत्पादकता को खतरा है, लेकिन अगर इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जाए तो यह विकास को भी गति दे सकता है। सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देकर, खुले संवाद को बढ़ावा देकर और साझा लक्ष्यों पर जोर देकर, संगठन ध्रुवीकरण को दूर कर सकते हैं और ऐसे वातावरण बना सकते हैं जहाँ विविध दृष्टिकोण पनपते हैं।

आप की बात

जाकिर हुसैन का जाना

देश के महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन संगीत जगत की अपूरणीय क्षति है। महज ग्यारह बरस की उम्र में उन्होंने तबले से नाता जोड़ा और ता-उम्र उसी को मित्र बनाकर देश-दुनिया में भारतीय संगीत को तबले की थाप से प्रसिद्धि दिलवाई। इनके पिता प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद अल्लाह रक्खा खान से इन्हें तबले में रुचि हुई और तबले में ऐसी महारत हासिल हुई की तबले की बदौलत इन्हें संगीत जगत के मशहूर ग्रैमी अवार्ड को चार बार अपने नाम किया। देश -विदेश में कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त करने वाले उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्मश्री 2002 में पद्मभूषण और 2023में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। प्रसिद्ध सितार वादक पंडित रविशंकर ने इनकी प्रतिभा को पहचानकर इन्हें सबसे पहले उस्ताद कहा था, जो इनके नाम के साथ हमेशा के लिए जुड़ गया। बहुत छोटी उम्र में आपने अमेरिका में पहला कॉन्सर्ट किया जिसमें उन्हें काफी पसंद किया गया , उसके बाद तो देश-विदेश में जहां भी जाते लोग उनकी तबले पर चलती उंगलियों के संयोजन से मंत्रमुग्ध होकर उनके प्रशंसक हो जाते। यहां तक कि 2016 में अमेरिका के तात्कालिक राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें आलॅ स्टार ग्लोबल कॉन्सर्ट में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया। वे पहले भारतीय थे जिन्हें निमंत्रित किया गया। जाकिर ने 1998में संगीत प्रधान फिल्म में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

-संजय डागा, इन्दौर

राजा भैया का उद्‌बोधन

उत्तर प्रदेश विधानसभा में राजा भैया का उद्बोधन सदन में उपस्थित सभी सनातनी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणा है । सदन में जितने भी सनातनी जनप्रतिनिधि बैठे हैं उनमे से किसी एक को भी संभल विवादित स्थल के सर्वे से आपत्ति नहीं होनी चाहिए क्यूंकि हम सबके लिए सर्वप्रथम सनातन धर्म है। सदन में यह बात पूरी स्पष्टता और शक्ति के साथ कहना वो भी भाजपा नहीं अपितु जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के मुखिया द्वारा कहना अभिनंदनीय है राजा भैया ने पत्थरबाजों से लेकर बहराइच में रामगोपाल मिश्रा की निर्मम हत्या करने वालों तक पर प्रश्न किए, उन अधिकारियों के प्रति अपनी चिंता और संवेदना भी व्यक्त की जिन पर सम्भल सर्वे के दौरान मजहबी उपद्रवियों ने पथराव और गोलीबारी की थी। निसंदेह राजनीतिक तुष्टिकरण इतना भी अँधा नहीं होना चाहिए कि सत्य दिखना ही बंद हो जाए। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष उन्हें हिन्दू नरसंघार, खंडित सनातनी मंदिरों और इस्लामिक क्रूरता के प्रति मुखर होना चाहिए जब इस्लामिक जनप्रतिनिधि बेशर्म होकर जिहादी कटटरपंथियो के समर्थन में खड़े हो जाते हैं तो सनातन धर्म में जन्म लेने वाले जनप्रतिनिधि किसी राजनीतिक दल की मुस्लिम तुष्टिकरण के विचारों की बेड़ियों से बाधित क्यों होते हैं । इन बेड़ियों को तोड़कर सनातन धर्म और अपने अग्रिम वंश की सुरक्षा हेतु मुखर होइए, प्रखर होइए, प्रतिकार कीजिए, पुरुषार्थ कीजिए। **- दिव्य अग्रवाल**

संविधान पर तर्क-वितर्क

संसद हो या संसद के बाहर देश के संविधान में संशोधनों को लेकर दोनों-पक्षों (सत्ता-विपक्ष) में लम्बे समय से वाकयुद्ध चल रहा है। कोई इसे पूर्व में परिवार के हित में किये गए संशोधनों की उपमा दे रहा है तो कोई राष्ट्रहित में किये गए संशोधनों की अपनी पुख्ता बात पर अड़ा हुआ है। वैसे संविधान में संशोधन राष्ट्रहितों के मद्देनजर ही होने चाहिए न कि राजनीतिक/व्यक्तिगत/पार्टी हित में होने चाहिए। अगर पूर्व में ऐसा कुछ हुआ है तो वह ठीक नहीं है। संसद में दोनों पक्ष मिलकर ही देश चलाते हैं न कि केवल सत्ता या सिर्फ विपक्ष। कुछ भूलें हुई हैं तो संविधान में राष्ट्रहित में दोनों को मिलकर तर्क-वितर्क करके विद्वता पूर्वक संशोधन की पहल करनी चाहिए न कि उस पर सबको मिलकर कुतर्क रूपी बहस में संसद का कीमती समय और जनधन बर्बाद करना चाहिए। ये राष्ट्रहित में किये जाने वाले संविधान में संशोधनों पर बहस का विषय है न कि लीक से हटकर राजनीतिक/पारिवारिक हित/अहित पर बेवजह की बहस करने में समय बर्बाद करने का वक्त है। यूं तो सत्ता पक्ष भी वाक्-पटुता में कम नहीं पर विपक्ष भी हम देख रहे हैं 2014 से कभी संसद में हंगामा कभी वॉकऑउट और कभी अति-आलोचना ही करता रहा है। जिससे जनहित व राष्ट्रहित के मुद्दे हंगामों की भेंट चढ़ रहे है। उसे भी अपनी वाणी में परिपक्वता लाते हुए समझदारी से काम लेना चाहिए।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

विश्वसनीयता स्वीकारते नेता

ईवीएम मशीन की विश्वसनीयता को लेकर कांग्रेस चाहे जो कुछ कहे लेकिन जब विपक्षी नेता भी इस कटु सत्य को हलक नीचे उतार लें तो फिर सत्ता पक्ष पर आरोप लगाकर उंगली उठाने का कोई औचित्य नजर नहीं आता। बकौल कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह, आपको संसद के सौ से अधिक सदस्य एक ही ईवीएम का उपयोग करके मिले हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हैं तो आप कुछ महीनों के बाद में यह नहीं कह सकते हैं कि हमें ये ईवीएम पसंद नहीं हैं, क्योंकि अब चुनाव नतीजे वैसे नहीं हैं, जैसे हम चाहते हैं। यह वक्तव्य दूध का दूध और पानी का पानी करने के लिए काफी है। कोर्ट से लेकर विशेषज्ञ तक सभी ईवीएम को सेट करने के आरोपों को सिरे से नकार चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस को भी इस मामले को विराम देना चाहिए जिससे सदन और देश का बहुमूल्य समय जाया होने से बचाया जा सके। क्या कांग्रेस इस हलाहल को गले उतारने की हिम्मत जुटा पाएगी ? ईवीएम को लेकर भारत में कोई भी ऐसा मामला नहीं आया है जो इसकी निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगाता हो।

-अमृतलाल मारू रवि, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

सुशासन सप्ताह के तहत 19 से 24 दिसंबर तक चलेगा अभियान

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार ष्सुशासन सप्ताह 2024.प्रशासन गांव की ओरष् अभियान 19 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2024 तक आयोजन किया जाना प्रस्तावित हैं। उक्त के अन्तर्गत जनपद के तहसील मुख्यालयए समस्त खण्ड विकास अधिकारीए समस्त एडीओ पंचायत ग्राम सचिव के माध्यम से पंचायत समितियों इत्यादि में सुशासन सप्ताह 2024.प्रशासन गांव की ओर अभियान ;दिनांक 19 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2024द्ध के तहत विशेष कैम्पोंध्कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। विशेष कैम्पोंध्कार्यकमों के अन्तर्गत विभिन्न कार्यवाहियां की जानी हैं जिसमे विशेष कैम्पोंध्कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्राप्त जनशिकायतों भारत सरकार के पोर्टल सीपीग्राम्स के माध्यम से प्राप्त जनशिकायतों आईजीआरएस जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से प्राप्त जनशिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएगा।

ऑनलाइन सेवाओं हेतु प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा जनशिकायतों के सफल निस्तारण के अन्तर्गत सफलता की कहानी जिसमें ;शिकायत पंजीकरण संख्या शिकायतकर्ता का नाम मोबाइल नम्बर ई.मेल पता शिकायत प्रस्तुत करने का दिनांक शिकायत निस्तारण का दिनांक शिकायतकर्ता की समस्या शिकायत का विवरण कृत कार्यवाहीध्निस्तारण का विवरण शिकायतकर्ता की प्रतिकियाध्संतुष्टिए निस्तारण से सम्बन्धित दस्तावेजद्ध अनिवार्य रूप से अंकित किया जायेगा। इसके लिए जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों तहसीलदारों जिला पंचायतराज अधिकारी खण्ड विकास अधिकारियों सहायक विकास अधिकारियों ;पंचायतद्ध को निर्देशित किया है कि उक्त निर्देशों के अन्तर्गत अभियान का व्यापक प्रचार.प्रसार कराते हुये सुशासन सप्ताह 2024.प्रशासन गांव की ओर अभियान ;दिनांक 19 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2024द्ध के अन्तर्गत विशेष कैम्पोंध्कार्यक्रमों का आयोजन कराकर दैनिक सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

डीएम ने अपर जिलाधिकारी न्यायालय का किया निरीक्षण

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने अपर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपर जिलाधिकारी न्यायालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने विभिन्न पत्रावलियों नकल पंजिका दाखिला चिट्ठा आर0सी0 पंजिका वाद पत्रावली ऑनलाइन केस डायरी आदि का निरीक्षण किया और पंजिकाओं का बेहतर ढंग से रख.रखाव का निर्देश दिया। उन्होने पत्रावलियों का दाखिला समय से करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होने ऑनलाइन केस डायरी का निरीक्षण कर आनलाइन वादों की सूची का भी निरीक्षण किया और वादों को ससमय निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया। तदोपरान्त जिलाधिकारी ने तहसील भिनगा पहुंचकर उपजिलाधिकारी न्यायालय में प्रतिदिन की जाने वाली विभिन्न न्यायालय के लंबित वादों एवं जनसुनवाई पत्रावालियो का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को न्यायालय पर लम्बित वादों का निराकरण करने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि तहसील में आने वाले हर फरियादियों की समस्याओं को सूचीबद्ध किया जाए और उनका निराकरण भी समय सीमा के अन्दर सुनिश्चित किया जाएए ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं को लेकर तहसील मुख्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिये कि बड़े बकायदारों की सूची अपडेट करके वसूली में तेजी लायेंए और प्रतिदिन अपने निर्धारित समयानुसार न्यायालय में उपस्थित रहें। तहसील में खतौनी प्राप्ति के लिए आने वाले किसानों को निर्धारित शुल्क लेकर खतौनी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए और यह भी ध्यान रखा जाए कि निर्धारित शुल्क से किसी भी दशा में अधिक धनराशि कदापि न ली जाए। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल तहसीलदार जागृति सिंह सहित अन्य राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीडीओ ने जानी नहरों की सफाई की जमीनी हकीकत

महराजगंज (रायबरेली) नहरों की सफाई की जमीनी हकीकत परखने के लिए आज मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने फील्ड में उतरकर महराजगंज विकास खंड क्षेत्र की दो नहरों की साफ सफाई की स्थिति परखी और इस दौरान सीडीओ ने किसानों से बात चीत भी की।सोमवार को करीब तीन बजे सीडीओ अर्पित उपाध्याय अचानक नहरों की जमीनी हकीकत परखने के लिए महराजगंज विकास खंड क्षेत्र के सलेथू चौराहा पहुंचे जहां से होकर गुजरी रायबरेली रजबहा की साफसफाई की हकीकत परखी इसके बाद सीडीओ ने रायबरेली रजबहा से सलेथू के पास से ही निकली इंदौरा माइनर के हेड को देखने के पश्चात भदिहा गांव के पास माइनर के टेल को भी देखा इस दौरान सीडीओ ने मौजूद किसानों से बात चीत भी की इस पर किसानों ने साफसफाई पर संतुष्टि जताई। इस दौरान सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता शौरभ चौधरी और अवर अभियंता रवि द्विवेदी मौजूद रहे।

आरेडिका महाप्रबंधक ने किया हेरिटेज पार्क का भव्य शुभारंभ

लालगंज रायबरेली आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा उच्चाधिकारियों की उपस्थिति में हेरीटेज पार्क का उद्घाटन किया गया। महाप्रबंधक महोदय ने बताया कि आरेडिका प्रशासन के द्वारा इस हेरीटेज पार्क में रेलवे के कोचों एवं इंजनों के विभिन्न तकनीकीय मॉडलों को संरक्षित करने का कार्य किया जा रहा है जिससे रेलवे की अनमोल विरासतों को संरक्षित किया जा सके साथ ही साथ लोगों को रेलवे की भूली-बिछड़ी यादों से लोगों को जोड़ा जा सके। हेरीटेज पार्क के माध्यम से लोगों को अमूल्य विरासतों के महत्व के प्रति जागरूक करेगा है। इसी के साथ पार्क में लोगों के बैठने तथा घूमने फिरने के लिए हरित घास के मैदान, परिभ्रमण पथ, बच्चों के मनोरंजन के लिए छोटे-2 पुल एवं तालाबों का निर्माण किया गया। आरेडिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिवार इस सुन्दर प्राकृति छटा का लुत्फउठाएंगे। हेरीटेज पार्क के निर्माण होने से आने वाले आगुन्तको को आरेडिका की सकारात्मक छवि की अनुभूति होगी। इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य अभियंता एस पी यादव, प्रधान वित्त सलाहकार श्री बीएल मीना, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता हरीश चन्द्र, और प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव आरेडिका महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा भारती मिश्रा एवं संगठन की सभी सदस्याएं सहित उच्च अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे

रशियन फिल्म फेस्टिवल का सफल समापन

लखनऊ। रशियन फिल्म फेस्टिवल 2024 ने भारत में अपने सफर को 15 दिसंबर को शानदार तरीके से पूरा किया। मुंबई और दिल्ली में आयोजित इस फेस्टिवल ने सिनेमा प्रेमियों और सांस्कृतिक प्रेमियों पर गहरी छाप छोड़ी। यह उत्सव मुंबई के सिनेपोलिस फन रिपब्लिकए अंधेरी में 12 से 15 दिसंबर और दिल्ली के सिनेपोलिसए साकेत में 13 से 15 दिसंबर तक चला। रोस्किनो और रूसी संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस फेस्टिवल की शुरुआत 12 दिसंबर को मुंबई में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई। इस मौके पर प्रमुख रशियन प्रतिनिधिए रूसी दूतावास के सांस्कृतिक अधिकारी और संस्कृति मंत्रालय के सदस्य मौजूद थे। समारोह का मुख्य आकर्षण मिखाइल लुकाचेव्स्की की फिल्म ष्ट्रायम्फष् थीए जिसे दर्शकों ने भरपूर सराहा। फेस्टिवल में दिखाई गई फिल्मों की थीम्स ने दर्शकों के दिलों को छू लिया। फिल्मों के बाद हुए इंटरएक्टिव सेशन ने दर्शकों को रूसी सिनेमा और उसके विचारों को गहराई से समझने का मौका दिया। मुंबई में सफलता के बाद फेस्टिवल 13 दिसंबर को दिल्ली पहुंचा। सिनेपोलिसए साकेत में माहौल उत्साह से भरा हुआ था। यहां दिखाए गए फिल्म संग्रह में ष्आइस 3ष ष्फ्लाइंग शिपष ष्द पायरेट्स ऑफ द बराकुडा गैलेक्सीष् और कालजयी क्लासिक ष्गोस्ट फ्रॉम द फ्यूचरष् जैसी फिल्में शामिल थीं। इन फिल्मों को अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ दिखाया गया ताकि हर कोई इन्हें आसानी से समझ सके। इस फेस्टिवल की खासियत इसका दोस्ताना और पारिवारिक माहौल थाए जिसने हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित किया।

नई शिक्षा नीति अपनाने की आवश्यकताः मनोज सिन्हा

एलबीएस कालेज में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को किया सम्मानित

गोंडा। श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में सोमवार को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने नई शिक्षा नीति के रूप में देश को एक अनमोल तोहफा दिया है। उन्होंने इस नीति को शिक्षा प्रणाली में आमूल परिवर्तन का आधार बताया।

उपराज्यपाल ने कहा कि दुर्भाग्यवश हमारे देश की शिक्षा प्रणाली पिछले दशकों में बदलाव से अछूती रही। जहां संगीत सुनने के उपकरणों में तीन दशकों में बड़ा बदलाव हुआ है, वहीं हमारी शिक्षा प्रणाली पुरानी स्थिति में अटकी रह गई थी। उन्होंने शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित न रखकर ज्ञान और कौशल के विकास का साधन बताया। गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि रामानुजम जैसे महान गणितज्ञ के पास कोई औपचारिक डिग्री नहीं थी, लेकिन उनका योगदान विश्वभर में अमूल्य है। इसका अर्थ है कि शिक्षा केवल औपचारिक प्रमाण पत्रों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि संतोष का भाव सृजन के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध है। हमें अपनी सोच को सीमित न रखते हुए मन और मस्तिष्क की खिड़कियां खुली रखनी चाहिए। तभी हम अपने लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। सत्य सरोज फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बी.ए., बी.एस-सी., बी.कॉम., एम.ए., एम.एस-सी., एम.कॉम. के छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षकों को उनके योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी नेहा शर्मा, पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल, कॉलेज प्रबंध समिति की उपाध्यक्ष वर्षा सिंह, सचिव उमेश शाह तथा प्राचार्य प्रो. रविंद्र कुमार पांडेय ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही बदलाव का असली मंत्र है। यह न केवल व्यक्तित्व निर्माण करती है, बल्कि समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सत्य सरोज फाउंडेशन की अध्यक्ष वर्षा सिंह ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करना उनकी मेहनत को सराहते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।कार्यक्रम में प्रो. जितेंद्र सिंह, प्रो. आरबीएस बघेल, प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्र, डॉ. रेखा शर्मा, प्रो. वीपी सिंह, प्रो. श्रवण श्रीवास्तव, सेवानिवृत प्रो. शेर बहादुर सिंह, प्रो. ओंकार पाठक, डा. पुष्यमित्र मिश्र सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

भाजपा महानगर के चार मंडल अध्यक्षों के लिए 58 कार्यकताओं ने किया नामांकन

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी महानगर के मंडलों अध्यक्षों के लिए सोमवार को नामांकन किया गया है। देवकाली मंडल का नामांकन उत्सव लॉन शक्तिनगर में करिअप्पा मंडल का पूर्व माध्यमिक विद्यालय गद्दोपुरए पूरा मंडल का चुनाव केडी पब्लिक इंटर कालेज रसूलाबाद तथा अयोध्या मंडल का चुनाव प्रमोद वन स्थित एक विद्यालय में सम्पन्न हुआ। मंडल अध्यक्षों के लिए बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने नामांकन किया। करिअप्पा मंडल की चुनाव अधिकारी अनिता सिंहए देवकाली मंडल के चुनाव अधिकारी राम प्रीत वर्माए पूरा मंडल के डा राकेश मणि त्रिपाठीए अयोध्या मंडल के काशीराम रावत ने मंडल अध्यक्ष के दावेदारों से नामांकन पत्र लिया। करिअप्पा मंडल में दिनेश कुमार कन्नौजियाए अनुराग त्रिपाठीए रवि सोनकरए पंकज कन्नौजिया रमेश पाण्डेयए सूरज सोनकरए राम लौटनए अरूण सोनकर सहित 13 लोगों ने नामांकन किया। देवकाली मंडल में शशि प्रताप सिंहए सुबोध चर्तुवेदीए त्रिपुरारी सिंहए स्वपनिल श्रीवास्तवए राजकुमार वर्माए किशन मौर्याए हेमन्त जायसवालए माया सिंह सहित 12 लोगों ने नामांकन किया। पूरा मंडल में वरूण चौधरीए राघवेन्द्र प्रताप तिवारीए लक्ष्मी सिंहए स्वाती सिंहए दीपक सिंह गब्बरए कपिल देव वर्माए कुलदीप पाण्डेयए अच्छेलाल निषाद सहित 14 कार्यकताओं ने नामांकन पत्र जमा किया। अयोध्या मंडल रमाकान्त विश्वकर्माए आकाश मिश्रए प्रदीप कुमार यादवए राधारमण त्रिपाठीए दुर्गेश पाण्डेयए आलोक मिश्रए प्रेमनाथ मांझीए रमेश दासए रवि शर्माए आशीष कुमार सिंहए लक्ष्मण वर्मा सहित 19 लोगों ने नामांकन किया। जिला सह चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र कोरी ने बताया कि मंडल के चुनाव अधिकारी से प्राप्त नामांकन पत्र को जिला चुनाव अधिकारी नीलिमा कटियार को सौंपा जाएगा। नामांकन पत्रों को लेकर जिला चुनाव अधिकारी लेकर पार्टी मुख्यालय जाएंगे। जिसके बाद संगठन जो तय करेगा।

गांव में पढ़ी बेटी माद्री ने अनुभाग अधिकारी बनकर रचा इतिहास

कुसमिलिया कालेज से इंटर और डीवीसी से किया था एमए पास, बुआ-फूफा ने प्रतिभाशाली बेटी का हर स्तर पर किया सहयोग

कुसमिलिया (जालौन)। भारत सरकार समाज में बेटियों के उत्थान के लिए सदैव सजग और कटिबद्ध है। आज शहर ही नहीं अपितु गांव की बेटियां भी बड़ी मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। ऐसे कई गांव भी हैं जहां उच्च शिक्षा के लिए विद्यालय नही हैं। ऐसे में एक छोटे से किसान की बेटी माद्री देवी ने अपनी बुआ ममता फूफा एमडी राजपूत के घर कुसमिलिया जालौन में आकर पढ़ाई की और आज अनुभाग अधिकारी के पद पर जालौन में अपनी सेवाएं दे रहीं हैं।

माद्री देवी के पिता ईश्वरदास राजपूत चंडौत हमीरपुर में रहकर खेती बाड़ी करते हैं। उनकी मां राजेश एक ग्रहणी हैं। माद्री देवी ने बताया की उसने अपनी प्राथमिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल से प्राप्त की फिर अपनी बुआ के पास आकर इंटर कॉलेज कुसमिलिया से इंटरमीडिएट और डीवीसी डिग्री कॉलेज उरई से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद कानपुर यूनिवर्सिटी से एमए की शिक्षा प्राप्त की। माद्री के पिता ने कहा की उन्हें अपनी बेटी को उसकी पसंद का करियर चुनने से कभी नहीं रोका। उन्होंने उसे अपनी पढ़ाई पूरी करने और सुरक्षित भविष्य के लिए सफल होने के लिए प्रोत्साहित किया। माद्री बचपन से मेघावी छात्रा रही है। किसान की बेटी माद्री देवी ने प्रारंभिक शिक्षा से उच्च शिक्षा सरकारी स्कूलों से प्राप्त की। एम ए के बाद इनका चयन आदर्श पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र अलीगंज लखनऊ में हुआ जहां पर इन्हें निशुल्क कोचिंग की सुविधा मिली। इस संस्थान से माद्री ने आईएएस, पीसीएस की तैयारी भी की। सबसे पहले 10 जुलाई 2024 को इनकी नियुक्ति लेखपाल के पद पर हुई। इसके बाद 22 नवंबर 2024 में सेक्शन ऑफिसर के पद पर हो गया जहा आज सेवाए दे रहीं हैं। गांव की बेटी को अनुभाग अधिकारी के पद पर होने से ग्रामवासी बहुत हर्षोत्साहित हैं।

एडीओ पंचायत ने देखी मॉडल ग्राम पंचायत गूढ़ा की जमीनी हकीकत

शिवगढ,रायबरेली। एडीओ पंचायत मोहित सिंह ने मॉडल ग्राम पंचायत गूढ़ा का औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों एवं साफ सफाई की जमीनी हकीकत देखी। सोमवार को पूर्वाहन 11 बजे मॉडल ग्राम पंचायत गूढ़ा पहुंचे एडीओ पंचायत मोहित सिंह ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (आआरसी सेन्टर) सामुदायिक नैडेप, सामुदायिक सोख पिट, आंगनबाडी केंद्र, प्लास्टिक बैंक,कचरा पात्र,मिनी सचिवालय,कम्पोजिट विद्यालय गूढ़ा में का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आरआरसी सेन्टर में कचरा वाहन से पहुंचाए जा रहे कचरे को देखा, प्लास्टिक बैंक तथा गांव में जगह-जगह रखे गए कचरा पात्रों को देखा। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कचरा पात्रों में कचरा इकट्ठा ना होने पाए जिसे नियमित कचरा पात्रों से निकाल कर कचरा वाहन से आरआरसी सेन्टर पहुंचाएं। कम्पोजिट विद्यालय गूढा में बने शौचालयों में पानी की उपलब्धता तथा साफ-सफाई देखी जो संतोष जनक पाई गई, मिनी सचिवालय गूढ़ा में पंचायत सहायक पायल वर्मा जन सेवा केंद्र संचालित करती मिली। जहां मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सहायक के नियमित बैठने से ग्रामीणों को आय, जाति, निवास, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, शादी अनुदान आवेदन, विधवा वृद्धा पेंशन आवेदन,आवास,जनसुनवाई पोर्टल,यूपी कॉप,सामुदायिक विवाह योजना आदि ऑनलाइन आवेदन करने में काफी सुविधा मिली है यहां निर्धारित सरकारी शुल्क लगने से काफी बचत हो जाती हैं। एडीओ पंचायत मोहित सिंह ने बताया कि मॉडल ग्राम पंचायत में कार्य संतोषजनक पाया गया, मिनी सचिवालय में साफ सफाई एवं व्यवस्थाएं चाक चौबंद पाई गई। इस मौके पर खण्ड प्रेरक दीपा मिश्रा, ग्राम पंचायत सचिव मनोज शर्मा, प्रधान प्रतिनिधि अंकित वर्मा आदि लोगों उपस्थित रहे।

एनएसपीएस त्रिपुला में मनाया गया पाकिस्तान पर भारत की जीत को समर्पित विजय दिवस शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में पाकिस्तान पर भारत की जीत को समर्पित विजय दिवस के गौरवशाली अवसर पर प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ सशस्त्र बलों के साहस,अटूट समर्पण और पराक्रम की पराकाष्ठा को नमन करते हुए, युद्ध में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी वीर जवानों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।

प्रधानाचार्य ने विजय दिवस की बधाई देते हुए बताया कि आज का दिन भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के अंत के रूप में इतिहास में दर्ज है,इस दिन पाकिस्तान ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया था ,साथ ही बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम को विजय प्राप्त हुई थी,युद्ध के अंत के बाद पाकिस्तानी सेना के 93,000 हजार सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था, यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के हृदय में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ। इस युद्ध में करीब 3,900 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए और 9,851 सैनिक घायल हुए। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य मो. फैजान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, पिंकी जायसवाल, अजयराज सिंह, सुभी सिंह , धर्मेन्द्र शुक्ला, गिरीश श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकध्शिक्षिकाएं, एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

गिरीश मेमोरियल पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धूम से मनाया गया

बछरावां रायबरेली गिरीश मेमोरियल पब्लिक स्कूल की वार्षिकोत्सव पूरे उत्साह एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने बढ चढकर हिस्सा लिया। जिसमें कई प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए ।सभी बच्चों ने कार्यक्रमों में अपना पूरा दाम खम दिखाया।अंत में उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बछरावां कस्बे की पटेल नगर कॉलोनी में स्थित गिरीश मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आज सोमवार को वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम बडे ही धूमधाम से मनाया गया ।कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया साथ ही डांडिया नृत्य ,देशभक्ति के गीत तथा कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए । शानदार प्रस्तुतियों से बच्चों ने खूब तालियां बटोरी। बच्चों ने मोबाइल की उपयोगिता एवं उसके दुष्प्रभाव के बारे में भी प्रस्तुति के माध्यम से उपस्थित लोगों को अच्छी सीख दी। पूरे दिन चले इस कार्यक्रम में दर्जनों दमदार प्रस्तुतियों के माध्यम से स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। स्कूल के प्रतिभाशाली बच्चों को ब्लॉक प्रमुख शिवगढ कुंवर हनुमंत प्रताप सिंह ने पुरस्कार देकर उनका उत्साह वर्धन किया।वार्षिकोत्सव के इस मौके पर मुख्य अतिथि शिवगढ ब्लाक प्रमुख कुंवर हनुमंत प्रताप सिंह ,प्रबंधक अम्बेश कुमार सिंह, भगवान कुमार अवस्थी,अभिषेक सिंह, सुष्मिता सिंह , यश मिश्रा , संग्राम सिंह शुभी कटियार, एकता मिश्रा आदि समस्त विद्यालय का स्टाफउपस्थित रहा।

महिला की हत्या का खुलासा दो सगे भाई गिरफ्तार, पति फरार

जालौन (उरई)। शुक्रवार की सुबह ग्राम खजुरी के पास माइनर में अज्ञात महिला का शव का कोतवाली पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या में पुलिस ने महिला के दो भाइयों को पकड़ा है जबकि पति फरार है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त बांका, शव को माइनर में फेंकने के लिए ले जाने में प्रयोग किये गए ऑटो व महिला का मोबाइल बरामद किया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खजुरी गांव के पास माइनर में शुक्रवार की सुबह एक महिला का शव मिला था। शनिवार को महिला के शव की शिनाख्त ज्योति बेलदार (35) पत्नी अमित कुमार निवासी गणेशजी के रूप में की गई थी। महिला की शिनाख्त होने के बाद पुलिस हत्या के मामले को तलाश रही थी। घटना का खुलासा करते हुए एएसपी प्रदीप कुमार ने बताया कि मृतका के पति अमित को पत्नी ज्योति के चरित्र पर शक था। जिसके बाद उसने पत्नी के भाई रामप्रकाश व जीतेन्द्र उर्फ जीतू पुत्रगण मानसिंह निवासी उमरारखेड़ा उरई के साथ मिलकर 7 व 8 दिसंबर की रात को ज्योति की हत्या कर दी थी।

मौनी मंदिर के सामने से सब्जी मंडी रामकुंड मैदान में करायें शिफ्ट

व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता से करें निस्तारित

उरई (जालौन)। सोमवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौनी मंदिर के सामने वाली गली में भीड़भाड़ की स्थिति को देखते हुये रामकुंड मैदान में सब्जी मंडी स्थानांतरित की जाये साथ ही नगर के मुख्य राजमार्ग का जल्द निर्माण कार्य पूरा करने के भी लोनिवि के अधिकारियों को निर्देश दिये।

इस अवसर पर व्यापार बंधुओं द्वारा उठायी जाने वाली समस्याओं से अवगत होने के बाद जिलाधकारी ने उनकी समस्याओं को गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उक्त बैठक में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई, जिसमें मौनी मन्दिर के पास पड़ने वाली सब्जी मण्डी में प्रायः अधिक भीड़ होने के कारण उक्त सब्जी मण्डी का स्थानान्तरण शीघ्र ही रामकुण्ड उरई के पीछे किये जाने के निर्देश दिये गये, विद्युत पोल पर खुले हुए विद्युत कनेक्शन बॉक्स को शीघ्र रिपेयर करने के निर्देश दिये, तथा मुख्य बाजार से बन रही सड़क के दोनों ओर इण्टरलॉकिंग शीघ्र लगाने हेतु लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये गये। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण करने का समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये गयें। तथा समस्त व्यापारियों को मार्ग से अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दियें। उक्त बैठक में मुख्य विकास अधिकारी उरई सिटी मजिस्ट्रेट उरई, सीओ नगर उरई अर्चना सिंह, उपायुक्त राज्य कर उरई तथा अन्य अधिकारीगण एवं व्यापार मण्डल के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

डीएम, एसपी ने परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थायें परखीं

राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तैयारी

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने राज्य, प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तैयारी के दृष्टिगत, आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज, सर्वोदय इंटर कॉलेज, राजकीय मेडिकल कॉलेज, आईटीआई, छत्रसाल इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जालौन परीक्षा केंद्रों निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी, कंट्रोल रूम, लाइटिंग आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, कंट्रोल रूम की व्यवस्था, और प्रकाश की समुचित व्यवस्था रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की कोई भी लापरवाही न हो, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से आयोजित की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था इंतजाम है, अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित समय से पहुंचने के निर्देश है, परीक्षा केन्द्रों पर किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूर्णतया प्रतिबंधित है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी अव्यवस्था से बचने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और हर परीक्षा केंद्र पर पुलिस कर्मी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, उप जिलाधकारी जालौन विनय कुमार मौर्य आदि सहित सर्म्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ओटीपी के माध्यम से होगी पशु गणना

मुख्य विकास अधिकारी ने 21 वीं पशुगणना हेतु गणनाकारों को की किट वितरित
गणनाकारो वं जनसहयोग से पशु गणना का कार्य शतप्रतिशत कराएं पूर्ण
गणना में न बरती जाए किसी भी प्रकार की लापरवाही: मुख्य विकास अधिकारी

कानपुर देहात। जनपद की 06 तहसीलों के अन्तर्गत 10 विकास खण्ड के 618 ग्राम पंचायतों एवं 02 नगर पालिका एवं 11 नगर पंचायतों में 21वीं पशुगणना का कार्य डिजिटल माध्यम से किया जाना है उसी के तहत शासन के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में आज विकास भवन सभागार में उपलब्ध कराई गई किटों का वितरण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि पशुओं की गणना के लिए शासन से प्राप्त कीटों का वितरण कर दिया गया है। पशुपालन विभाग द्वारा हर 5 वर्ष में पशुओं की गणना कराई जाती है। जनपद में 21वीं पशुगणना हेतु 25 सुपरवाइजर ;उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारीध्पशु चिकित्साधिकारीद्ध के अन्तर्गत 130 गणनाकार को लगाया गया है जिनमें पशुधन प्रसार अधिकारीध्पैरावेटध्पशु मैत्री सम्मिलित है जो सभी अपने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पशुगणना का कार्य करेगें। किट में बैग के साथ पशुगणना अनुसूची व पशु पहचान पुस्तिका के साथ मोबाइल फोन का पावर बैंक आदि दिया गया।मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने सभी गणनाकारों को पहचान पत्र जारी किया एवं पशुगणना संबंधी जानकारी दी गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि गणनाकारों द्वारा सभी पालतू पशुओं एवं पक्षियों की गणना ओटीपी के माध्यम से आनलाइन करेंगे साथ ही आवारा पशु की भी गणना की जायेगी एवं जनसहयोग से पशु गणना का कार्य शत प्रतिशत संभव हो सकेगा। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं अन्य पशु चिकित्साधिकारियों से कहा कि गणना के समय कोई भी पशु छूटने न पाए साथ ही किसी ऐसे चिन्ह का उपयोग किया जाए जिससे भविष्य में यह पता चल सके कि किस पशु की गणना पूर्व में हो चुकी है अथवा नहीं जिससे पशुपालन विभाग की योजनाओं को सही तरीके से भविष्य में बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं पशु चिकित्साधिकारियों से कहा कि पशुपालकों व किसानों से भी अपील की जाए कि वे सरकार के इस महत्वपूर्ण कार्य में सकारात्मक सहयोग दें। कार्यक्रम में डा0 सुबोध कुमार मुख्य पशु चिकित्साधिकारी एवं उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारीध्पशु चिकित्साधिकारी आदि उपस्थित रहे।

अधीक्षण अभियंता के आने की जानकारी होते ही सभी कर्मी अपनी सीट पर बैठ गये

हमीरपुर। सिचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता(एसई) ने सोमवार को लघुडाल नहर व नलकूप विभाग का औचक निरीक्षण किया जिसमे ज्यादातर लोग गायब पाये गये,सूचना मिलने के बाद सभी कर्मी दौड़कर आकर अपनी सीट पर बैठ गये। एसई ने कहा कि उन्होने अभियंताओं को चेतावनी दी है। इसके बाद शीघ्र ही औचक निरीक्षण किया जायेगा। जानकारी के मुताबिक लिपर कैनाल व नलकूप डिवीजन की स्थिति बेहद खराब है,विभाग में ज्यादातर अभियंता फील्ड का बहाना बनाकर गायब रहते है जिससे किसान अपनी शिकायतों को लेकर दर दर भटकता रहता है। दोनो विभागों के एक्सियन तो अपने आवास से कैम्प आफिस संचालित करते है इस मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को है,हालाकि जनप्रतिनिधियों ने इस मामले को शासन को अवगत करा चुके है. आज चित्रकूटधाम मंडल के अधीक्षण अभियंता प्रेमपाल सिंह ने करीब तीन बजे अचानक आकर निरीक्षण किया जिसमे दोनो दफ्तरों में सन्नाटा छाया हुआ था ज्यादातर लोग लंच करने के बाद दफ्तर में नही आये थे लोग चाय की दुकानों में समय पास कर रहे थे जानकारी होने पर सभी कर्मी भागकर आये एसई ने लोगो को अभिलेखों को देखा जिसमे तमाम प्रकार की कमिया पायी गयी है।

डंपर की टक्कर से बोलेरो चालक की मौत,एक गंभीर

मौदहा,हमीरपुर। . सोमवार की सुबह तड़के बोलोरो गाड़ी पर सवार किसानो को तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिसमें चालक की मौत हो गई अन्य दो सवार गंभीर रूप से घायल हो गए सभी घायलों को मौदहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया एवं एक की हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया तीसरे के मामूली चोटे होने पर प्राथमिक उपचार कर छुट्टी कर दी गई। जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे में सोमवार की सुबह तड़के इगोहटा निवासी अंशुमान सिंह (40) अपनी बोलोरो गाड़ी में गांव के ही कालका सोनकर एवं रणविजय को बोलोरो गाड़ी में सवार हो कर निजी ट्यूबवेल में फसल पानी लगाने के लिए जा रहे थे तभी मकराव और इगोहटा के बीच मौदहा बाईपास के पास कबरई की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दिया टक्कर के बाद बोलोरो गाड़ी घसीटता हुआ 30 मीटर तक ले गया बोलेरो गाड़ी सड़क से नीचे जा गिरी और वहां खड़े बबुल के पेड़ से टकरा गई जिसमें चालक बुरी तरह फस गया सुबह होते.होते वहां ग्रामीण एवं क्षेत्र के लोगों की अच्छी खासी भीड़ इकत्र हो गई आनंन फानन मशीनों द्वारा गाड़ी में फंसे चालक को गाड़ी काटकर निकाल कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने अंशुमान सिंह को मृत घोषित कर दिया कालका सोनकर के गंभीर चोटे होने पर प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया वहीं तीसरे किसान के मामूली चोटे होने पर प्राथमिक उपचार कर छुट्टी कर दी गई मृतक अंशुमन अपने पीछे पत्नी और एक बेटे को रोता बिलखता छोड़ गया मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था बड़े भाई का निधन पहले ही हो चुका है।

नवजात का भ्रूण मिलने से हड़कंप

मौदहा। हमीरपुर। थाना व कस्बा सिसोलर में नवजात शिशु का भ्रूण मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कस्बा सिसोलर के कटरा मोहल्ला में सोमवार की सुबह मुख्य मार्ग के किनारे एक नवजात शिशु का भ्रूण देखकर लोगों में हड़कंप मच गया तथा जितने लोग उतनी तरह की बातें शुरू हो गईं। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी जिस पर मौके में पहुंची थाना प्रभारी कल्पना सिंह ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिलाधिकारी ने की पीसीएस भर्ती परीक्षा तैयारियों की समीक्षा, दिये निष्पक्ष परीक्षा कराने के निर्देश

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस भर्ती परीक्षा 2024 के तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। बैठक में भौतिक रूप से केंद्रो के भ्रमणए पुलिसए कार्यदायी संस्थाए केंद्र पर नियुक्त समस्त कार्मिकोंए कंट्रोल रूम प्रभारी की तैयारियोंए सेक्टर मजिस्ट्रेट के कार्योंए कोषागार से केंद्र तक का रूट चार्टए सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटए स्टेटिक मजिस्ट्रेटए केंद्र व्यवस्थापक केंद्रए पुलिस द्वारा केंद्र का भ्रमण आदि के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों व केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा मे बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी। जिलाधिकारी ने सभी केंद्र व्यवस्थापको व अधिकारियों को आयोग द्वारा प्रेषित निर्देशिका पुस्तिका का भली भांति अध्ययन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा सकुशल शांतिपूर्ण संपन्न कराया जाए।बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 22 दिसंबर को दो पालियों ; प्रथम पाली प्रात: 9रू30 बजे से 11रू30बजे तकए द्वितीय पाली अपरान्ह 2रू30 बजे से 4रू30 बजे तकद्ध 04 परीक्षा केन्द्रों पर क्रमश: अकबरपुर इण्टर कालेज में 480 परीक्षार्थीए अकबरपुर डिग्री कालेज में 480 परीक्षार्थीए श्रीकृष्ण औद्योगिक इण्टर कालेज ए मोहम्मदपुर में 384 व राम स्वरूप ग्रामोद्योग इण्टर कालेज में 384 परीक्षार्थीए कुल 1728 परीक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ ससमय पूर्ण कर ली जाये। उन्होंने कहा कि केन्द्र व्यवस्थापक यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी परीक्षा केन्द्रों के कक्षों में साफसफाईए विद्युत व प्रकाशए शौचालयए पेयजलए सीसीटीवी आदि व्यवस्थाऐं दुरस्त रहे। इस दौरान लोक सेवा आयोग के प्रतिनिधि द्वारा भी सभी केन्द्र व्यवस्थापकों को परीक्षा से सम्बन्धित जारी विभिन्न निर्देशों से भी अवगत कराया गया।बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमारए समन्यवी पर्यवेक्षकए उ0प्र0ए लोक सेवा आयोगए प्रयागराजए मेघनन्दए अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेयए जिला विद्यालय निरीक्षक बृज भूषण चौधरी संबंधित अधिकारी गण सहित केन्द्र व्यवस्थापकए सह केंद्र व्यवस्थापक भी उपस्थित रहे।

22 दिसंबर को फतेहपुर के दस केंद्रों में होगी पीसीएस परीक्षा

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा0) परीक्षा को सकुशल निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु तैयारियों के संबंध में सेक्टर, स्टैटिक, जोनल मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। डीएम ने संबंधित अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि लोक सेवा आयोग के जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। इसके लिए आयोग की जारी गाइडलाइन का भलीभांति अध्ययन कर लें। उन्होंने कहा कि संबंधित तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं को देख ले। केन्द्र व्यवस्थाकों को निर्देशित किया कि अपने-अपने केन्द्रों में फर्नीचर, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय की साफ सफाई, शुद्ध पेयजल आदि की व्यवस्था परीक्षा के पूर्व कर लें। कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया कि परीक्षा केन्द्रों में समय से सीसीटीवी कैमरे, बायोमैट्रिक आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। साथ ही आयोग के निर्धारित मानक के अनुसार मैंनपावर की व्यवस्था समय से कर ले। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए रेलवे, बस स्टैंड में एक हेल्प डेस्क की व्यवस्था करने के निर्देश संबंधितों को दिए।

पुलिस क्षेत्राधिकारी यातायात, एआरटीओ, एआरएम रोडवेज आवश्यकतानुसार परिवहन व ट्रैफिक की व्यवस्था सुनिश्चित कर ले। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि प्रश्न पत्रों का उठान समय से आयोग द्वारा निर्धारित कलर कोड/परीक्षा केन्द्र कोड का मिलान कराते हुए समय से परीक्षा केन्द्रों में पहुंचाए, साथ ही आयोग के निर्धारित समय हैंडओवर, सील खोलने, पैकिंग आदि की वीडियोग्राफी अवश्य करवाए। स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्थाओं को देख ले। परीक्षा में तैनात सभी कर्मियों के परिचय पत्र अवश्य जारी कर दे। उन्होंने अपर पुलिस अधीक्षक से कहा कि आयोग के गाइड लाइन के अनुसार पुलिस बल की व्यवस्था कर दी जाये। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि लोक सेवा आयोग की पीसीएस परीक्षा 22 दिसंबर को जनपद के 10 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जा रहीं है। परीक्षा में कुल 4024 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो पालियों प्रथम पाली-प्रात: 09:30 से 11:30 एवं द्वितीय पाली की परीक्षा अपरान्ह 02:30 बजे से सायं 04:30 बजे तक आयोजित की

सात एम से छात्रों का हो सकता है पूर्ण विकास-डा.कश्यप

हमीरपुर। स्थानीय राजकीय बालिका इंटर कालेज में आज कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के तहत कैरियर मेला का आयोजन किया गया, जिसमे विद्यार्थियों को उनकी क्षमता के अनुसार कैरियर विकल्पों को बारे में जागरुक किया गया इस मौके पर योग शिक्षक व आयुष विंग के एक्सपर्ट डा. वृजेश कश्यप ने सात एम के बारे में छात्रों को प्रेरणादायक मंत्र दिया जिसे सभी ने भूरि भूरि प्रशंसा की है। डा कश्यप ने बताया कि सबसे पहले मुकाम की तलाश करनी चाहिये,इसके बाद सफलता के दूसरे पायदान में मन आता है यदि छात्र का मन स्थिर है तो वह अपने लक्ष्य को हरहाल में प्राप्त कर लेगा। इसके बाद मस्तिष्क,मेहनत ,माहौल,मनी सबसे आखिरी में आता है मुकद्दर। डा कश्यप ने बताया कि कड़ी मेहनत से छात्र अपने मुकाम को पाने में सफल हो सकता है। शिक्षा का माहौल होना चाहिये किसी भी कार्य के सफलता के लिये वहा का वातावरण व माहौल बहुत ही मायने रखता है। इसके बाद मनी यानी धन सफलता पाने के लिये धन की आवश्यकता होतीहै क्योकि भौतिक वस्तुएं धन सेही खरीदी जा सकती है। अंत में आता है मुकद्दर हालाकि भाग्य पर ज्यादा जोर नही देना चाहिये मगर सफलता के मूल मंत्र में मुकद्दर को भी जोड़ लिया गया है। छात्रों ने उनके बताये गये टिप्स को बहुत ही ध्यान से सुना और जमकर सराहना की। मेले का उद्घाटन डीएम व सीडीओ के द्वारा किया गया। इस मौके पर सभी उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

किसान व प्रबंधक के मामले में एसडीएम ने की गहन जांच

गुरसहायगंज, कन्नौज। विद्यालय प्रबंधक एवं किसान के बीच चले आ रहे विवाद की जांच करने पहुंचे छिबरामऊ एसडीएम ने निरीक्षण दौरान दोनों पक्षों से वार्ता की। वही किसान के पुत्र ने प्रबंधक पर शासन प्रशासन को गुमराह करने का आरोप लगाया।सोमवार को क्षेत्र के ग्राम खाडेदेवर पहुंचे छिबरामऊ एसडीएम उमाकांत तिवारी ने विद्यालय के निकट खोदी गई खाई का निरीक्षण किया। इस दौरान किसान इरशाद अली ने एसडीएम को बताया कि विद्यालय सहित आसपास की भूमि कई वर्ष पूर्व खनन की हुई है और विद्यालय में भी चारों ओर अंडरग्राउंड इमारत बनी हुई है। इसलिए उसने अपनी जगह में अंडरग्राउंड भवन का निर्माण कराने के लिए अपनी भूमि को खुदवाया है। वहीं किसान के पुत्र रजाउल अली ने बीते दिन उप जिलाधिकारी को भेजे गए शिकायती पत्र में संस्था द्वारा कपास, गुलाब आदि की खेती करने के नाम पर स्टांप चोरी कर जगह का बैनामा ग्राम खाडेदेवर में कराया है जबकि विद्यालय की मान्यता मोहल्ला रामगंज के नाम से ली गई है जो कि नियम विरुद्ध है। फिलहाल मामला एसडीएम के पाले में है।

पुलिस नें बैंकों के अंदर और बाहर चलाया चेकिंग अभियान

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में छिबरामऊ सीओ ओमकार नाथ शर्मा ने थाना छिबरामऊ क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न बैंकों के अंदर एवं बाहर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान उन्होनें मुख्य द्वार, सीसीटीवी कैमरे, नकद काउंटर, लॉकर रूम और गार्ड व्यवस्था का जायजा लिया। साथ प्रबन्धक से बैंक की सुरक्षा के संबन्ध मे वार्ता की। सोमवार को निरीक्षण के दौरान छिबरामऊ सीओ ओमकार नाथ शर्मा ने बैंक प्रबंधक से कहा कि दौरान बैंक के अलार्म सिस्टम की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए ताकि किसी आपात स्थिति में वह सही ढंग से काम करे। साथ ही बैंक की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता बनाने के निर्देश दिए। सीओ ने बताया कि वर्तमान समय में बैंक अपराधों की घटनाएं बढ़ रही हैं इसलिए बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। चेकिंग अभियान के अंत में सीओ ने आम जनता से भी अपील की कि वे किसी को खाते की गोपनियता न बतायें और बैंक से जुड़े किसी भी संदेहास्पद व्यक्ति या गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस या बैंक प्रबंधन को सूचित करें।

ऐतिहासिक ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड परियोजना पूरी की

कानपुर। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के लिए अपने परियोजना की सफलतापूर्वक पूर्णता की घोषणा की है। कंपनी को समापनस्थापना प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है जो भारतीय रेलवे के साथ उसकी साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।इस व्यापक परियोजना में कई महत्वपूर्ण इंस्टॉलेशन शामिल थे, जिनमें इंदौर में पांच.लाइन ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड का प्रतिस्थापन, नीमच प्लेटफॉर्म 2 पर नए सीजीडीबी के साथ.साथ एमईए के तहत 33 स्टेशनों पर सूचना डिस्प्ले बोर्ड और जीपीएस क्लॉक का प्रावधान, सात स्टेशनों पर सूचना डिस्प्ले बोर्ड का प्रतिस्थापन शामिल था।ये इंस्टॉलेशन एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स की भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और यात्री सुविधा को अत्याधुनिक डिजिटल डिस्प्ले समाधानों के माध्यम से बढ़ाने की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। इस उपलब्धि पर सीईओ रक्षित माथुर ने कहाए ष्हम इस महत्वपूर्ण परियोजना को समय पर और भारतीय रेलवे की संतुष्टि के अनुसार पूरा करने पर प्रसन्न हैं। यह उपलब्धि हमारे ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार नवोन्मेषी और विश्वसनीय समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

खराब सड़क से आवागमन में परेशानी

रसूलाबाद कानपुर देहात। दर्जन भर गांवों को जिला मुख्यालय माती व कानपुर शहर से जोड़ने वाली सड़क का बुरा हाल हो गया है। पिछले 10 वर्ष से किसी भी जिम्मेदार जनप्रतिनिधि ने इस सड़क की ओर ध्यान नहीं दिया। जिसके चलते लोगों को आवाजाही में काफी दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत कुशलपुरवा ग्राम पंचायत से पितान पुर्वा से होते हुए मधुनिवादा से कानपुर. बेला संपर्क मार्ग पर जाना अब मुश्किल हो गया है। पितानपुरवा से कुशल पुरवा गांव के बीच करीब 10 वर्ष पूर्व ऊसर सुधार द्वारा डामर रोड सड़क का निर्माण कार्य हुआ था।जिसके बाद सड़क उखड़ने पर करीब 2 वर्ष बाद मरम्मत का कार्य हुआ। वहीं तब से 10 वर्ष हो गए हैं। इसके बाद सड़क की सुध ही नहीं लीएउक्त सड़क पर डामर और महीन गिट्टी तो छोड़ दीजिए अब बोल्डर भी उखड़कर सड़क से हटने लगा है। कुशल पुरवा निवासी यदुनाथ सिंहए महेशए रामबाबूएशेषनारायणए विश्वनाथएरामनारायण व पितानपुरवा के रहने वाले विसर्जनए बलवीरए महेशएशिवलाल ने बताया कि कई बार क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को उक्त समस्या के बारे में मौखिक व लिखित रूप में बताया गया। बावजूद इसके इस सड़क का निर्माण नहीं हुआ।आलम यह है कि हम लोगों को सड़क पर चलने में काफी असुविधा और मशक्कत उठानी पड़ती है। उक्त संदर्भ में ग्राम प्रधान हीकेपुर मनोज कुमार ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व की सरकार में सड़क का निर्माण हुआ इसके बाद किसी भी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ने उक्त सड़क के निर्माण को लेकर विचार नहीं किया। सर्व समाज के लोगों का इस क्षेत्र में निवास है। इसके साथ ही जिला मुख्यालय माती को जाने के लिए इस क्षेत्र के ग्राम पितानएमधु निवादाएअसालतगंजए मऊएगोपालपुर एमकरंदपुरए शहबाजपुर सहित अन्य गांव के लोगों का आवागमन होता है। साथ ही कानपुर बेला संपर्क मार्ग से मधु निवादा कुशल पुरवा होते हुए यह मार्ग प्रसिद्ध इटैली झील मार्ग को जोड़ता है । इसके बावजूद जिम्मेदारों द्वारा इस रोड को लेकर मनमानी और अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क की समस्याओं को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों को पत्र लिख चुके हैं आगे भी लिखकर शिकायत करेंगे।

विजय दिवसः नेताजी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

फतेहपुर। विजय दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के संयोजकत्व व चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में सुभाष चौक में आजीवन सदस्यों ने एकत्रित होकर नेता जी सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कैंडल जलाई। विजय दिवस 16 दिसंबर 1971 को युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है। इस युद्ध के अंत के बाद 93000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था। सभी आजीवन सदस्य भारत जिंदाबाद, भारत माता की जय का उद्घोष कर रहे थे। इस अवसर पर आजीवन सदस्य संजय श्रीवास्तव, सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, सुरेश कुमार श्रीवास्तव, सर्वेश अग्रहरि, अर्जुन गुप्ता, अनिल गुप्ता, चैतन्य कुमार सहित सीताराम यादव, राकेश मौर्य, अतुल गुप्ता, रमेश मौर्य उपस्थित रहे।गोला गोकर्णनाथ खीरी। केन ग्रोवर्स महाविद्यालय गोला गोकर्णनाथ में प्रबंध समिति का चुनाव गोला विधायक अमन गिरी की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। जिसमें सर्व सम्मति से श्रीमती चरनजीत कौर को प्रबंधक एवं श्री ब्रजकिशोर को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। जबकि श्रीमती बिना सिंह को अध्यक्ष और श्रीमती सिमा वर्मा को उपाध्यक्ष के रूप में पहले ही चुना जा चुका है। विधायक अमन गिरी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 पंकज सिंह ने नवनिर्वाचित प्रबंधक व कोषाध्यक्ष को पुष्पगुछा देकर कार्यभार ग्रहण कराकर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि महाविद्यालय के इतिहास में यह पहला अवसर है जब अध्यक्षए उपाध्यक्षए प्रबंधक का नेतृत्व मातृशक्ति के द्वारा किया जाएगा। बैठक में महाविद्यालय के सौंदर्यीकरणए रंग रोगन हेतु 80 लाख रु0 की धनराशि भी स्वीकृत हुई जिससे महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों व क्षेत्र के नए छात्रों को प्रवेश लेने के लिए महाविद्यालय लुभावन होगा बैठक के बाद महाविद्यालय में विधायक अमन गिरी एवं प्रबंध समिति के द्वारा वृक्षरोपित किये गए।

पार्टी संगठन को मज़बूत करने के लिए सक्रिय रहें सपा पदाधिकारी : श्यामलाल

संडीला;हरदोईद्ध। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के हरदोई जाते हुए संडीला पहुंचने पर क्षेत्रीय सपा नेताओं ने उनका ज़ोरदार स्वागत किया। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पालए अल्पसंख्यक सभा प्रदेश अध्यक्ष शकील नदवीए पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यपए उपाध्यक्ष सीएल वर्मा के बेगमगंज स्थित सपा कार्यालय पर पहुंचते ही वहां मौजूद सपा नेताओं अभिषेक दीक्षित एडवोकेटए आरपी यादव आदि ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। अपने संक्षिप्त संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सभी सपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी संगठित होकर जनसमस्याओं के निराकरण के लिए और अधिक सक्रियता से प्रयास करें। साथ ही साथ पार्टी संगठन को मज़बूत करने और बूथ कमेटियों के संबंध में सारी आवश्यक कार्रवाई कर लें क्योंकि 2027 में जनता का जनादेश सपा के पक्ष में ही आने जा रहा है। इस अवसर पर सपा नेता राजू अंसारीए बब्लू अनुपम अग्निहोत्री समेत तमाम सपा के स्थानीय नेतागण मौजूद रहे।

आमने.सामने टकराईं दो बाइकेंए एक मरा तीन घायल

संडीला। दो बाइको में आमने.सामने टक्कर हो गयीए जिससे एक बाइक सवार की मौत हो गयी जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। यह सड़क दुर्घटना थाना कासिमपुर के अंतर्गत मांडर सरेहरी मार्ग पर हुई। बताया गया है कि ग्राम अटुका निवासी 25 वर्षीय अंकुल गांव के ही रहने वाले 19 वर्षीय मोहित तथा 15 वर्षीय अभिनंदन के साथ बाइक से ग्राम देवारी की बाज़ार गया था। वहां से वापस लौटते समय जब वह सरेहरी मार्ग पर पहुंचा तो सामने से आ रहे बहलोलपुर निवासी 35 वर्षीय बउआ की मोटरसाइकिल से सीधी टक्कर हो गयीए जिससे दोनों बाइकों पर सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों को उठाकर सीएचसी बेंहदर लाया गया जहां डॉक्टरों ने अंकुल को मृत घोषित कर दिया। शेष तीनों घायलों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्ज़े में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

हाईटेक होगी खेती-एग्रीकल्चर ड्रोन के इस्तेमाल से किसानों को फायदा होगा और बढ़ेगा रोजगार

लखीमपुर खीरी। ड्रोन तकनीकी से किसानों को जोड़कर उनकी दक्षताए पैदावार बढ़ाने और लागत में कमी लाने के उद्देश्य से सोमवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने कलेक्ट्रेट में ष्नमो ड्रोन दीदी योजनाष् की क्रियान्वयन हेतु अफसरों की बैठक ली।रणनीति बनाकर काम करनेए कृषि क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बनाने के निर्देश दिए। बैठक का संचालन डीडी कृषि अरविंद मोहन मिश्रा ने किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि कृषि ड्रोन खेती के आधुनिक उपकरणों में से एक हैए जिसके इस्तेमाल से किसानों को काफी मदद मिल सकती है। ड्रोन से बड़े क्षेत्रफल में महज कुछ मिनटों में नैनो उर्वरकएकीटनाशक या दवाओं का छिड़काव किया जा सकता है। इससे न सिर्फ लागत में कमी आएगीए बल्कि समय की बचत भी होगी। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि सही समय पर खेतों में पोषक तत्व एवं कीट प्रबंधन किया जा सकेगा। सरकार कृषि क्षेत्र में तकनीक के उपयोग को बढ़ावा दे रही हैए ताकि बेहतर उपज के साथ.साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो। कृषि में इस नवीनतम प्रयोग से किसानों की दक्षता और पैदावार बढ़ेगी। लागत में कमी आएगी। सीडीओ ने डीसीओ वेद प्रकाश सिंह को निर्देशित किया कि व्यापक स्तर पर जिले के गन्ना किसानों को इस तकनीक के फायदे बताकर इस तकनीकी से किसानों को जोड़े और उन्हें समृद्ध बनाएं। इसमें जिले की चीनी मिलों को लक्ष्य देकर उनका अपेक्षित सहयोग प्राप्त करें। इफको के फील्ड ऑफिसर को निर्देशित किया कि कृषि ड्रोन तकनीकी का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराए। डीसी एनआरएलएम को समूह की महिलाओं को इससे जोड़कर उनके जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाएं। डीडी कृषि ने कहा कि ड्रोन तकनीक से नैनो उर्वरकों और कीटनाशकों के सटीक अनुप्रयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती हैए जिससे पारंपरिक कृषि पद्धतियों में बदलाव आता है। उन्नत जीपीएस और सेंसर तकनीक से लैसए ड्रोन को खेतों में सटीक उड़ान पथों का पालन करनेए समान और लक्षित अनुप्रयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रोग्राम किया जा सकता है । यह परिशुद्ध रसायनों के अत्यधिक उपयोग को कम करती हैए पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करती है और किसानों के लिए कृषि की लागत कम करती है। बैठक में डीडीओ अरविंद कुमारए डीडी कृषि अरविंद मोहन मिश्रए एआरसीएस रजनीश कुमार सिंहए एलडीएम अजय कुमार पाण्डेयए डीएचओ मृत्युंजय कुमार और इफको से प्रतिनिधि मौजूद रहे।महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में गन्ना सहकारी समिति ने रचा इतिहास।

एनएसडीसी ने ईओएन रियलिटी के साथ रणनीतिक साझेदारी की

वाराणसी। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम ने भारत के स्किल डेवलपमेन्ट लैंडस्केप को फिर से परिभाषित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुएए एआई.ड्रिवन इमर्सिव एजुकेशन में अंतरराष्ट्रीय लीडर ष्ईओएन रियलिटीष् के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। इस साझेदारी का उद्देश्य है कि लाखों भारतीयों के लिए 21वीं सदी के महत्वपूर्ण कौशल हासिल करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सके। वर्कफोर्स रेडीनेस के लिए एनएसडीसी के नेशनल मैन्डेट को ईओएन रियलिटी की स्पैटियल एआई और एक्सटेन्डेड रियलिटी ;एक्सआरद्ध तकनीक के साथ जोड़करए यह साझेदारी लर्निंग में प्रभावशाली रूप से तेजी लानेए नॉलेज रिटेन्शन में सुधार करने और भारत के वर्कफोर्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के उद्देश्य के साथ की गई है।

पायनियर

लखनऊ, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024

नेहरू के पत्रों को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय को लौटा दें सोनिया गांधीः भाजपा

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से कहा कि उन्हें भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की ओर से विभिन्न हस्तियों को लिखे गए पत्रों को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय को लौटा देना चाहिए क्योंकि ऐतिहासिक दस्तावेज देश की संपत्ति होते हैं न कि किसी की निजी संपत्ति। भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय की ओर से लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी से किए गए उस संवाद का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि भारत में अंतिम ब्रिटिश वायसराय की पत्नी एडविना माउंटबेटन और प्रतिष्ठित नेताओं जयप्रकाश नारायण और जगजीवन राम के साथ नेहरू के पत्राचार के रिकॉर्ड पूर्ववर्ती नेहरू म्यूजियम एंड लाइब्रेरी सोसाइटी में थे, जिसने उन्हें 2008 में सोनिया गांधी को लौटा दिया था। पात्रा ने इससे पहले लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया था, लेकिन केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने यह कहते हुए जवाब देने से इनकार कर दिया कि उनका प्रश्न पहले से प्रस्तुत लिखित प्रश्न से संबंधित नहीं है। मंत्री ने यह भी कहा था कि सदस्य ने जो सुझाव दिया है, उस पर विचार किया जाएगा। नेहरू संग्रहालय का विस्तार सभी प्रधानमंत्रियों के स्मारकों को शामिल करने के लिए किया गया था और केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद इसका नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय रखा गया था। पात्रा ने संवाददाताओं को बताया कि नेहरू के पत्राचार के 51 बक्से संग्रहालय के तत्कालीन निदेशक की मंजूरी के बाद सोनिया गांधी को दिए गए थे। उन्होंने बताया कि कानूनी राय के बाद पीएमएमएल के 29 सदस्यों में से एक रिजवान कादरी ने हाल में लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी को पत्र लिखकर कागजात संग्रहालय के संरक्षण में बहाल करने में उनकी मदद मांगी है। भाजपा नेता ने कहा कि कादरी को अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए पात्रा ने कहा कि यह व्यक्तिगत संपत्ति नहीं है बल्कि ऐतिहासिक दस्तावेज भारत के खजाने का हिस्सा हैं।

कांग्रेस में अनुच्छेद 370 पर कार्रवाई करने का साहस नहीं था: राज्यसभा में हरदीप पुरी

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने कश्मीर के संबंध में संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और एक अस्थाई प्रावधान को स्थाई रूप दे दिया क्योंकि उसमें कार्रवाई करने का साहस नहीं था। भारत के संविधान की 75 साल की गौरवशाली यात्रा विषय पर राज्यसभा में अपने संबोधन में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने कांग्रेस की आलोचना की जिसमें कश्मीरी पंडितों और सिख विरोधी दंगों का भी उल्लेख था।

पुरी ने अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान में यह एकमात्र प्रावधान था जिसका मसौदा बाबासाहेब आंबेडकर की नजरों से नहीं गुजरा था। उन्होंने कहा कि जब संविधान सभा ने अनुच्छेद 370 (तब संख्या 306 ए) पारित किया, आंबेडकर चुप रहे।उन्होंने कहा कि यहां तक कि सरदार पटेल भी शेख अब्दुल्ला और उनके सहयोगियों को दी गई छूट से हैरान थे। उन्होंने कहा कि संविधान के इस अनुच्छेद को निरस्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अदम्य साहस और संकल्प की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि हालांकि इसके अस्थाई होने की बात कही गई थी लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति ने वास्तव में इसे स्थाई बना दिया।उन्होंने दावा किया कि पुरजोर विरोध के बावजूद संविधान में एक विशेष प्रावधान शामिल किया गया क्योंकि शेख अब्दुल्ला की स्वायत्तता की मांग को उनके प्रिय मित्र पंडित जवाहरलाल नेहरू ने समर्थन दिया था। पुरी ने कहा कि शेख अब्दुल्ला को लिखे एक पत्र में आंबेडकर ने उन्हें दीर्घकालिक परिणामों की चेतावनी दी थी और उन्होंने लिखा था, आप पंडित नेहरू को गलत सलाह दे रहे हैं।

पुरी ने शेख अब्दुल्ला को लिखे आंबेडकर के पत्र का हवाला देते हुए कहा, कश्मीर को विशेष दर्जा देकर आप कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से अलग कर रहे हैं। नतीजतन, जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक विकास या रोजगार के अवसर नहीं होंगे। मैं आपके प्रयासों का हिस्सा नहीं बनूंगा।उन्होंने कहा, कांग्रेस ने कश्मीर के संबंध में संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, जो एक अस्थाई प्रावधान था, वह करीब 70 साल तक स्थाई रूप में रहा क्योंकि कांग्रेस में कार्वाई करने का साहस नहीं था। पुरी ने अनुच्छेद 370 को भारत के संवैधानिक निकाय की राजनीति में एक विसंगति करार दिया और कहा कि यह भारत के मूल विचार के खिलाफ था। जम्मू-कश्मीर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऋषि कश्यप के समय से भारत के इतिहास में विशेष महत्व रखने वाली भूमि आजादी के बाद भारत के लिए लगभग पराया हो गई, जबकि इसके निवासियों को बाकी देशवासियों के समान मौलिक अधिकार नहीं मिले। उन्होंने कहा कि उनके पास कोई अधिकार नहीं थे, शिक्षा भी नहीं और कोई नौकरी तक नहीं था। पुरी ने कहा, जम्मू-कश्मीर के प्रतिनिधि होने का दावा करने वाले दलालों के उद्योग ने पथराव और भ्रष्टाचार की संस्कृति को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाएं पूर्ववर्ती राज्य में लागू नहीं हों सकीं। पुरी ने कहा कि कश्मीरी पंडितों को नरसंहार जैसे हालात का सामना करना पड़ा और उन्हें भागने के लिए मजबूर किया गया, जबकि जो लोग रुके हुए थे उन्हें उनके घरों से बाहर खींच लिया गया और बेरहमी से हत्या कर दी गई।उन्होंने कहा, संविधान के सुरक्षा कवच होने की काफी चर्चा होती रही है। क्या ए कश्मीरी पंडित अल्पसंख्यक के लिए नहीं था? उन्होंने कहा, तब यह संवैधानिक ढाल कहां थी? वह न्याय तब कहां था जब कश्मीरी पंडितों को करीब 5000 साल की उनकी मातृभूमि से खदेड़ दिया गया था।

पुरी ने कहा, क्या वे हमसे यह भूलने की उम्मीद करते हैं कि उन्होंने 1976 में पुरानी दिल्ली में मुस्लिम पुरुषों की जबरन नसबंदी के लिए शिविर चलाए थे? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सांप्रदायिक दंगे करवाए, जिसमें कई मुस्लिम भाइयों और बहनों ने अपनी जान गंवाई।पुरी ने कहा कि कांग्रेस ने शाह बानो मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को पलट दिया क्योंकि उन्हें लगा कि यह मुस्लिम समुदाय के कट्टरपंथी तत्वों को अपील कर सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए अल्पसंख्यकों का कल्याण सिर्फ तुष्टिकरण का नारा है और दूसरी ओर मोदी सरकार के लिए यह प्रत्एक नागरिक के समावेशी विकास के बारे में है।

समाजवादी पार्टी ने किसानों का कर्ज माफ करने की केंद्र से मांग की

नई दिल्ली (भाषा)। समाजवादी पार्टी ने केंद्र पर किसानों के प्रति उदासीन रवैया अपनाने का सोमवार को आरोप लगाया और किसानों का कर्ज माफ करने की मांग की। समाजवादी पार्टी के लालजी वर्मा ने वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच पर लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि जब तक देश के अन्नदाता की स्थिति अच्छी नहीं होगी तब तक देश की भी हालत अच्छी नहीं होगी। उन्होंने सरकार पर फसल बीमा कंपनियों से सांठगांठ का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने ऐसे तरीके अपनाए हैं, जिससे बीमा कंपनियों को फसल नुकसान की स्थिति में किसानों को कुछ देना न पड़े, बल्कि उन्हें केवल लाभ ही लाभ प्राप्त हो। उन्होंने किसानों की ऋण माफी की लंबित मांग का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने बड़ी कंपनियों के 18 लाख करोड़ रुपए माफ कर दिए हैं, लेकिन किसानों का ऋण माफ नहीं किया जा सका है।

वर्मा ने कहा कि किसान परेशान हैं, डीएपी जैसे उर्वरक पर सब्सिडी की आवश्यकता है, लेकिन दाम बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की लड़ाई लड़ रहा है। हमारे अन्नदाता की हालत अच्छी नहीं होगी तो देश की (भी) हालत अच्छी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि किसान की फसल लागत कम करना जरूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो पा रहा है, कम बजट में विद्युत कनेक्शन नहीं मिल पा रहा है। अनुदानों की अनुपूरक मांगों के बारे में उन्होंने कहा कि बजट को लेकर सरकार की तैयारी इतनी अच्छी नहीं रही, अन्यथा कुछ ही महीनों में अनुपूरक मांग की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजनीतिक गठबंधन (राजग) सरकार का बजट अच्छा नहीं होने के कारण देश में आर्थिक असमानता बढ़ रही है। समाजवादी पार्टी के ही सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डीएपी की भारी किल्लत है और किसान लाठी खाने को मजबूर हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद गुरमीत सिंह मीत हायर ने कहा कि सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की किसानों की मांग स्वीकार करनी चाहिए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के सांसद राजाराम सिंह ने कहा कि सरकार को उन वादों को पूरा करना चाहिए, जो उसने किसानों के साथ किए हैं।

बांग्लादेश की जेल में बंद हिन्दू संत के वकील रवींद्र घोष इलाज के लिए कोलकाता पहुंचे

कोलकाता(भाषा)। बांग्लादेश की जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास का बचाव कर रहे प्रमुख बांग्लादेशी वकील रवींद्र घोष अपने इलाज के लिए इस समय कोलकाता के पास बैरकपुर में हैं। घोष के बेटे ने सोमवार को यह जानकारी दी। रवींद्र घोष अपनी पत्नी के साथ रविवार शाम को भारत पहुंचे और वह अपने बेटे राहुल घोष के साथ रह रहे हैं। भारत में पले-बढ़े राहुल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ कई वर्षों से पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में रह रहे हैं। राहुल घोष ने पीटीआई-भाषा से कहा, मेरे पिता कल शाम मेरी मां के साथ यहां आए और फिलहाल हमारे साथ रह रहे हैं। वह तीन साल पहले एक दुर्घटना का शिकार हुए थे और इलाज के लिए वह अक्सर भारत आते रहते हैं। राहुल ने अपने पिता की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और उनसे कुछ समय के लिए भारत में ही रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैंने अपने पिता से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश वापस न लौटें और कुछ समय के लिए हमारे साथ ही रहें लेकिन वह चिन्मय दास प्रभु के मामले में उनकी पैरवी करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं और इसलिए वह अपनी बात पर अड़े हुए हैं और वापस जाना चाहते हैं। हम उनकी सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को इस महीने की शुरुआत में एक रैली के लिए चटगांव जाते समय ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया गया था। बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और दो जनवरी तक जेल भेज दिया। चिन्मय का सक्रिय रूप से बचाव कर रहे रवींद्र घोष ने पहले कहा था, चूंकि मैं चिन्मय दास प्रभु का बचाव कर रहा हूं, इसलिए मुझे पता है कि मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा सकते हैं और मेरी जान को भी खतरा है।

किसानों को फसल कटाई बाद कर्ज देने के लिए 1,000 करोड़ की ऋण गारंटी योजना

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक वेयरहाउस रसीदों का लाभ उठाकर किसानों को फसल कटाई के बाद कर्ज उपलब्धता में सुगमता सुनिश्चित करने के 1,000 करोड़ रुपए की ऋण गारंटी योजना शुरू की। इस योजना का उद्देश्य भंडारगृह विकास एवं नियामक प्राधिकरण (डब्ल्यूडीआरए) पंजीकृत रिपॉजिटरी द्वारा जारी इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेयरहाउस रसीदों (ई-एनडब्ल्यूआर) के बदले ऋण देने में बैंकों की अरुचि को कम करना है। योजना के शुभारंभ पर मंत्री ने कहा, हमने 1,000 करोड़ रुपए का एक कोष प्रदान किया है। इसका उद्देश्य बैंकों को उदार दृष्टिकोण के साथ ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करना है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने विस्तार की महत्वपूर्ण संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में फसल-उपरांत ऋण 21 लाख करोड़ रुपए के कुल कृषि ऋण में से मात्र 40,000 करोड़ रुपए है। वर्तमान में ई-एनडब्ल्यूआर के तहत ऋण मात्र 4,000 करोड़ रुपए है। चोपड़ा ने कहा, हमें उम्मीद है कि अगले 10 साल में फसल के बाद के कामकाज के लिए ऋण बढ़कर 5.5 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बैंकिंग और वेयरहाउसिंग क्षेत्रों के समन्वित प्रयासों से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। सचिव ने ई-किसान उपज निधि ऑनलाइन मंच को सुव्यवस्थित करने, किसानों के बीच गारंटीशुदा वित्तपोषण के बारे में जागरूकता पैदा करने, डिपॉजिटरी शुल्क की समीक्षा करने और मौजूदा 5,800 से आगे वेयरहाउस पंजीकरण बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम में खाद्य और उपभोक्ता मामलों के राज्यमंत्री बी एल वर्मा और निमूबेन जयंतीभाई बांभनिया भी मौजूद थीं। डब्ल्यूडीआरए की चेयरपर्सन अनीता प्रवीण ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

स्विट्जरलैंड के फैसले का ईएफटीए-भारत समझौते पर असर नहीं होगा: वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली(भाषा)। सरकार ने सोमवार को कहा कि दोहरे कराधान से बचाव के समझौते में सर्वाधिक तरजीही देश (एमएफएन) का प्रावधान निलंबित करने के स्विट्जरलैंड के फैसले का भारत और ईएफटीए समूह के बीच व्यापार समझौते में जताई गई प्रतिबद्धताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। स्विट्जरलैंड सरकार ने भारत को दिया गया एमएफएन दर्जा पिछले हफ्ते निलंबित कर दिया। इस कदम से भारत में स्विस निवेश प्रभावित होने और वहां पर सक्रिय भारतीय कंपनियों पर अधिक कर लगाए जाने की आशंका बढ़ी है। स्विट्जरलैंड चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए का भी हिस्सा है जिसने भारत के साथ मार्च में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्यों में आइसलैंड, लीकटेंस्टीन और नॉर्वे भी शामिल हैं। स्विट्जरलैंड इस समूह में शामिल देशों में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने एमएफएन दर्जा निलंबित किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, ईएफटीए पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारत के साथ मार्च में हुए व्यापार समझौते के तहत ईएफटीए देशों ने 100 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता जताई थी। वहीं भारत ने स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे एवं पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर आयात की अनुमति दी थी। हालांकि, भारत और ईएफटीए समझौते को अभी लागू किया जाना बाकी है। इसके साथ ही बर्थवाल ने कहा कि ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत का सिलसिला अगले साल जनवरी में दोबारा शुरू करने का सुझाव दिया है। प्रस्तावित एफटीए पर दोनों देशों के बीच बातचीत जनवरी, 2022 में शुरू हुई थी। इस साल दोनों देशों में आम चुनाव होने की वजह से 14वें दौर की बातचीत थम गई थी। वाणिज्य सचिव ने कहा, ब्रिटेन जनवरी में बातचीत शुरू करना चाहता है। हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां जाएगा। हम उन सभी मुद्दों को उठाएंगे, जहां हमने छोड़ा है। इसकी तारीख तय होने का काम जारी है।

नवंबर में निर्यात 4.85 प्रतिशत घटा, व्यापार घाटा 37.84 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली (भाषा)। देश से वस्तुओं का निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर 4.85 प्रतिशत घटकर 32.11 अरब डॉलर रह गया है। वहीं सोने के आयात में रिकॉर्ड उछाल के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 37.84 अरब डॉलर के अबतक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर महीने में वनस्पति तेल, उर्वरक और चांदी की आवक अधिक रहने से आयात सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 69.95 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। समीक्षाधीन माह में 14.8 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया गया जो अबतक सर्वाधिक आंकड़ा है। एक साल पहले नवंबर, 2023 में स्वर्ण आयात 3.5 अरब डॉलर रहा था। कुल मिलाकर, चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान देश का निर्यात 2.17 प्रतिशत बढ़कर 284.31 अरब डॉलर हो गया जबकि आयात 8.35 प्रतिशत बढ़कर 486.73 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान के दौरान निर्यात एवं आयात के बीच का अंतर यानी व्यापार घाटा बढ़कर 202.42 अरब डॉलर हो गया। साल भर पहले की समान अवधि में यह 170.98 अरब डॉलर था। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने इन आंकड़ों पर कहा कि पेट्रोलियम कीमतों में उतार-चढ़ाव से निर्यात पर असर देखा जा रहा है। पिछले महीने पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात लगभग 50 प्रतिशत गिरकर 3.71 अरब डॉलर रह गया। चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों में भी पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 19 प्रतिशत घटकर 44.6 अरब डॉलर रह गया। हालांकि, बर्थवाल ने कहा कि गैर-तेल निर्यात में अब भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है और सेवा क्षेत्र को मिलाकर वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक कुल निर्यात 800 अरब डॉलर के पार ले जाने में इससे मदद मिलेगी। वाणिज्य सचिव ने व्यापार घाटा और आयात का आंकड़ा बढ़ने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि किसी को इसके बारे में चिंतित नहीं होना चाहिए क्योंकि देश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, इस वजह से आयात के लिए हमारी मांग अधिक होगी। जब तक हमारा निर्यात और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं, वे हमारे आयात को वित्तपोषित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वाणिज्य मंत्रालय निर्यात को और बढ़ावा देने के लिए 20 देशों और सूचना प्रौद्योगिकी एवं संबद्ध सेवाओं जैसी छह सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इन 20 देशों में निर्यात बढ़ाने की बहुत संभावना है और इसका लाभ उठाने के लिए मंत्रालय विदेशों में भारतीय दूतावासों के संपर्क में है।

संभल के मंदिर को खोले जाने के बाद उसके कुएं से मिली तीन क्षतिग्रस्त मूर्तियां

संभल (भाषा)। संभल जिले में 46 वर्षों तक बंद रहने के बाद पिछले सप्ताह खोले गए भस्म शंकर मंदिर के कुएं में तीन खंडित मूर्तियां मिली हैं। अधिकारियों ने सोमवार यह जानकारी दी। श्री कार्तिक महादेव मंदिर (भस्म शंकर मंदिर) को 13 दिसंबर को पुन: खोल दिया गया था, जब अधिकारियों ने कहा था कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान उन्हें यह ढांचा मिला था। मंदिर में भगवान हनुमान की मूर्ति और शिवलिंग स्थापित था। यह 1978 से बंद था। मंदिर के पास एक कुआं भी है जिसे अधिकारियों ने फिर से खोलने की योजना बनाई थी।

संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने पत्रकारों से कहा, प्राचीन मंदिर और जो कुआं हमें मिला है, उसकी खुदाई की जा रही है। पेंसिया ने कहा, करीब 10 से 12 फीट खुदाई की गई है। इस दौरान आज सबसे पहले पार्वती जी की मूर्ति मिली, जिसका सिर टूटा हुआ मिला, फिर गणेश जी और मां लक्ष्मी जी की मूर्तियां मिलीं। यह पूछे जाने पर कि क्या मूर्तियों को तोड़कर अंदर रखा गया था, उन्होंने कहा कि यह सब जांच का विषय है। उन्होंने कहा, मूर्तियां अंदर कैसे गईं? क्या हुआ और क्या नहीं हुआ, यह विस्तृत जांच के बाद पता चलेगा।

मंदिर के आसपास अतिक्रमण के सवाल पर उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने खुद ही अतिक्रमण हटा लिया है, कुछ से अनुरोध किया गया है, आगे की प्रक्रिया अपनाई जाएगी और फिर नगरपालिका के माध्यम से इसे हटाया जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या मंदिर का सौंदईकरण भी किया जाएगा, उन्होंने कहा कि पहले मंदिर की प्राचीनता सुनिश्चित की जाएगी। इससे पहले मौके पर मौजूद संजीव शर्मा ने बताया था कि कुंए में देवी लक्ष्मी की एक क्षतिग्रस्त मूर्ति मिली है। उनके अनुसार देवी पार्वती की भी एक मूर्ति मिली है। सतेंद्र कुमार सिंह ने कहा था कि पार्वती की मूर्ति कुएं में 15-20 फुट की गहराई पर मिली।

यह मंदिर खग्गू सराय इलाके में स्थित है, जो शाही जामा मस्जिद से सिर्फ एक किलोमीटर दूर है। इस मस्जिद में 24 नवंबर को अदालत के आदेश पर किए गए सर्वे के दौरान विरोध प्रदर्शन होने पर हिंसा हुई थी। जिला प्रशासन ने कुंए और मंदिर की कार्बन डेटिंग के वास्ते भारतीय पुरात्व सर्वे को पत्र लिखा है। कार्बन डेटिंग प्राचीन स्थलों से मिली पुरातात्विक कलाकृतियों के काल निर्धारण की एक प्रविधि है। प्रशासन ने कहा कि भक्तों ने मंदिर में जाना शुरू कर दिया है और इसकी चौबीसों घंटे सुरक्षा की जा रही है। पेंसिया ने कहा था, यह कार्तिक महादेव का मंदिर है। यहां एक कुआं मिला है। यह अमृत कूप है। यहां सुरक्षा गार्ड स्थाई रूप से तैनात किए गए हैं और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। मंदिर में पूजा भी शुरू हो गई है। यहां अतिक्रमण है, जिसे हटाया जा रहा है।

इसबीच संभल के 46 साल बाद खुले भस्मा शंकर मंदिर में रविवार देर शाम पूजा अर्चना करने आए भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह ने पत्रकारों से कहा, 46 साल बाद यह मंदिर खुलने से हमारे हिन्दू समाज में उत्साह है। आज मैंने आकर पूजा -पाठ किया और हनुमान चालीसा पढ़ा और उसके लिए मैं प्रशासन का धन्यवाद देना चाहूंगा। उन्होंने कहा, सम्भल का सच बाहर आना चाहिए। सम्भल का सच पूरे देश के सामने आना चाहिए कि कैसे संभल के हिंदुओं का पलायन हुआ, कैसे संभल के लोग यहां से जाने के लिए मजबूर हुए। उन्होंने कहा कि यह मंदिर इस बात का बहुत बड़ा प्रमाण है क्योंकि जिस मोहल्ले में मंदिर होगा तो (आप) स्वयं ही हिसाब लगा सकते हैं उस मोहल्ले में हिंदू जरूर ही होंगे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली

कोलकाता(भाषा)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को रिहा न करने के विरोध में पश्चिम बंगाल के कोलकाता में बंगाली हिंदू सुरक्षा समिति के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने रैली निकाली। सियालदह स्टेशन से रैली शुरू हुई और दो किलोमीटर की दूरी के बाद रानी रश्मोनी रोड पर रैली का समापन हुआ। इस दौरान रैली में शामिल हुए लोगों ने दास को रिहा करने की मांग करते हुए नारे लगाए तथा मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बंद करवाने की मांग की। हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास पहले बांग्लादेश स्थित इस्कॉन से जुड़े हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने हाथ में भगवा झंडा और तख्तियां लेकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी हमले और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने का विरोध किया।

पेज 1 का शेष

संसद में...

पर अपनी 170वीं रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ सुझाव दिया कि राज्य विधान सभाओं के लिए अलग से चुनाव कराना नियम के बजाय अपवाद होना चाहिए। विधेयक में अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान है कि इसके अधिनियमित होने के पश्चात, राष्ट्रपति द्वारा आम चुनाव के पश्चात लोक सभा की प्रथम बैठक की तिथि को अधिसूचना जारी की जाएगी तथा अधिसूचना की वह तिथि नियत तिथि कहलाएगी। विधेयक के अनुसार, लोक सभा का कार्यकाल नियत तिथि से पांच वर्ष होगा। नियत तिथि के पश्चात तथा लोक सभा के पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व विधान सभाओं के लिए चुनाव द्वारा गठित सभी विधान सभाओं का कार्यकाल लोक सभा के पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति पर समाप्त हो जाएगा। इसके पश्चात, लोक सभा तथा सभी विधान सभाओं के लिए सभी आम चुनाव एक साथ आयोजित किए जाएंगे। लोक सभा अथवा विधान सभा के पूर्ण कार्यकाल से पूर्व, लोक सभा अथवा विधान सभा के विघटन की स्थिति में, चुनाव के अनुसरण में गठित सदन अथवा विधानसभा का कार्यकाल, सदन अथवा विधानसभा के शेष कार्यकाल के लिए होगा। विधेयक में आगे कहा गया है कि कार्मिक, लोक शिकायत और विधि एवं न्याय पर विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 79वीं रिपोर्ट में लोक सभा (लोकसभा) और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की व्यवहार्यता की भी जांच की थी और एक साथ चुनाव कराने के लिए वैकल्पिक और व्यावहारिक तरीकों की आवश्यकता की सिफारिश की थी और विश्वास व्यक्त किया था कि चुनावी प्रक्रियाओं की आवृत्ति को कम करने के लिए एक समाधान मिल जाएगा। विधेयक संविधान में एक नया अनुच्छेद जोड़ने और तीन अनुच्छेदों में संशोधन करने का प्रयास करता है ताकि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था बनाई जा सके।

हां, मैं नाखुश...

से अगले पांच बार राज्य विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने एक कार्यकाल के लिए एमएलसी के रूप में भी काम किया। अस्सी के दशक के अंत और अस्सी के दशक की शुरुआत में कांग्रेस सरकार में वरिष्ठ मंत्री और 2019 से 2022 तक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री होने के अलावा, भुजबल 1994 से 2004 के बीच कांग्रेस के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। सोमवार को नागपुर में पत्रकारों से उन्होंने कहा, 'मुझे मंत्री पद दिया गया हो या नहीं दिया गया हो, लेकिन छगन भुजबल का कार्यकाल खत्म नहीं हुआ है।' राज्य के सबसे वरिष्ठ राजनेताओं में से एक, भुजबल (77) मुंबई के मझगांव से दो बार विधायक और नासिक के येओला से पांच बार विधायक रह चुके हैं और इसके अलावा एमएलसी के रूप में भी एक कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें देवेंद्र फडणवीस सरकार में शामिल क्यों नहीं किया गया, तो भुजबल ने कहा, मंत्रिमंडल में किसे शामिल करना है, यह पार्टी नेताओं का फैसला है। उन्होंने (पार्टी नेताओं ने) हमें बताया कि नए लोगों को मौका देने के लिए वरिष्ठ नेताओं को शामिल नहीं किया जा रहा, अगर मुझे नजरअंदाज किया जाता है या बाहर निकाल दिया जाता है तो क्या फर्क पड़ता है?। हालांकि, एनसीपी एमएलसी और प्रवक्ता अमोल मिटकरी ने इस बात से इनकार किया कि रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किए गए विस्तार से कोई भी नाराज था, हमें ऐसा नहीं लगता (कि कोई भी नाराज है) अगर कोई नाराज है, तो वह पार्टी फोरम में इस मुद्दे को उठा सकता है। जहां तक भुजबल का सवाल है, हमने इसे मीडिया में सुना है, हमने यह भी खबरें सुनी हैं कि उन्हें राज्यसभा भेजा जाएगा।

प्रियंका...

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, हिंदुओं और ईसाइयों पर हो रहे अत्याचारों के बारे में कुछ करना चाहिए। बांग्लादेश सरकार से बात करें और इन अत्याचारों को रोकें।' नई दिल्ली में फलस्तीन दूतावास के प्रभारी अबेद एलराज़ेग अबू जाज़र ने पिछले हफ़्ते प्रियंका से मुलाकात की और कांग्रेस नेता को केरल के वायनाड से हाल ही में हुए लोकसभा उपचुनाव में जीत के लिए बधाई दी।

भाजपा...

सुझावों को नोट कर लिया है और इस मामले में उचित कार्रवाई की जा सकती है।भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के बाद नेहरू संग्रहालय का विस्तार कर सभी प्रधानमंत्रियों की स्मृतियों को इसमें शामिल किया गया और इसका नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय कर दिया गया। पात्रा ने मीडिया को बताया कि संग्रहालय के तत्कालीन निदेशक की मंजूरी के बाद नेहरू के पत्राचार के 51 कार्टन सोनिया गांधी को दिए गए थे। हालांकि, कानूनी राय के बाद, पीएमएमएल को चलाने का काम सौंपे गए सोसायटी के 29 सदस्यों में से एक रिजवान कादरी ने हाल ही में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर संग्रहालय की हिरासत में कागजात वापस दिलाने में उनकी मदद मांगी। भाजपा नेता ने कहा कि कादरी को कोई जवाब नहीं मिला। गांधी परिवार पर कटाक्ष करते हुए पात्रा ने कहा कि ये किसी व्यक्ति या परिवार की निजी संपत्ति नहीं हैं, बल्कि ऐतिहासिक दस्तावेज हैं जो भारत के 'खजाने' का हिस्सा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चूंकि नेहरू परिवार के सदस्य थे, इसलिए उनके पत्रों को लेकर परिवार में अधिकार की भावना है। भाजपा ने जानना चाहा कि 'पत्र में क्या लिखा था जिसे प्रथम परिवार ने सार्वजनिक नहीं करना चाहिए?' पात्रा ने बताया कि संग्रहालय में डिजिटलीकरण की प्रक्रिया 2010 में शुरू हुई थी, लेकिन गांधी परिवार ने उससे पहले ही पत्रों को अपने कब्जे में लेने का फैसला कर लिया था। राहुल गांधी को लिखे अपने पत्र में कादरी ने दिल्ली के बीचों-बीच ऐतिहासिक तीन मूर्ति भवन में स्थित तत्कालीन एनएमएमएल की विरासत पर एक संक्षिप्त नोट और 13 फरवरी, 2024 को आयोजित पीएमएमएल की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के मिनटों के अंश भी साझा किए हैं। पीएमएमएल ने एजीएम को आगे बताया कि रिकॉर्ड के अनुसार, जवाहरलाल नेहरू के निजी कागजात, जो स्वतंत्रता-पूर्व और स्वतंत्रता-पश्चात दोनों अवधियों में फैले हुए हैं, 1971 से शुरू होकर कई बैचों में पीएमएमएल को हस्तांतरित किए गए थे। पत्र के साथ संलग्न दस्तावेज में उद्धृत मिनटों में कहा गया है, 'यह हस्तांतरण जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड द्वारा किया गया था, जो नेहरू की कानूनी उत्तराधिकारी श्रीमती इंदिरा गांधी की ओर से कार्य कर रहा था, जो जाहिर तौर पर अक्टूबर 1984 में अपने निधन तक इन दस्तावेजों की मालिक रहीं।'

सपनों...

'वह शादी के बारे में बात करने और शादी की तारीख तय करने के लिए इन महिलाओं के परिवारों से भी मिलता था। एक बार जब ये महिलाएं उस पर भरोसा कर लेती थीं, तो वह शादी के लिए रिसॉर्ट या मैरिज हॉल या होटल बुक करने के बहाने उनसे पैसे ले लेता था।' डीसीपी सैन ने कहा कि कुछ मामलों में, उसने पीड़ितों को उनके नाम पर मोबाइल फोन, आभूषण और वाहन जैसी महंगी चीजें खरीदने के लिए भी राजी किया, जिन्हें वह बाद में नकद में बेच देता था। जब वह उनके परिवारों से मिलने आता था, तो वह उनसे अपनी फ्लाइट टिकट भी खरीदवाता था।

भूमि हड़पने...

आपको जगा सके'। इसने सवाल उठाया कि नगर निकाय ने 1954 से पुस्तकालय वाली इमारत को कैसे गिरा दिया, जबकि पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट से संपर्क करने का इंतजार नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 10 सितंबर, 2018 को इस मामले में एक आदेश पारित किया था और किराएदारों और इमारत के अन्य लोगों को सुप्रीम कोर्ट में जाने का मौका दिए बिना ही, एमसीडी ने 18 सितंबर, 2018 को सुबह करीब 8.30 बजे इमारत को ध्वस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आगे यह भी जानना चाहा कि किन 'छिपी परिस्थितियों' के कारण एमसीडी ने पार्टी को उसके पास जाने का अधिकार नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 18 सितंबर, 2018 का उसका अंतरिम आदेश अगले आदेश तक जारी रहेगा। 18 सितंबर, 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि करोल बाग में संपत्ति का कोई भी हिस्सा नहीं गिराया जाएगा। इसने दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड द्वारा दायर याचिका पर एक नोटिस जारी किया, जिसमें हाई कोर्ट के 10 सितंबर, 2018 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें लाइब्रेरी को अपनी शाखा को जनता के लिए सुलभ किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए छह महीने का समय दिया गया था।

भारत, श्रीलंका ने रक्षा, ऊर्जा व व्यापारिक संबंधों को विस्तार देने का निर्णय लिया

भाषा। नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका ने अपनी साझेदारी को विस्तार देने के लिए सोमवार को भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए रक्षा सहयोग समझौता को जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया और बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी एवं बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करके ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने का निर्णय लिया। ए निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायक के बीच हुई व्यापक वार्ता के दौरान लिए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने आर्थिक साझेदारी के लिए निवेश आधारित विकास और संपर्क सुविधा पर जोर देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा,

हमने तय किया है कि भौतिक, डिजिटल, ऊर्जा संपर्क हमारे सहयोग के प्रमुख स्तंभ होंगे। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी एवं बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करने के लिए काम किया जाएगा और श्रीलंका के बिजली संयंत्रों के लिए द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति की जाएगी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साथ ही घोषणा की कि दोनों देशों के बीच संपर्क सुविधा बेहतर करने के लिए रामेश्वरम और तलाईमनार के बीच नौका सेवा शुरू की जाएगी। मोदी ने कहा, हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि हमारे सुरक्षा हित आपस में जुड़े हुए हैं। हमने रक्षा सहयोग समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। हाइड्रोग्राफी (जल विज्ञान) पर सहयोग के लिए भी समझौता हुआ है। वार्ता में मछुआरों के विवादित मुद्दे पर भी चर्चा हुई।मोदी ने कहा, हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हैं कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने तमिल मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को उम्मीद है कि श्रीलंका सरकार समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मोदी ने कहा कि भारत ने श्रीलंका को अब तक पांच अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा एवं सहायता प्रदान की है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम श्रीलंका के सभी 25 जिलों को सहयोग देते हैं और हमारी परियोजनाओं का चयन हमेशा हमारे साझेदार देशों की प्राथमिकताओं के आधार पर होता है।

भारत अगले 30 वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति का केंद्र बनेगा : अमेरिकी राजदूत

नई दिल्ली। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने सोमवार को कहा कि जिस तरह तेज तूफान और जोरदार हवा के बावजूद ताड़ के पेड़ तने रहते हैं ठीक उसी तरह भारत-अमेरिका संबंध फलते-फूलते रहेंगे और दुनिया को लाभान्वित करते रहेंगे। राजदूत ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भारत के साहसिक लक्ष्यों की सराहना की और कहा कि अगले 30 वर्ष में भारत इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर निर्यात के केंद्र के रूप में उभरेगा। भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य और नीतियां इसे न केवल इस देश के लिए, बल्कि दुनिया के लिए लागत पर निर्माण करने में सक्षम बनाने के लिए सौर व पवन क्षमता में अग्रणी बना रही हैं। मेरे शब्दों पर ध्यान दें, भारत अगले 30 वर्ष में नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति का केंद्र बनेगा। निवर्तमान राजदूत अमेरिका-भारत रणनीतिक भागीदारी मंच द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया महिला ऊर्जा नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

हिंदुओं को बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई करे सरकार : लोस में सांसदों की मांग

भाषा। नई दिल्ली

वर्ष 1971 में आज के दिन पाकिस्तान पर भारत की जीत के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे विजय दिवस का उल्लेख करते हुए सोमवार को लोकसभा में अनेक सदस्यों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया और सरकार से मांग की कि पड़ोसी देश के शासन से बात करनी चाहिए। उन्होंने सरकार से इस बाबत सदन में बयान देने की भी मांग की। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शून्यकाल में कहा, आज विजय दिवस है। 1971 के युद्ध में शहीद हुए सभी सैनिकों को और देश की जनता को आज के दिन नमन है। उन्होंने कहा कि उस युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कठिन से कठिन परिस्थिति में साहस दिखाया और ऐसा नेतृत्व दिखाया जिससे देश की विजय हुई।

कांग्रेस सांसद ने उस युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि आज पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों हिंदुओ और ईसाइयों पर अत्याचार के खिलाफ इस सरकार को आवाज उठानी चाहिए और बांग्लादेश सरकार से बातचीत करनी चाहिए। विजय दिवस प्रत्एक वर्ष 16 दिसंबर को मनाया जाता है। यह 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस व शहीद जवानों के बलिदान को याद करने का दिन है। शून्यकाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निशिकांत दुबे ने कहा कि 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश बना था और उस समय भारतीय सेना तथा तत्कालीन नेतृत्व ने बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि उस युद्ध में नजरूल इस्लाम और जगजीवन राम जैसे नेताओं के योगदान को इतिहास ने भुला दिया है। दुबे ने कहा, युद्ध के समय इंदिरा जी के योगदान को कोई नकार नहीं रहा, लेकिन जगजीवन राम के योगदान को भी याद रखा जाए। तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे पर कहा, मुझे हैरानी है कि सरकार इस मुद्दे पर चुप क्यों है। संसद चल रही है। सरकार बयान दे और बताए कि क्या स्थिति है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री या प्रधानमंत्री को सदन में आकर बयान देना चाहिए और बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को बचाया जाना चाहिए।

डोभाल विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए संभवतः कुछ सप्ताह में करेंगे बीजिंग की यात्रा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल संभवत: अगले कुछ सप्ताह में बीजिंग की यात्रा करेंगे जहां वह व्यापक सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि वार्ता के नए संस्करण में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। प्रामाणिक स्रोतों ने यह जानकारी दी। यह वार्ता करीब पांच साल के अंतराल के बाद होगी।इससे पहले विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता दिसंबर 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। वार्ता के इस तंत्र को बहाल करने का निर्णय 23 अक्टूबर को कजान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में लिया गया था। सूत्रों ने बताया कि एनएसए डोभाल 23वें दौर की एसआर वार्ता में भाग लेने के लिए संभवत: जल्द ही चीन की यात्रा करेंगे। एक सूत्र ने बताया कि एसआर वार्ता इस महीने के अंत में या जनवरी की शुरुआत में हो सकती है। अभी इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है कि एसआर वार्ता किस जगह पर होगी। भारत और चीन ने पांच दिसंबर को अपनी कूटनीतिक वार्ता में विशेष प्रतिनिधि वार्ता की तैयारी की थी। वार्ता के लिए भारत के विशेष प्रतिनिधि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल हैं, जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्री वांग ई कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के कारण पिछले पांच साल में कोई विशेष प्रतिनिधि वार्ता नहीं हुई। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था और उस वर्ष जून में गलवान घाटी में हुई झड़प के परिणामस्वरूप दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था। यह गतिरोध एक समझौते के तहत देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद समाप्त हुआ था।

विकास, राष्ट्रवाद को संविधान की प्रस्तावना के नजरिए से देखा जाना चाहिए : उपराष्ट्रपति

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि विकास, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, लोगों का कल्याण और सकारात्मक सरकारी योजनाओं को सिर्फ संविधान की प्रस्तावना के नजरिए से देखा जाना चाहिए। सातवें रक्षा संपदा दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने मंच पर अपनी स्थिति का भी उल्लेख किया, जहां उनके दाहिनी ओर रक्षा संपदा के महानिदेशक और बाईं ओर पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव बैठे थे। उन्होंने कहा, जब मैं यहां (मंच पर) मध्य में सीट पर बैठा तो मुझे राज्यसभा के सभापति के रूप में अपनी स्थिति की याद आई। जब मैं (राज्यसभा में) कुर्सी पर बैठता हूं तो मेरे दाईं ओर सत्ता पक्ष और बाईं ओर विपक्ष के सदस्य होते हैं। यहां, दाईं ओर रक्षा संपदा के महानिदेशक हैं,

मुझे भरोसा है कि मुझे उनसे कोई समस्या नहीं है। उपराष्ट्रपति ने विपक्ष के स्पष्ट संदर्भ में कहा, सौभाग्य से, मेरे बाईं ओर पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव हैं जो रचनात्मक, मार्गदर्शक, प्रेरक, हमेशा मददगार रहे हैं। धनखड़ ने कहा, मैं आज संसद के उच्च सदन में यह संदेश लेकर जा रहा हूं जहां हम संविधान पर बहस कर रहे हैं। हम 26 नवंबर 1949 को भारत के संविधान को अपनाने की 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस कार्यक्रम में आकर वह वास्तव में उन लोगों के ऋणी हैं, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उनका दिन आशा और आशावाद के साथ शुरू हो। उन्होंने कहा, हम ऐसे राष्ट्र में हैं जो उम्मीद और संभावनाओं से भरा है। एक ऐसा राष्ट्र जिसमें संभावनाएं हैं। एक ऐसा राष्ट्र जो विकास की ओर अग्रसर है, एक ऐसा राष्ट्र जिसे अब रोका नहीं जा सकता। शासन के हर पहलू में यह उन्नति देखी गई है, चाहे वह समुद्र हो, जमीन हो, आकाश हो या अंतरिक्ष हो। धनखड़ ने कहा, मैं कहूंगा कि यही समय, सही समय है , हालांकि लोग इसमें राजनीति भी देख सकते हैं। मैं आप सभी से अपील करना चाहता हूं कि विकास, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, आम लोगों का कल्याण, सकारात्मक सरकारी योजनाएं, इन सभी को सिर्फ एक ही नजरिए से देखा जाना चाहिए और वो है हमारे संविधान की प्रस्तावना के नजरिए से। उपराष्ट्रपति ने कहा कि समाज को इसकी सराहना करनी चाहिए।

भारत में शहरी अपशिष्ट जल का 72 प्रतिशत बिना शोधन बहाया जा रहा : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में उत्पन्न शहरी अपशिष्ट जल और सीवेज का मात्र 28 प्रतिशत पानी ही शोधित किया जाता है, जबकि शेष जल सीधे नदियों, झीलों और भूमि में प्रवाहित हो जाता है। यह जानकारी थिंकटैंक सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की एक रिपोर्ट से मिली है।सोमवार को यहां जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि सभी अपशिष्ट जल को उपचारित कर पुन: उपयोग में लाया जाए तो भारत का शहरी जल संकट कम हो सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने कहा, शोधित जल की क्षमता का दोहन किए बिना उसका उपयोग और निपटान करने का मतलब है कि हम एक महत्वपूर्ण संसाधन का उपयोग करने से चूक रहे हैं। चुनौती यह है कि हम इस क्षेत्र में जो काम कर रहे हैं, उसका दायरा बढ़ाएं और सुनिश्चित करें कि उसका प्रभाव हो।

सुबूत मिटाने के लिए खेत में पीसा ट्रैक्टर से कुचले लड़के का शव, दो गिरफ्तार

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में 15 वर्षीय दलित लड़के को ट्रैक्टर से कुचलकर उसकी हत्या करने और साक्ष्य छिपाने के मकसद से कई बार रौंदकर शव को पीस डालने की दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। पुलिस ने मृतक के कपड़े, जूते और उसकी हड्डियो के 17 टुकड़े बरामद कर दो अभियुक्तों को सोमवार सुबह गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि रिसिया थाना क्षेत्र के गायत्री नगर मोहल्ला निवासी विक्रम (15) अपने ही मोहल्ले में रहने वाले संजय वर्मा के यहां काम करता था। वर्मा खेतों में काम करवाने का ठेका लेता है। विगत सोमवार नौ दिसंबर को विक्रम के पिता मुनीजर ने अपने बेटे के लापता होने की शिकायत पुलिस से की थी। शिकायत में कहा गया था कि विक्रम पिछली छह दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे घर से काम पर निकला था, तभी से वह लापता है। उन्होंने बताया कि शिकायत में कहा गया था कि विक्रम आखिरी बार संजय वर्मा के यहां काम पर गया था, वहां से नही लौटा है। संजय से जब इस बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि रात करीब नौ बजे उसने विक्रम को गांव में एक मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी के टावर के पास छोड़ दिया था। तलाश के बावजूद विक्रम नही मिला तो पिता ने नौ दिसंबर को रिसिया थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।शुक्ला ने बताया कि पुलिस की टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान मालिक संजय वर्मा व उसके सहायक लवकुश पाल द्वारा परस्पर विरोधाभासी व पुलिस को गुमराह करने वाले बयान दिए जा रहे थे। संदेह बढ़ने पर सख्ती से पूछताछ की गई तो वर्मा ने खुलासा किया कि छह दिसंबर की रात करीब नौ बजे जब वह किसी का खेत जोत रहा था तभी विक्रम ट्रैक्टर से गिर गया और ट्रैक्टर के पीछे लगे हार्वेस्टर से उसका शरीर कट गया।पुलिस अधीक्षक के मुताबिक संजय वर्मा ने स्वीकार किया कि खुद को बचाने के लिए घटना को छुपाने की नीयत से उसने खेत में कई किलोमीटर ट्रैक्टर चलाकर शव को पीसा और उसके टुकड़ों को खेत में गाड़ दिया।

संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था से हो सकती हैं एक करोड़ नौकरियां सृजित: कांत

नई दिल्ली। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने सोमवार को कहा कि संसाधनो के अनुकूलतम उपयोग और पर्यावरण अनुकूल उपायों वाली अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकनॉमी) से देश में 2050 तक 2,000 अरब डॉलर का बाजार मूल्य और एक करोड़ नौकरियां सृजित हो सकती है। उन्होने कहा कि सर्कुलर अर्थव्यवस्था वृद्धि को गति देने वाली हो सकती है। यह बदलाव न केवल लागत बचत में मददगार है बल्कि देश को वैश्विक सर्कुलर अर्थव्यवस्था के स्तर पर इसका लाभ उठाने की स्थिति में भी लाता है। कांत ने कहा, यह एक बहुत बड़ा अवसर है, क्योंकि 2050 तक, भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था 2,000 अरब डॉलर से अधिक का बाजार मूल्य और करीब एक करोड़ नौकरियां सृजित कर सकती है। वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3,700 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण और शहरीकरण एक अस्थिर भारत का निर्माण कर रहे है, ऐसे मे हमे उम्मीद की किरण के रूप मे सर्कुलर अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है। देश के प्राकृतिक संसाधन तेजी से खत्म हो रहे है, वही दूसरी तरफ भारी मात्रा मे कचरा भी पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत प्रतिदिन लगभग 1.6 लाख टन ठोस अपशिष्ट पैदा कर रहा है।

भारत मंडपम में आर्य समाज के एक वर्ष चलने वाले 150वें स्थापना दिवस समारोहों का शुभारंभ

नई दिल्ली। भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक पुनर्जागरण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आर्य समाज ने एक वर्ष चलने वाले 150वें स्थापना वर्ष के समारोहों का शुभारंभ 15 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में भव्य आयोजन के साथ किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया। कार्यक्रम में गुजरात के राज्यपालए आचार्य देवव्रत जी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह जी ने गत 150 वर्षों के आर्य समाज द्वारा दिए गए हर योगदान को स्मरण कियाएआर्य समाज के बलिदानियों को स्मरण किया। गुरुकुल जैसी हजारों संस्थाओं के योगदान को सराहाएसाथ ही आज की परिस्थितियों में महर्षि के चिंतन की आवश्यकता को भी महसूस कियाएउन्होंने आगामी एक वर्ष तक चलने वाले आर्य समाज के 150 वे स्थापना वर्ष के कार्यक्रमों के प्रतीक चिन्ह का भी अनावरण कर एकार्यक्रमों की शुरुआत की एऔर महर्षि दयानंद की स्मारक डाक टिकट के प्रकाशन के लिए डाक विभाग का भी आभार किया। अपने संबोधन में आचार्य देवव्रत जी ने आर्य समाज और महर्षि दयानंद सरस्वती के दिखा, मार्ग की आज की परिस्थितियों में प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने आर्य समाज के शिक्षण संस्थानों की प्रशंसा कीए जो 150 वर्षों बाद भी अपनी भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में देशभर के आर्य समाज के प्रतिनिधिए विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष ज्ञान ज्योति पर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार आर्य ने की उन्होंने सरकार के हर मजबूत कदम में आर्य समाज के सहयोग की बात भी कही इस अवसर पर धर्मपाल आर्य ,प्रकाश आर्य राकेश ग्रोवर ,वीरेंद्र सचदेवा,दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

मैंने गोंविंदा और वरुण धवन की फिल्में देखकर की अपने रोल की तैयारी : अभिषेक मलिक

मुंबई। ज़ी टीवी और स्टूडियो एलएसडी प्रोडक्शन्स ने दर्शकों के लिए एक नया और दिलचस्प शो जमाई नं् 1 पेश किया है यह हर सोमवार से शुक्रवार रात 10:30 बजे सिर्फज़ी टीवी पर प्रसारित हो रहा है! भारतीय घरों में अक्सर जमाई को राजा का दर्जा दिया जाता है। उन्हें प्यार, इज़्ज़त और अपनापन सबकुछ मिलता है। आम तौर पर जमाई अपने ससुराल में शांति और विनम्रता से घुल.मिल जाता है। लेकिन क्या हो जब ये जमाई ससुराल में हलचल मचाने के इरादे से कदम रखेघ् यही कहानी है नाशिक के चुलबुले और होशियार नील परांजपे कीए जो अपने खास अंदाज़ से ससुराल के रिश्तों को नया रंग देने आया है। इस शो में नील का किरदार निभा रहे हैं अभिषेक मलिकए जो अपने अनोखे अंदाज़ में इसे पेश कर रहे हैं। नाशिक जैसे आध्यात्मिक शहर में रहने वाले नील एक मध्यमवर्गीय परिवार में पले.बढ़े हैं। उसके पिता त्रंबकेश्वर में पुजारी हैंए जिन्होंने नील को गहरे संस्कार दिए हैं। हालांकि नील अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहता है। वो अपनी हाज़िरजवाबीए आकर्षक व्यक्तित्व और जुगाड़ की कला के साथ हर मुश्किल का हल ढूंढता है। उसका तरीका बेहद अनोखाए लेकिन असरदार होता है।

वरुण ने पिता बनने के अनुभव को साझा किया

मुंबई। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के इस सीज़न ने सचमुच हंसी और मस्ती का खजाना पेश किया है, जिसमें जीवन के हर कोने से आए मेहमानों का एक रंगीन मिश्रण देखने को मिला। हमारी क्रिकेट टीम की मजेदार बातचीत से लेकर जूनियर एनटीआर की रोमांचक स्टंट स्टोरीज, और आलिया भट्ट कपूर के नए सरनेम पर चुलबुले टिप्पणियों तक, हर एपिसोड में मस्ती, हंसी और इमोशन का तड़का था। हमने नवजोत पाजी के साथ पुरानी यादें ताज़ा कीं। इसके साथ ही बॉलीवुड के दिग्गज सितारों जैसे गोविंदा, चंकी पांडे, और शक्ति कपूर की मस्ती ने शो को और भी शानदार बना दिया, इस सीजन ने सच में हमारे शनिवार को फनीवार बना दिया । सीजन के फिनाले में, इस एपिसोड को रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर देखना न भूलें। यह एपिसोड हंसी, भावना और दिल को छू लेने वाले पलों का बेहतरीन मिश्रण है, जो आपके चेहरे पर मुस्कान लेकर आएगा ।एवरग्रीन और खूबसूरत रेखा को होस्ट करने के बाद, नेटफ्लिक्स कद ग्रेट इंडियन कपिल शो, अब बेबी जॉन के दमदार कलाकार, वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी के साथ फिनाले एपिसोड के मनोरंजन को बढ़ाने के लिए तैयार है। यह एपिसोड हंसी, इमो शन और पूरी मस्ती का बेहतरीन मिश्रण पेश करने का वादा करता है!

पंजाब में आतंकवादी अर्श डल्ला के चार गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसने कनाडा में रह रहे आतंकवादी अर्श डल्ला और एक अन्य विदेशी हैंडलर के चार गुर्गों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से तीन पिस्तौल व 16 कारतूस बरामद किए है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान गगनदीप सिंह, नवजोत सिंह उर्फ निशु, लखविंदर सिंह और विपनप्रीत सिंह के रूप मे हुई है।

कॉनकॉर्ड का इनिशियल पब्लिक गुरुवार को

मुंबई। कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स लिमिटेड या कंपनी गुरुवार 19 दिसंबर2024 को इक्विटी शेयरों के अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के संबंध में बोलीध्प्रस्ताव अवधि खोलेगा।एंकर निवेशक बिड ऑफर अवधि बुधवार 18 दिसंबरए 2024 को खुलेगी और बंद होगी। बिड,ऑफर अवधि सोमवार 23 दिसंबर 2024 को बंद होगी। बोली विवरण प्रस्ताव का प्राइस बैंड 665 से 701 प्रति इक्विटी शेयर प्राइस बैंडष्द्ध तय किया गया है। बोलियां न्यूनतम 21 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 21 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती हैं। बोली लॉट। ये इक्विटी शेयर कंपनी के 14 दिसंबर 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जा रहे हैंए जो मुंबई में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज महाराष्ट्र के पास दाखिल किया गया है ।

डीएएम कैपिटल की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश

मुंबई । 16 दिसंबरए 2024 डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेडकंपनी गुरुवार 19 दिसंबर 2024 को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम प्रस्ताव खोलने का प्रस्ताव करती है। बोल प्रस्ताव बंद होने की तिथि सोमवारए 23 दिसंबरए 2024 होगी। एंकर निवेशक बोली तिथि बोली प्रस्ताव खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले है। अर्थात बुधवार 18 दिसंबरए 2024है। ऑफर का मूल्य बैंड269. प्रति इक्विटी शेयर से 283. प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 53 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 53 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियांलगाई जा सकती हैं। कंपनी के 2 अंकित मूल्य वाले 29,690,900 इक्विटी शेयरों की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश ;ष्इक्विटी शेयरष्द्ध।रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ;श्आरएचपीश्द्ध के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड श्बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एनएसइ में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

कोई खास धार्मिक नारा लगाना अपराध कैसे? सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को पूछा कि जय श्री राम का नारा लगाना कैसे आपराधिक कृत्य है। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। इस याचिका में कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें मस्जिद के अंदर कथित तौर पर जय श्री राम का नारा लगाने के लिए दो व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही 13 सितंबर को रद्द कर दी गई थी। शिकायतकर्ता हैदर अली सी एम द्वारा दायर याचिका पर पीठ ने पूछा, वे एक विशेष धार्मिक नारा लगा रहे थे या नाम ले रहे थे। यह अपराध कैसे है? शीर्ष न्यायालय ने शिकायतकर्ता से यह भी पूछा कि मस्जिद के अंदर आकर कथित तौर पर नारे लगाने वाले व्यक्तियों की पहचान कैसे की गई। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत से पूछा, आप इन प्रतिवादियों की पहचान कैसे करते हैं? आप कहते हैं कि वे सभी सीसीटीवी की निगरानी में हैं। पीठ ने पूछा, अंदर आने वाले व्यक्तियों की पहचान किसने की? कामत ने कहा कि उच्च न्यायालय ने कार्यवाही रद्द कर दी, जबकि मामले में जांच पूरी नहीं हुई थी। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने पाया कि आरोप भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 503 या धारा 447 के प्रावधानों से संबंधित नहीं है। आईपीसी की धारा 503 आपराधिक धमकी से संबंधित है, जबकि धारा 447 अनधिकार प्रवेश के लिए दंड से संबंधित है।जब पीठ ने पूछा, क्या आप मस्जिद में प्रवेश करने वाले वास्तविक व्यक्तियों की पहचान कर पाए हैं? तो कामत ने कहा कि राज्य पुलिस इसके बारे में बता पाएगी। पीठ ने याचिकाकर्ता से याचिका की एक प्रति राज्य को देने को कहा और मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2025 के लिए स्थगित कर दी।

42वें संविधान संशोधन को लेकर वित्तमंत्री सीतारमण और जयराम रमेश में नोकझोंक

भाषा। नई दिल्ली

आपातकाल के दौरान 1976 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार द्वारा किए गए 42वें संशोधन को लेकर राज्यसभा में

सोमवार केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और कांग्रेस के जयराम रमेश के बीच नोकझोंक हुई। भारतीय संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा विषय पर उच्च सदन में दो दिवसीय बहस की शुरुआत करते हुए सीतारमण ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1975 में देश में आपातकाल लागू होने के बाद हुए लोकसभा चुनाव में जब जनता ने सबक सिखाया तब उन्होंने 44वें संशोधन का समर्थन किया।कांग्रेस के जयराम रमेश ने इस पर कहा कि इंदिरा गांधी ने खुद 1978 में 44वें संशोधन का समर्थन किया था, जिसमें 42वें संशोधन के कुछ हिस्सों को निरस्त करने का प्रस्ताव था क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें इसी वजह से भारी चुनावी नुकसान हुआ है।सीतारमण ने मशहूर लेखक ग्रैनविले ऑस्टिन के हवाले से कहा, किस तरह से 42वां संशोधन पारित किया गया था। विपक्षी नेता जेल में थे और राज्यसभा में एक भी व्यक्ति ने विरोध नहीं किया। लोकसभा में उनमें से सिर्फ 5 (सदस्यों) ने इसके खिलाफ बोला। रमेश ने सीतारमण पर आरोप लगाया कि उन्होंने ऑस्टिन के उद्धृत शब्दों का चुनिंदा इस्तेमाल किया और बहुत सारी चीजों को नजरअंदाज कर दिया।रमेश ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि 1978 में जब 44 वां संशोधन पारित किया गया था तब इंदिरा गांधी ने संशोधन के समर्थन में मतदान किया था, जिसमें 42 वें संशोधन के कुछ हिस्सों को हटाने का प्रस्ताव भी था।कांग्रेस नेता ने कहा कि इंदिरा गांधी ने यह कदम तब उठाया जब उन्हें एहसास हुआ कि 42वें संशोधन से उन्हें चुनावी हार का सामना करना पड़ा है।रमेश के हस्तक्षेप के तुरंत बाद, सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि जब यह संविधान संशोधन किया गया था तब मोरारजी देसाई देश के प्रधानमंत्री थे न कि इंदिरा गांधी।रमेश ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि इंदिरा गांधी उस समय प्रधानमंत्री थीं।सीतारमण ने स्वीकार किया कि जयराम और नड्डा द्वारा उठाए गए बिंदु सही हैं। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने भारी चुनावी हार का सामना करने के बाद इंदिरा गांधी ने 44 वें संशोधन का समर्थन किया।सीतारमण ने कहा, चुनाव में जब जनता ने सबक सिखया तब इंदिरा गांधी ने यह कदम उठाया।

नेहरू पर तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से माफी की मांग की

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर राज्यों को आरक्षण को लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखे गए पत्र के बारे में तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और माफी की मांग की। राज्यसभा में भारतीय संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा में भाग लेते हुए, खरगे ने भाजपा नेताओं पर प्रधानमंत्री मोदी की भक्ति में लिप्त होने का भी आरोप लगाया और कहा कि यह स्थिति देश को तानाशाही की ओर ले जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी के भाषण का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि 1947-1952 के बीच कोई निर्वाचित सरकार नहीं थी और कांग्रेस ने अवैध रूप से संविधान में

संशोधन किया था। खरगे ने कहा कि पहला संशोधन संविधान सभा के सदस्यों द्वारा किया गया था, जिसमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि यह संशोधन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को आरक्षण प्रदान करने, शिक्षा, रोजगार से संबंधित समस्याओं को दूर करने और जमींदारी प्रथा को खत्म करने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि इस संशोधन का दूसरा पहलू सांप्रदायिक दुष्प्रचार को रोकना था और सरदार पटेल ने तीन जुलाई 1950 को एक पत्र में नेहरू को सुझाव दिया था कि संविधान संशोधन ही इस समस्या का एकमात्र समाधान है।खरगे ने कहा, इसलिए नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा। तथ्यों को तोड़-मरोड़कर नेहरू को बदनाम करने के बाद प्रधानमंत्री के भाषण में इसका उल्लेख किया गया है, जिसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। यह मेरी मांग है। उन्होंने कहा अगर आप देश के सामने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं और बदनाम करने की कोशिश करते हैं, तो आपको इस सदन और दूसरे सदन में और इस देश की जनता के सामने माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अतीत में जीते हैं, वर्तमान में नहीं। उन्होंने कहा कि बेहतर होता कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र को मजबूत करने वाली वर्तमान उपलब्धियों को सूचीबद्ध करते। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस के तत्कालीन नेता संविधान के खिलाफ थे। उन्होंने कहा, 1949 में पूरा देश जानता था कि आरएसएस के नेता संविधान का विरोध करते थे, क्योंकि यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं था। आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर ने 30 नवंबर, 1949 के संस्करण में इसके बारे में लिखा भी था। खरगे ने कहा कि संविधान सभा की बहसों से यह स्पष्ट है कि आरएसएस के तत्कालीन नेता संविधान के खिलाफ थे।

विरोध के बाद नवविवाहित अंतर-धार्मिक जोड़े ने भोज समारोह रद्द किया

अलीगढ़ (उप्र)। अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के एक नवविवाहित अंतर-धार्मिक जोड़े ने अलीगढ़ में अपने विवाह के बाद का भोज समारोह आयोजित किया था, लेकिन कई हिंदू दक्षिणपंथी संगठनों के विरोध के बाद उन्हें अपना कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। हिंदू संगठनों ने 21 दिसंबर को होने वाले समारोह को बाधित करने की धमकी दी थी। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, युवा जोड़े ने विशेष विवाह अधिनियम के तहत मार्च 2024 में विवाह किया था, जिसे अमेरिका में भारतीय वाणिज्य दूतावास में विधिवत पंजीकृत किया गया था। पत्नी और पति दोनों अलीगढ़ के हैं और कुशल पेशेवर हैं। पति एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करता है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, लड़की एक प्रमुख हिंदू परिवार से ताल्लुक रखती है और लड़का भी शहर के एक अच्छे मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखता है।

जर्मनी के चांसलर शोल्ज ने विश्वास मत खोया

फरवरी में चुनाव होने की संभावना

भाषा। बर्लिन

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज सोमवार को संसद में विश्वास मत खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप यूरोपीय संघ (ईयू) के सबसे अधिक आबादी वाले इस सदस्य में फरवरी के उत्तरार्द्ध में समय-पूर्व चुनाव होने की संभावना है। शोल्ज को 733 सीट वाले निचले सदन या बुंडेस्टैग में 207 सांसदों का समर्थन मिला और 394 ने उनके खिलाफ वोट दिया, जबकि 116 सांसदों ने मतदान में भाग नहीं लिया। इस प्रकार वह जीत के लिए जरूरी 367 के जादुई आंकड़े से बहुत दूर रह गए। शोल्ज ने जर्मनी की स्थिर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के तरीके को लेकर उत्पन्न विवाद में अपने वित्त मंत्री को निष्कासित कर दिया था, जिसके कारण गत छह नवम्बर को तीन-पक्षीय गठबंधन ध्वस्त हो गया था। कई प्रमुख दलों के नेताओं ने समय से सात माह पहले 23 फरवरी को आम चुनाव कराने को लेकर सहमति जताई। विश्वास मत की आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी का संविधान बुंडेस्टैग को भंग करने की अनुमति नहीं देता। अब राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर को यह तय करना है कि संसद को भंग किया जाए या नहीं और चुनाव कराए जाएं या नहीं। उनके पास यह निर्णय लेने के लिए 21 दिन हैं और चुनाव की योजनाबद्ध समय-सीमा के कारण क्रिसमस के बाद इसकी उम्मीद है। संसद भंग होने के बाद, चुनाव 60 दिनों के भीतर होने चाहिए।

भारत व चीन के विशेष प्रतिनिधि 18 को बीजिंग में वार्ता करेंगे

बीजिंग। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के सैनिकों के पीछे हटने के लिए 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों की बहाली पर चर्चा के लिए दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि बुधवार को यहां मिलेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को यहां बताया कि सहमति के अनुरूप केंद्रीय विदेश आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग ई और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 18 दिसंबर को बीजिंग में चीन-भारत सीमा विवाद के लिए विशेष प्रतिनिधियों की 23वीं बैठक करेंगे। ज्ञात सूत्रों के अनुसार, डोभाल महत्वपूर्ण वार्ता में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आगे बढ़ने का रास्ता मिलने की उम्मीद है। भारत-चीन सीमा विवाद को निपटाने के लिए विशेष प्रतिनिधियों के इस तंत्र ने पिछले कुछ वर्षों में 22 बार बैठकें की हैं।

रूसी बलों के साथ मिलकर लड़ रहे उत्तर कोरिया के करीब 30 सैनिक मारे गए : यूक्रेन

कीव। यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने सोमवार को दावा किया कि रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में सप्ताहांत यूक्रेनी सेना के साथ युद्ध में उत्तर कोरिया के करीब 30 सैनिक या तो मारे गए या फिर गंभीर रूप से घायल हो गए। जीयूआर नामक एजेंसी ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क के तीन गांवों के आसपास मारे गए। कुर्स्क वह सीमावर्ती क्षेत्र है, जहां रूस पिछले चार महीने से कब्जा करके बैठी यूक्रेनी सेना को खदेड़ने की कोशिश कर रहा है। जीयूआर ने बताया कि कुर्स्क के एक अन्य गांव के आसपास कम से कम तीन उत्तर कोरियाई सैनिक लापता हो गए। यूक्रेनी के दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। लगभग तीन वर्ष से जारी युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की मौत की यह पहली खबर है।क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने दावों से संबंधित सवाल रूसी रक्षा मंत्रालय को भेजे हैं हालांकि अब तक कोई टिप्पणी नहीं आई है। अमेरिका के रक्षा विभाग और यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कोरिया ने युद्ध में मदद के लिए लगभग 10,000 सैनिक रूस भेजे हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पारस्परिक रक्षा समझौते के तहत रूस को युद्ध के लिए अटूट समर्थन का वचन दिया था। यूक्रेन के अधिकारियों ने पांच नवंबर को कहा था कि यूक्रेनी सुरक्षाबलों ने हाल में रूस की मदद के लिए तैनात किए गए उत्तर कोरियाई सैनिकों का पहली बार सामना किया है।

दक्षिण कोरियाः राष्ट्रपति को तलब करने के लिए दबाव बना रहे जांचकर्ता

सियोल। दक्षिण कोरिया मे संवैधानिक न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति यून सुक एओल के खिलाफ महाभियोग पर सोमवार को पहली बार विचार किए जाने के बीच, जांचकर्ता यून को तलब किए जाने का दबाव बना रहे है ताकि अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने को लेकर उनसे पूछताछ की सकेादक्षिण कोरिया मे अल्पकालिक मार्शल लॉ लागू करने का आदेश देने पर संसद मे यून के खिलाफ लाया गया महाभियोग का प्रस्ताव शनिवार को 204 और 85 वोट के अंतर से पारित हो गया था और अब अदालत यह तय करेगी कि उन्हें पद से हटाया जाना है या पद पर बनाए रखना है। पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी और रक्षा मंत्रालय की संयुक्त जांच टीम ने कहा कि वह यून के कार्यालय को यह अनुरोध भेजने की योजना बना रही है कि वह बुधवार को पूछताछ के लिए उपस्थित हों। जांच अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या यून द्वारा सत्ता हथियाने की गलत कोशिश विद्रोह के समान थी। उच्च पदस्थ अधिकारियो के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय के जांचकर्ता सोन एओन-जो ने कहा कि टीम विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों पर यून से पूछताछ करने की योजना बना रही है। जब उनसे पूछा गया कि अगर यून पेश होने से इनकार करते है तो जांचकर्ता क्या कार्वाई करेंगे तो उन्होंने इस बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया। संवैधानिक न्यायालय ने सोमवार को महाभियोग मामले पर पहली बार विचार किया। अदालत के पास निर्णय देने के लिए 180 दिन तक का समय है लेकिन पर्यवेक्षकों का कहना है कि न्यायालय का निर्णय जल्दी आ सकता है।

पाक में पोलियो रोधी अभियान के पहले दिन कांस्टेबल और कर्मचारी की हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को अलग-अलग घटनाओं में एक पोलियो कर्मी और एक पुलिस कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। देश में सोमवार से कड़ी सुरक्षा के बीच हफ्ते भर चलने वाला पोलियो उन्मूलन अभियान शुरू हुआ। अभियान के पहले ही दिन अज्ञात हमलावरों ने बन्नू जिले में एक पोलियो कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी।काला खेल मस्ती खान में इस घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर भाग गए। पुलिस ने बताया कि पोलियो कर्मी अपनी ड्यूटी पर जा रहा था, तभी उस पर हमला हुआ। करक जिले में एक अलग घटना में, पोलियो कर्मियों की एक टीम की सुरक्षा में तैनात कांस्टेबल इश्तियाक अहमद की अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों लोगों द्वारा की गई गोलीबारी में मौत हो गई।खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी और मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने प्रांत में पोलियो टीमों पर हमलों की निंदा की। पाकिस्तान में सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हफ्ते भर चलने वाला पोलियो उन्मूलन अभियान शुरू किया गया ताकि अपंग कर देने वाली इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई सुनिश्चित की जा सके। इस वर्ष पोलियो के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है तथा अब तक 63 मामले सामने आए है।

दुनिया को भा रहा प्लेटिनम

इंडियाना। अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिक अपील के साथ प्लेटिनम आज के डिज़ाईन ट्रेंड्स को अद्वितीय आभूषणों में उतार रहा है, जो आपकी व्यक्तिगत प्रेम कहानी का वर्णन करने के लिए उपयुक्त हैं। प्लेटिनम लव बैंड्स चुनकर आप प्यार का ऐसा प्रतीक चुनते हैंए जो पारंपरिकता के साथ आधुनिकता का मेल कराता है। यह आपके प्यार के पूरे सफर में सदैव खूबसूरत बना रहने के लिए डिज़ाईन किया गया है। अपने संबंधों के महत्वपूर्ण लम्हों की यादें संजोने और अपने रिश्ते के स्थायी प्रतीक के रूप में अपने प्यार की अटलता को प्रदर्शित होने दें।95 प्रतिशत शुद्ध और दुर्लभ प्लेटिनम से बने प्लेटिनम लव बैंड्स केवल आभूषण ही नहीं हैंए बल्कि वो प्यार का प्रतीक हैं। ये लव बैंड्स आधुनिक संबंधों को प्रदर्शित करते हैं। एक दूसरे के व्यक्तित्व को अपनाते हैंए पारस्परिक सफलताओं की खुशी मनाते हैंए और जीवन के दायित्वों को साझा करते हैं। इनकी बेहतरीन संरचनाएंए फ्लुड लाईन और हर बैंड के खूबसूरत मोटिफइन सिद्धांतों को आत्मसात करते हैं। चाहे मिनिमलिस्ट और चिक स्टाईल हो या फिर कालातीत सौंदर्यए प्लेटिनम लव बैंड्स का विस्तृत संग्रह प्यार के लिए समर्पित युगलों के दिलों में उतर जाता है।

भारतीय मूल व्यक्ति की मौत मामले में 12 वर्षीय लड़की के खिलाफ मुकदमा

लंदन। पूर्वी इंग्लैंड के लीसेस्टर मे भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत मामले मे सोमवार को 12 साल की एक लड़की के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का अभियोग तय किया। लीसेस्टर के पास एक पार्क मे सितंबर मे कुत्ता टहलाते समय 80 वर्षीय बुजुर्ग भीम सेन कोहली पर हमला किया गया था, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। इस मामले मे एक और व्यक्ति को अभियोजित किया गया है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग को गैर इरादतन हत्या के आरोप में लीसेस्टर मजिस्ट्रेट अदालत मे पेश किया गया। नाबालिग होने की वजह से उसका नाम उजागर नही किया गया है। कोहली की मौत मामले मे एक नाबालिग लड़के को भी हिरासत मे किया गया था। घटना के समय उसकी उम्र करीब 14 साल थी और इस समय वह अब भी हिरासत मे है। पुलिस ने बताया, भीम कोहली की सितंबर मे हुई मौत मामले मे 12 साल की एक लड़की पर आरोप लगाया गया है। कानूनी कारणों से आरोपी लड़की की पहचान उजागर नही की जा रही है।

विजय दिवस : भारत, बांग्लादेश के 1971 युद्ध के नायक एक दूसरे के यहां गए

भाषा। ढाका

भारत और बांग्लादेश में विजय दिवस समारोहों में भाग लेने के लिए 1971 के मुक्ति संग्राम का हिस्सा रह चुके आठ भारतीय सैनिक ढाका पहुंचे हैं, जबकि वहां की सेना के आठ अधिकारी कोलकाता पहुंचे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विजय दिवस पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किए जाने की याद में मनाया जाता है। भारत की ऐतिहासिक जीत के कारण बांग्लादेश को आजादी मिली। बांग्लादेश के अधिकारियों और ढाका में भारतीय उच्चायोग ने बताया कि दोनों पक्षों के दो-दो सेवारत अधिकारी प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं जो ढाका तथा कोलकाता में होने वाले समारोहों में भाग लेंगे। वे रविवार को अपने गंतव्य शहरों में पहुंच गए। बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल में मुक्ति योद्धा शामिल थे, जो पूर्वी पाकिस्तान में उस गुरिल्ला समूह का हिस्सा थे जिन्होंने वहां पाकिस्तानी शासन का विरोध किया था। विजय दिवस समारोह और दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों की ए यात्राएं भारत-बांग्लादेश के बीच जारी तनाव के बीच हो रही हैं। बांग्लादेश में पांच अगस्त को छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से हटने के बाद से अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ कथित हिंसा को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति है। हसीना देश से पलायन कर चुकी हैं और उन्होंने भारत में शरण ली है। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने किसी भी बड़ी सांप्रदायिक हिंसा से साफ इनकार किया है। बांग्लादेश की आबादी में हिंदू आठ फीसदी है। यहां एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, पूर्व सैनिकों की ए यात्राएं 1971 में बनी मित्रता की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि अपने समकक्ष जशीम उद्दीन के साथ विदेश कार्यालय परामर्श के लिए भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री द्वारा नौ दिसंबर को की गई एक दिवसीय ढाका यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों में तनाव कुछ हद तक कम हुआ। मिस्री ने यूनुस और उनके विदेश मंत्री तौहीद हुसैन से भी मुलाकात की थी। विश्लेषक ने कहा, अब पूर्व सैनिकों के दौरों से दोनों देशों की एक-दूसरे के प्रति सद्भावना नजर आने की उम्मीद है। भारत और बांग्लादेश दोनों ही देश 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान पर विजय का जश्न मनाते हैं और हर साल एक-दूसरे के युद्ध के नायकों एवं सेवारत अधिकारियों को दोनों देशों में होने वाले समारोहों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हैं। बांग्लादेश अपना स्वतंत्रता दिवस 26 मार्च को मनाता है। हालांकि, नौ महीने के मुक्ति संग्राम के बाद भारत की महत्वपूर्ण सहायता से ढाका 16 दिसंबर को एक स्वतंत्र देश की स्वतंत्र राजधानी के रूप में उभरा। भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा, ए वार्षिक द्विपक्षीय यात्राएं मुक्ति योद्धाओं और मुक्ति संग्राम के नायकों को दोनों देशों की अद्वितीय मित्रता का जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करती हैं। बयान में कहा गया है कि यह अवसर मुक्ति संग्राम की यादों को ताजा करता है, जो कब्जे, उत्पीड़न और सामूहिक अत्याचारों से बांग्लादेश की आजादी के लिए भारत और बांग्लादेश के सशस्त्र बलों के साझा बलिदान का प्रतीक है।

शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के कारण यह विजय और अधिक महत्वपूर्ण हैः मोहम्मद यूनुस

ढाका। बांग्लादेश के प्रधान सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने देश को 1971 मे मिली आजादी के 54 साल पूरे होने के अवसर पर कहा कि यह विजय दिवस और अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल दुनिया की सबसे खराब निरंकुश सरकार सत्ता से बाहर हो गई। यूनुस ने विजय दिवस के मौके पर दिए भाषण में बांग्लादेश के संस्थापक नेता बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान का जिक्र नही किया।साल 1971 के भारत और पाकिस्तान के युद्ध मे पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था, इसलिए दिन को विजय दिवस के रूप मे मनाया जाता है। पाकिस्तानी सेना पर भारतीय सेना की जीत से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। यूनुस और बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मुक्ति संग्राम मे शहीद हुए जवानो को और राजधानी के बाहरी इलाके सावर स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यूनुस ने भाषण मे कहा, मैं उन लाखों शहीदो को याद करता हूं जिनमे असंख्य बच्चे, किशोर, युवा और बुजुर्ग शामिल है, जिनके बलिदान के कारण ही हमे आजादी मिल पाई। उनके संबोधन मे 1971 के राजनीतिक नेतृत्व और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और बंगबंधु शेख मुजीब-उर-रहमान का कोई जिक्र नही था। यूनुस ने कहा, अपनी गलतियों के कारण हम अपनी उपलब्धियों को पूर्णता नही दे सके और हाल ही मे एक राक्षसी निरंकुश सरकार ने देश पर कब्जा कर लिया था। उन्होने कहा, दुनिया की सबसे खराब निरंकुश सरकार (हसीना की अवामी लीग सरकार) को हटाने और व्यापक जनांदोलन के कारण उन्हें देश से भागने पर मजबूर करने से इस साल का विजय दिवस और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। पड़ोसी देश मे स्वतंत्रता के बाद से चली आ रही परंपरा से हटकर इस बार राजधानी ढाका मे विजय दिवस परेड का आयोजन नही किया गया। मुक्ति संग्राम मामलो के सलाहकार फारूक-ए-आजम ने इस बारे मे बताया कि सशस्त्र बलो की व्यस्तता के कारण इस बार परेड का आयोजन नही किया गया।

इजराइल-हमास युद्ध : गाजा पट्टी में मारे गए लोगों की संख्या 45 हजार के पार

भाषा। दीर अल-बला

इजराइल और हमास के बीच पिछले 14 महीनों से जारी युद्ध की वजह से गाजा पट्टी में जान गंवाने वालों की संख्या 45,000 के पार पहुंच गई है। गाजा पट्टी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में आम नागरिकों और लड़ाकों की अलग-अलग जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, उसने कहा कि मारे गए लोगों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। इजराइली सेना का दावा है कि उसने 17,000 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है, लेकिन उसने अपने इस दावे का कोई सबूत नहीं दिया है।गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 45,028 लोग मारे गए हैं और 106,962 घायल हुए हैं। उसने बताया कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि हजारों शव अभी भी मलबे में दबे हुए हैं या ऐसे क्षेत्रों में हैं जहां टीम नहीं पहुंच सकती। इजराइल और हमास के बीच जारी यह युद्ध अब तक का सबसे घातक संघर्ष है। इसमें मरने वालों की संख्या अब गाजा की युद्ध-पूर्व कुल जनसंख्या लगभग 23 लाख का दो प्रतिशत हो गई है।

बांग्लादेश में अगला चुनाव 2025 के अंत या 2026 की पहली छमाही में होने की संभावनाः यूनुस

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को कहा कि देश में अगला आम चुनाव 2025 के अंत तक या 2026 की पहली छमाही में होने की संभावना है।यूनुस ने साथ ही कहा कि चुनाव की तिथि राजनीतिक आम सहमति और इस बात पर निर्भर करेगी कि चुनाव से पहले किस हद तक सुधार किए जाने की आवश्यकता है।यूनुस ने विजय दिवस के मौके पर टेलीविजन पर प्रसारित राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा, मोटे तौर पर कहें तो चुनाव 2025 के अंत और 2026 की पहली छमाही के बीच निर्धारित होने की संभावना है। विजय दिवस 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किए जाने की याद में मनाया जाता है। भारत की ऐतिहासिक जीत के कारण बांग्लादेश को आजादी मिली थी। यूनुस ने कहा कि उन्होंने सभी से बार-बार अपील की है कि सभी बड़े सुधार होने के बाद ही चुनाव कराए जाएं। यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश ने यूनुस के हवाले से कहा, अगर राजनीतिक सहमति बनने पर हमें त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करने के आधार पर मामूली सुधारों के साथ चुनाव कराना है तो 2025 के अंत तक चुनाव हो सकते हैं।

गर्म होती दुनिया में पक्षी अपना स्वरूप बदल रहे हैं

सिकुड़ते पंख, बड़ी चोंच

भाषा। मेलबर्न

वन्य जीव के लिए, जलवायु परिवर्तन कुछ हद तक उस अंतिम बॉस जैसा है जिसका सामना नायक किसी वीडियो गेम में करता है: बड़ा, विशाल और अपरिहार्य। इस भयंकर दुश्मन ने वन्यजीवों को अपने रहने के स्थान और तरीके को बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। उच्च तापमान वन्यजीवों पर इतना दबाव डालता है कि पीढ़ी दर पीढ़ी उन्हें बदलने और खुद को ढालने के लिए मजबूर होना पड़ता है।हम यह बेहतर ढंग से समझना चाहते थे कि ऑस्ट्रेलियाई पक्षियों में परिवर्तन का यह स्वरूप किस प्रकार सामने आ रहा है।हमारे दो हालिया शोधों से पता चला है कि, तापमान वृद्धि के कारण, समय के साथ ऑस्ट्रेलियाई पक्षियों की 100 से अधिक प्रजातियों के शरीर छोटे और चोंच बड़ी हो गई हैं।जब हम आकार बदलने की बात करते हैं, तो हम वेयरवुल्फ (एक व्यक्ति जो कुछ समय के लिए भेड़िए में बदल जाता है) या एंट-मैन की बात नहीं कर रहे हैं। बल्कि, हम शरीर के आकार के छोटे होने और चोंच, पूंछ जैसे उपांगों के बड़े होने की बात कर रहे होते हैं। इससे जीवों को ज्यादा गर्मी को अधिक कुशलता से सहन करने में मदद मिलती है। जिस प्रकार रेडिएटर में गर्म पानी की पाइप परिधि के माध्यम से आंतरिक गर्मी को फैलाने में मदद करती है, उसी प्रकार पक्षियों की चोंच रक्त वाहिकाओं से जुड़ी होती है जो गर्मी को शरीर से चोंच तक स्थानांतरित करती है, जहां से यह पर्यावरण में घुल जाती है। इस तरह, रेडिएटर और चोंच दोनों के लिए, संरचना के सतह क्षेत्र को बढ़ाने से गर्मी का लोप अधिकतम हो जाता है।शरीर के आकार और गर्मी के लोप के बीच संबंध के कारण यह अनुमान लगाया गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण वक्त के साथ जानवरों के शरीर का आकार बदल जाएगा।डीकिन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने तीन वर्ष पहले एक शोधपत्र प्रकाशित किया था, जिसमें विश्व भर में विभिन्न प्रजातियों में होने वाले ऐसे परिवर्तनों के उदाहरण पेश किए गए थे। अब, हम ऑस्ट्रेलियाई पक्षियों पर केंद्रित हाल में प्रकाशित दो अध्ययनों के साथ इसको विस्तार दे रहे हैं। हमने जलवायु परिवर्तन के कारण समय के साथ शरीर के आकार के छोटा होने और चोंच के आकार में वृद्धि की पहचान की है। संयुक्त रूप से, इन अध्ययनों में ऑस्ट्रेलिया भर से पक्षियों की 100 से अधिक प्रजातियां शामिल हैं। उदाहरण के लिए, रेड नॉट्स और शार्प-टेल्ड सैंडपाइपर्स जैसे प्रवासी पक्षियों की चोंच का आकार पिछले 50 वर्षों में बढ़ गया है।पक्षियों की एक विस्तृत श्रृंखला में बड़ी चोंच और शरीर के छोटे आकार का एक ही पैटर्न पाया गया है। इनमें बत्तखों से लेकर ऑसीन (सॉन्ग बर्ड) तक शामिल हैं। सिल्वर गल और कॉमन ब्रोंजविंग दोनों की चोंच का आकार पिछली शताब्दी के मुकाबले बढ़ गया है।ऑस्ट्रेलिया में तापमान बढ़ रहा है। पक्षियों में आकार परिवर्तन और शरीर के छोटे होने से संकेत मिलता है कि वे उच्च तापमान से निपटने के लिए खुद को कैसे ढाल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन न सिर्फ पक्षियों को प्रभावित करता है, बल्कि उनके पर्यावरण को भी प्रभावित करता है। ऑस्ट्रेलिया जैसे गर्म वातावरण में, ज्यादा वक्त तक उच्च तापमान रहने से भोजन की कमी हो सकती है। यह छोटे पक्षियों के विकास में बाधा डाल सकता है। इस तरह, गर्म तापमान के बाद भोजन की कमी और विकास के अवरुद्ध होने के कारण शरीर और चोंच दोनों का आकार कम हो जाएगा। अत्यधिक तापमान की अल्पकालिक अवधि में, बड़ी चोंच होना एक बोझ हो सकता है। वातावरण से गर्म हवा वास्तव में चोंच में चली जाएगी, जिससे पक्षी के शरीर का तापमान बहुत अधिक हो जाएगा, जिसके संभावित घातक परिणाम हो सकते हैं। हालांकि, यह देखना आकर्षक हो सकता है कि आकार बदलना इस बात का प्रमाण है कि जानवर जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर अपने आप को सफलतापूर्व ढाल रहे हैं। यह एक अपरिपक्व निष्कर्ष होगा: यह हमें दिखाता है कि कुछ प्रजातियां प्रतिक्रिया दे रही हैं, लेकिन हम नहीं जानते कि ए परिवर्तन उनके अस्तित्व की संभावनाओं को कैसे प्रभावित करते हैं।

जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट के रेस्तरां में 12 भारतीय मृत मिलेः भारतीय मिशन

त्बिलिसी। जॉर्जिया के पर्वतीय रिसॉर्ट गुदौरी के एक रेस्तरां में 12 भारतीय नागरिक मृत पाए गए। यहां स्थित भारतीय मिशन ने यह जानकारी दी। जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शुरुआती जांच में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के कोई संकेत नहीं मिले। स्थानीय मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि सभी पीड़ितों की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से हुई है। त्बिलिसी में स्थित भारतीय मिशन ने कहा कि सभी 12 पीड़ित भारतीय नागरिक थे। हालांकि, जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि मृतकों में 11 विदेशी हैं जबकि एक उसका नागरिक था। बयान के मुताबिक, सभी मृतक उक्त भारतीय रेस्तरां में बतौर कर्मचारी काम कर रहे थे और उनके शव दूसरी मंजिल पर स्थित शयन कक्षों में पाए गए। भारतीय मिशन ने यहां जारी एक बयान में कहा, मिशन को अभी-अभी जॉर्जिया के गुदौरी में 12 भारतीय नागरिकों की मौत की जानकारी मिली है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना।

ब्रिटेन : भारतीय मूल व्यक्ति की मौत मामले में 12 वर्षीय लड़की के खिलाफ मुकदमा

लंदन। पूर्वी इंग्लैंड के लीसेस्टर मे भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत मामले मे सोमवार को 12 साल की एक लड़की के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का अभियोग तय किया। लीसेस्टर के पास एक पार्क मे सितंबर मे कुत्ता टहलाते समय 80 वर्षीय बुजुर्ग भीम सेन कोहली पर हमला किया गया था, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। इस मामले मे एक और व्यक्ति को अभियोजित किया गया है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग को गैर इरादतन हत्या के आरोप में लीसेस्टर मजिस्ट्रेट अदालत मे पेश किया गया। नाबालिग होने की वजह से उसका नाम उजागर नही किया गया है। कोहली की मौत मामले मे एक नाबालिग लड़के को भी हिरासत मे किया गया था। घटना के समय उसकी उम्र करीब 14 साल थी और इस समय वह अब भी हिरासत मे है। पुलिस ने बताया, भीम कोहली की सितंबर मे हुई मौत मामले मे 12 साल की एक लड़की पर आरोप लगाया गया है।

पाकिस्तान ने आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की हैः अमेरिकी रिपोर्ट

इस्लामाबाद। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की एक रिपोर्ट मे कहा गया है कि पाकिस्तान ने आतंकवादी गतिविधियो के वित्तपोषण और क्षेत्रीय चरमपंथी नेटवर्क से निपटने की दिशा मे उल्लेखनीय प्रगति की है। मंत्रालय ने 2023 मे आतंकवादी हमलो के तेजी से बढ़ने सहित पाकिस्तान के समक्ष बड़ी सुरक्षा चुनौतियो पर भी प्रकाश डाला है। डॉन समाचार पत्र ने कहा कि इस सप्ताह जारी की गई रिपोर्ट मे 2023 मे धनशोधन और आतंकवादी गतिविधियो के वित्तपोषण संबंधी अपने ताजा राष्ट्रीय जोखिम आकलन (एनआरए) को पूरा करने के लिए पाकिस्तान की सराहना की गई है। एनआरए के तहत 87 आतंकवादी संगठनो का आकलन किया गया और आतंकवाद के वित्तपोषण के प्रमुख स्रोतो के रूप मे चंदे और जबरन वसूली की पहचान की है। आकलन के अनुसार, पाकिस्तान मे 41 समूह सक्रिय है, जो नकद कूरियर और अवैध धन हस्तांतरण सेवाओ का लाभ उठाते है।

भारतीयों के लिए पर्यटन केंद्र के रूप में दक्षिण अफ्रीका में अपार संभावनाएं हैः मंत्री

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की पर्यटन मंत्री पैट्रीसिया डी लिली ने हाल मे भारत की यात्रा से लौटने के बाद कहा कि भारतीय बाजार के लिए एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप मे दक्षिण अफ्रीका मे अपार संभावनाएं है। डी लिली ने भारत मे दक्षिण अफ्रीका के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य भारतीय पर्यटन व्यापारियो, टूर ऑपरेटर और संघो, कारोबारी दिग्गजो और मीडिया के साथ सीधे संपर्क स्थापित करना था। इस मकसद था कि भारत से दक्षिण अफ्रीका आने वाले पर्यटको की संख्या मे बढ़ोतरी के लिए निकट सहयोग से काम किया जा सके। डी लिली ने कहा, इस मिशन का उद्देश्य पर्यटन उद्योग के दिग्गजो और पर्यटन मूल्य श्रृंखला मे अन्य प्रासंगिक हितधारको के साथ संवाद के माध्यम से संबंध बनाना तथा पर्यटन को आर्थिक विकास के एक उपकरण के रूप मे महत्व देना था। उन्होने दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता के दौरान यहां पर्यटन संबंधी स्थलो को बढ़ावा देने पर भी टिप्पणी की। दक्षिण अफ्रीका ने इस वर्ष एक दिसंबर को ब्राजील से जी-20 समूह की अध्यक्षता संभाली।

दुनिया में छाया ढुकरा के मेरा प्यार

मुंबई। यूपी की कहानी, बिहार की बेटी अब डिज़्नी हॉटस्टार पर इंडिया का नंबर 1 शो बन गया है। हॉटस्टार स्पेशल्स 'ढुकरा के मेरा प्यार' पिछले चार सालों में डिज़्नी हॉटस्टार पर सबसे ज्यादा सब्सक्राइब किया जाने वाला शो और 2024 में सबसे ज्यादा देखा गया शो बन गया है। यह सफलता शो के लॉन्च के पहले सोलह दिनों में स्ट्रीम की गई घंटों की संख्या पर आधारित है। भारतीय दिलों को छूने वाले इस शो में होनहार और युवा प्रतिभाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है, जिन्होंने 'ढुकरा के मेरा प्यार' के जरिए खुद को साबित किया है। कमल पांडे द्वारा लिखित और सचिन पांडे के बॉम्बे शो स्टूडियोज द्वारा निर्मित इस अनोखी कहानी का निर्देशन श्रद्धा पासी जयरथ ने किया है। पीछा करने और प्यार की इस असाधारण कहानी में धवल ठाकुर और संचिता बशु जैसे नये कलाकारों ने अभिनय किया है, जबकि अनिरुद्ध दवे और कपिल कनपुरिया जैसे लोकप्रिय कलाकारों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। जियोस्टार में हिन्दी पेशल्स फॉर स्ट्रीमिंग के हेड विवेक श्रीवास्तव ने कहा, ''ढुकरा के मेरा प्यार' को मिली शानदार प्रतिक्रिया से हम खुश हैं। इस शो के साथ हम आज के युवाओं की भावनाओं एवं अनुभवों से जुड़ना चाहते थे। हमें इसका प्रोडक्शन स्टाइल भी आधुनिक रखना था और आखिरकार हमारी सभी अपेक्षाओं से बढ़कर नतीजे मिले। यह शो धवल ठाकुर और संचिता बशु जैसी उभरती प्रतिभाओं के लिये एक मंच भी बना। उन्होंने अपनी कला से दर्शकों का दिल जीत लिया।

रोबोटिक्स कंपनी ने 10 मिलियन डॉलर का निवेश प्राप्त किया

ग्लोबल। इन्वेस्टमेंट राउंड की अगुआई पेवस्टोन और एथेरा वेंचर पार्टनर्स पूर्व में इन्वेंटस इंडिया ने की। जबकि इस राउंड में मौजूदा निवेशकोंए स्पेश्याले इन्वेस्टए इन्फोएज रेडस्टार्ट आदि ने भी हिस्सा लिया।इस निवेश का उपयोग टीम और सप्लाई चेन नेटवर्क के विस्तार तथा हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर क्षमताएं बढ़ाने के लिए किया जाएगा ताकि ग्राहकों के अनुभव में सुधार हो एवं लागत में कमी आए ।भारतरू भारतीय डीपटेक रोबोटिक्स स्टार्टअप, ब्लदस्त साइबरनेटिक्स लेबोरेटरी ने पेवस्टोन और एथेरा वेंचर पार्टनर्स पूर्व में इनवेंटस इंडियाद्ध के नेतृत्व में सीरीज ए फंडिंग के नए राउंड में 10 मिलियन,74 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त किया । इस निवेश के बाद कंपनी की कुल फंडिंग अब 15.2 मिलियन की हो गई है। फंड रेज़िंग के इस राउंड में मौजूदा निवेशकों स्पेश्याले इन्वेस्ट, इन्फोएज ;रेडस्टार्टद्ध आदि ने भी हिस्सा लिया। ब्लदस्त द्वारा मूलभूत टेक्नोलॉजी में सुधार लाया जा रहा हैए ताकि रोबोट किसी भी आकृतिए रंग, आकार और रूप की अपरिचित वस्तुओं को ठीक उसी तरह पहचान सके जैसे एक शिशु करता है। रोबोटिक्स में चार दशक से चली आ रही इस समस्या का समाधान श्यूनिवर्सल फैक्ट्रीज की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । ब्लदस्त को पिछले एक साल में देश से लगभग 15नौकरी के आवेदन मिले, जिनमें मुख्य इंजीनियरिंग टैलेंट से लेकर रिसर्च और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट तक शामिल हैं। ब्लदस्त अब अपनी 60 सदस्यों की मुख्य टीम को 120 सदस्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय टीम में बदलने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य भारत के टियर.2 शहरों से वैश्विक योग्यता रखने वाली प्रतिभाओं को लेकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लाना है।

इंफ्रास्ट्रक्चर विजन को नई दिशा देगा बौमा कॉनेक्सपो

जीएनटी। बौमा कॉनेक्सपो इंडिया 2024 ने भारत के निर्माणए खनन और इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योगों के लिए एक परिवर्तनकारी मापदंड स्थापित किया है। 11 से 14 दिसंबर 2024 तकए ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में आयोजित इस संस्करण ने देश के इंफ्रास्ट्रक्चर सफर में माइलस्टोन साबित हुआ।135ए000 वर्ग मीटर से अधिक प्रदर्शनी क्षेत्र में बौमा कॉनेक्सपो इंडिया 2024 ने अत्याधुनिक नवाचारों का प्रदर्शन कियाए जिससे 83 देशों से 51,118 व्यापारिक आगंतुक आकर्षित हुए। इस व्यापार मेला ने 6ए298 प्रभावशाली खरीदार.विक्रेता बैठकों को बढ़ावा दिया और 20ए000 से अधिक अग्रणी उत्पादों और समाधानों का अनावरण कियाए जिससे भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाए गए। 984 प्रदर्शकों के साथ यह मेले ने नवाचारए सहयोग और सतत विकास के लिए एक गतिशील मंच तैयार कियाए और इसे उत्तर भारत के सबसे बड़े निर्माण व्यापार मेले के रूप में अपनी पहचान बनाई। इस व्यापार मेले का उद्घाटन भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रीए नितिन गडकरी ने किया। उद्घाटन अवसर पर दीप जलाकर उन्होंने इस आयोजन की शुरुआत की।

बल्लेबाजों ने फिर किया निराश, भारत पर संकट

● ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टेस्ट : बारिश के खलल के बीच भारत ने 51 रन तक चार विकेट गंवाए

भाषा। ब्रिसबेन

भारतीय बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में असमर्थ रहे जिससे मेहमान टीम तीसरे क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित तीसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी में 51 रन तक चार विकेट गंवाकर संकट में है। बारिश के लगातार खलल के बीच कई बार खेल रुका और फिर शुरू हुआ। जसप्रीत बुमराह ने 76 रन देकर छह विकेट चटकाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 445 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 405 रन से आगे खेलते हुए 40 रन और जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट भी गंवा दिए। एलेक्स कैरी ने 88 गेंद में 70 रन की पारी खेली। वह आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जबकि कल ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने विपरीत अंदाज में शतक जड़कर ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर की नींव रखी थी।स्टंप के समय भारत के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल 33 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि दूसरे छोर पर कप्तान रोहित शर्मा उनका साथ निभा रहे हैं जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है।भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 394 रन से पीछे है जबकि उसके सिर्फ छह विकेट शेष हैं और मेहमान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती फॉलोआन बचाने की है। ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर के जवाब में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (25 रन पर दो विकेट) ने दो और जोश हेजलवुड (17 रन पर एक विकेट) ने एक विकेट चटकाया जिससे भारत ने लंच तक 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (सात रन पर एक विकेट) ने दूसरे सत्र में ऋषभ पंत (09) का बड़ा विकेट लेकर भारत की हालत और खराब कर दी। भारतीय पारी के दौरान ऑस्ट्रेलियाई दबदबे के बीच कई बार बारिश के कारण खेल रोका गया और फिर शुरू हुआ लेकिन अधिक ओवर नहीं फेंके जा सके। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि मेजबान टीम ने विकेट के आगे से ज्यादा क्षेत्ररक्षक विकेट के पीछे खड़े किए थे। कमिंस ने पंत को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराके भारत को चौथा झटका दिया जिसके कुछ देर बार बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और फिर चाय का विश्राम लिया गया। चाय और समापन के बीच तीन ओवर भी नहीं फेंके जा सके। स्टार्क ने इससे पहले भारतीय पारी की दूसरी गेंद पर ही यशस्वी जायसवाल (04) को शॉर्ट मिडविकेट पर मिचेल मार्श के हाथों कैच कराया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में शुभमन गिल (01) भी स्लिप में मार्श को कैच दे बैठे जबकि हेजलवुड ने विराट कोहली (03) को लंच से ठीक पहले विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराके भारत को तीसरा झटका दिया। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह सात विकेट पर 405 रन से आगे खेलना शुरू किया।

सिराज दर्द के बावजूद से गेंदबाजी की: बुमराह

ब्रिसबेन। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सोमवार को खुलासा किया कि मोहम्मद सिराज दर्द में होने के बाद बावजूद गेंदबाजी कर रहे है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट में चोटिल होने के बावजूद गेंदबाजी करने पर सिराज की तारीफ की। सिराज ने इस टेस्ट मैच की पहली पारी में 23.2 ओवर में दो विकेट लिए। बुमराह ने कहा कि सिराज ने दर्द में होने के बावजूद टीम का साथ दिया। बुमराह ने इस मैच में एक बार फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए 76 रन देकर छह विकेट लिए।बुमराह ने मैच के तीसरे दिन कहा, हमने इस बार मे बात की है। यह बातचीत हालांकि यहां (ब्रिसबेन) आने से पहले हुई थी। वह पर्थ (पहले टेस्ट) और फिर पिछले मैच मे वह बहुत अच्छी स्थिति मे था। उन्होंने कहा, वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और उसने कुछ विकेट भी लिए है। इस मैच मे भी मैच उसे श्रेय देन चाहूंगा क्योकि उसने दर्द मे होने के बावजूद गेंदबाजी जारी रखी क्योकि उसे पता है कि वह अगर ड्रेसिंग रूम मे चला गया और गेंदबाजी नही की तो इससे टीम की मुश्किले बढ़ जाएंगी।

ईशा ने बुमराह को प्राइमेट कहने के लिए माफी मांगी

ब्रिसबेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां तीसरे क्रिकेट टेस्ट के दौरान भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को प्राइमेट (मनुष्य जैसा जानवर) कहने वाली इंग्लैंड की पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर ईशा गुहा ने सोमवार को अपनी नस्लवादी टिप्पणी के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि गेंद के साथ भारतीय तेज गेंदबाज के शानदार प्रदर्शन का वर्णन करने के लिए गलत शब्द चुनने के लिए उन्हें बेहद खेद है। ईशा ने यह टिप्पणी रविवार को टेस्ट के दूसरे दिन बुमराह द्वारा ऑस्ट्रेलिया के दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करने के बाद ब्रेट ली द्वारा भारतीय गेंदबाज की प्रशंसा के जवाब में की थी। ईशा ने फॉक्स क्रिकेट के लिए कमेंट्री करते हुए कहा था, ठीक है, वह एमवीपी (सबसे बहुमूल्य खिलाड़ी) है, है ना? सबसे मूल्यवान प्राइमेट, जसप्रीत बुमराह। वह है जो भारत को सफलता दिला रहा है और इसलिए टेस्ट मैच की तैयारी में उस पर इतना ध्यान था कि क्या वह फिट होगा। ईशा द्वारा प्राइमेट शब्द के इस्तेमाल ने सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा कर दिया क्योंकि प्रशंसकों ने उनकी आलोचना की और इस 39 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी को माफी मांगने के लिए मजबूर किया। ईशा ने तीसरे दिन के खेल की शुरुआत में कमेंट्री के दौरान कहा, कल कमेंट्री में मैंने एकऐसे शब्द का इस्तेमाल किया जिसका कई अलग-अलग तरीकों से मतलब निकाला जा सकता है। मैं किसी भी तरह की ठेस पहुंचाने के लिए माफी मांगना चाहूंगी।

स्कोरबोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी :ख्वाजा का पंत बो बुमराह 21,मैकस्वीनी का कोहली बो बुमराह 09,लाबुशेन का कोहली बो रेड्डी 12, स्मिथ का रोहित बो बुमराह 101,हेडका पंत बो बुमराह 152,मार्श का कोहली बो बुमराह 05, कैरी का गिल बो आकाश दीप 70, कमिंस का पंत बो सिराज 20,स्टार्क का पंत बो बुमराह 18,लियोन बो सिराज 02,हेजलवुड नाबाद 00,अतिरिक्त: 35,**कुल योग**: (117.1 ओवर मे सभी विकेट खोकर) 445 रन,**विकेट पतन**: I-31, 2-38, 3-75, 4-316, 5-326, 6-327, 7-385, 8-423, 9-445,**गेंदबाजी**:बुमराह28-9-76-6,सिराज 23.2-5-97-2,आकाश दीप 24.4-5-78-0,रेड्डी,13-I-65-I,जडेजा 23-2-95-0

भारत पहली पारी:यशस्वी का मार्श बो स्टार्क 04,राहुल खेल रहे है 33,गिल का मार्श बो स्टार्क 01,कोहली का कैरी बो हेजलवुड 03,पंत का कैरी बो कमिंस 09, रोहित खेल रहे है 00,अतिरिक्त: 01,कुल: 17 ओवर मे चार विकेट पर: 51 रन,**विकेट टपतन**: I-4,2-6,3-22,4-44,गेंदबाजी:स्टार्क 8-I-25-2,हेजलवुड 5-2-17-I,कमिंस 2-0-7-I,लियोन I-0-I-0, हेड I-0-I-0

शिरीष ने पहली बार राष्ट्रीय निशानेबाजी खिताब जीता

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की युवा निशानेबाज रिया शिरीष थाटे ने कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी में सोमवार को यहां 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) मे शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा जीती। रिया ने स्वर्ण पदक के लिए शूट ऑफ मे पंजाब की सिमरनप्रीत कौर बराड़ को 7-2 से हराया। ओलंपियन और एशियाई खेलों की चैंपियन रही सरनोबत तीसरे स्थान पर रही।सिमरनप्रीत ने इससे पहले जूनियर महिला वर्ग का खिताब जीता। उन्होंने हरियाणा की पायल को शूट ऑफ मे 52 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। रिया ने इस वर्ग मे कांस्य पदक हासिल किया।

ब्लास्टर्स ने मुख्य कोच स्टाहरे को बर्खास्त किया

कोच्चि। केरल ब्लास्टर्स एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल में लगातार खराब प्रदर्शन के बाद अपने मुख्य कोच मिकाएल स्टाहरे की सेवाओं को सोमवार को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की घोषणा की। स्टाहरे के साथ सहायक कोच ब्योर्न वेस्ट्रॉम और फ्रेडरिको परेरा मोराइस ने भी क्लब छोड़ दिया है। क्लब से जारी बयान के मुताबिक, क्लब केरल ब्लास्टर्स एफसी स्टाहरे, ब्योर्न और फ्रेडरिको के टीम मे योगदान के लिए धन्यवाद देता है। हम उनके सफल भविष्य की कामना करते है।

थॉमस ने कोर्न फेरी टूर का कार्ड हासिल किया

पोंटे वेद्रा (फ्लोरिडा)। भारत के रेहान थॉमस ने 2025 के लिए कोर्न फेरी टूर का कार्ड (प्रतियोगिता मे भागीदारी) अर्जित किया है। कोर्न फेरी टूर अमेरिका मे आयोजित होने वाली पीजीए टूर से निचले स्तर की प्रतियोगिता है। दुबई मे रहने वाले रेहान घरेलू टूर मे भी विजेता रहे है। वह इस साल की शुरुआत मे पेशेवर बने थे। पीजीए टूर क्वालीफाइंग स्कूल के अंतिम चरण मे थॉमस ने 70-72-71-68 के राउंड से कुल एक ओवर 281 का कार्ड खेला और संयुक्त 26वें स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता के शीर्ष पांच मे रहने वाले खिलाड़ियों ने पीजीए टूर के लिए क्वालीफाई किया।

मणिपुर सेमीफाइनल में, ओडिशा ने तमिलनाडु को बराबरी पर रोका

नारायणपुर (छत्तीसगढ़)। गत चैंपियन मणिपुर ने सोमवार को यहां दूसरे हाफ मे शानदार प्रदर्शन से राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी के लिए खेली जा रही 29वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप मे झारखंड को 5-0 से हराकर के सेमीफाइनल मे जगह पक्की की।नाओरेम प्रियंगका देवी और डांगमेई ग्रेस ने दो-दो गोल किए, जबकि असेम रोजा देवी मणिपुर के लिए पांचवां गोल दागा। इस जीत से मणिपुर के नौ अंक हो गए है और वह ग्रुप तालिका मे शीर्ष पर है। टीम ने तमिलनाडु के खिलाफ एक मैच बाकी रहते अंतिम चार मे अपनी जगह पक्की कर ली है।

सेना और बंगाल की संतोष ट्रॉफी में आसान जीत

हैदराबाद। मौजूदा चैंपियन सेना और पूर्व चैंपियन पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी के लिए खेले जा रही राष्ट्रीय फुटबाल चैंपियनशिप के ग्रुप ए मे सोमवार को यहां आसान जीत दर्ज की। पश्चिम बंगाल ने मेजबान तेलंगाना को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत के साथ अंक तालिका मे अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, जबकि गत चैंपियन सेना ने आखिरकार अच्छा प्रदर्शन किया और जम्मू-कश्मीर पर 4-0 से जीत के साथ अपना खाता खोला। जम्मू कश्मीर की यह लगातार दूसरी हार है।

बदलाव के दौर से गुजर रही है भारतीय टीम : बुमराह

● एक दूसरे पर ऊंगली नही उठाएंगे

भाषा। ब्रिसबेन

जसप्रीत बुमराह ने आस्ट्रेलिया में खराब दौर से जूझ रही भारतीय टीम का बचाव करते हुए अपने पर अतिरिक्त दबाव की बात को खारिज किया और कहा कि टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और अनुभवी होने के नाते अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाना उनका काम है। गाबा पर तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर गेंदबाजी का गलत फैसला लेने के बाद भारत ने बुमराह के छह विकेट के बावजूद मेजबान को पहली पारी में 445 रन बनाने दिए। जवाब में वर्षाबाधित तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने चार विकेट 51 रन पर गंवा दिए थे। बल्लेबाजों की तकनीक और बुमराह के अलावा गेंदबाजों के स्तर पर इसके बाद सवाल उठने लगे हैं। बुमराह ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी के बारे में पूछने पर मीडिया से कहा , एक टीम के रूप में हम एक दूसरे पर सवाल नहीं उठाते। हम उस मानसिकता में नहीं पड़ना चाहते जहां एक दूसरे पर ऊंगली उठाई जाए। उन्होंने कहा , हम एक टीम के रूप में बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। नए खिलाड़ी आ रहे हैं और क्रिकेट खेलने के लिए यह सबसे आसान जगह नहीं है। विकेट अलग तरह की है और माहौल अलग है। अब तक इस श्रृंखला में 18 विकेट ले चुके बुमराह ने कहा , गेंदबाजी ईकाई के तौर पर हम बदलाव के दौर में है लिहाजा दूसरों की मदद करना मेरा काम है।

गुकेश का चेन्नई पहुंचने पर भव्य स्वागत

भाषा। चेन्नई

विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश का सोमवार को यहां हवाई अड्डे पर सैकड़ों उत्सुक प्रशंसकों, तमिलनाडु सरकार और राष्ट्रीय महासंघ के अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया।अठारह वर्षीय गुकेश ने पिछले सप्ताह सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया और रूस के गैरी कास्परोव के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। कास्परोव 1985 में 22 साल की उम्र में विश्व चैंपियन बने थे। स्वदेश लौटने पर गुकेश ने उनका समर्थन करने के लिए सभी का धन्यवाद किया। मीडिया और प्रशंसकों के बीच इस युवा खिलाड़ी को करीब से देखने के लिए लगी होड़ के बीच गुकेश ने कहा, यह शानदार है। आपके समर्थन ने मुझे बहुत ऊर्जा दी। विश्व चैंपियनशिप जीतना एक शानदार अहसास है। उन्होंने कहा, भारत में ट्रॉफी वापस लाना बहुत मायने रखता है। इस स्वागत के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में हम साथ मिलकर जश्न मनाकर अच्छा समय बिताएंगे।

विश्व चैम्पियनशिप में मानसिक, भावनात्मक दबाव से निपटना महत्वपूर्णः गुकेश

चेन्नई। विश्व चैम्पियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सोमवार को यहां कहा कि शतरंज सिर्फ 64 खानो की बिसात वाले खेल की रणनीति के बारे में नही है और विश्व चैम्पियनशिप में उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान भावनात्मक दबाव पर काबू पाने में मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने उनकी काफी मदद की। चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र मे चैम्पियन बनने वाले 18 वर्षीय गुकेश सोमवार को यहां पहुंचे। यहां पहुंचने पर प्रशसको और अधिकारियो ने उनका जोरदार स्वागत किया। गुकेश ने अपने बचपन के स्कूल वेलाम्मल विद्यालय द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, विश्व चैपियनशिप सिर्फ शतरंज के चालो के बारे में नही है। इससे निपटने के लिए बहुत सारे मानसिक और भावनात्मक दबाव होते है। पैडी ने इस मामले में मेरी काफी मदद की है। अपटन एक जाने माने मानसिक अनुकूलन कोच है।

क्विक न्यूज

कोहली को मुश्किलों से उबरने के लिए सिडनी में तेंदुलकर की 241 रन की पारी को देखना चाहिए: गावस्कर

ब्रिसबेन। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने सोमवार को भारत के सुपरस्टार विराट कोहली से कहा कि वह 2004 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंदुलकर की यादगार 241 रन की पारी से प्रेरणा ले और ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदो के खिलाफ अपने लगातार संघर्ष को खत्म करने के लिए कवर ड्राइव खेलने से परहेज करें। ब्रिसबेन टेस्ट के बारिश से प्रभावित तीसरे दिन कोहली एक बार फिर असफल रहे जब जोश हेजलवुड ने उन्हे तीन के निजी स्कोर पर विकेट के पीछे कैच करा दिया। भारत ने तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किए जाने पर 51 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे।गावस्कर ने कहा कि कोहली को अपने हीरो तेंदुलकर से आगे देखने की जरूरत नही है जिन्होंने एससीजी मे 33 चौको की मदद से 436 गेंद पर 241 रनो की असाधारण पारी खेली थी जबकि वह भी 2003-04 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान विकेट के पीछे कैच आउट होने की समस्या से जूझ रहे थे।

पारस गुप्ता ने जीता तनुज कोहली मेमोरियल नॉर्थ इंडिया ओपन स्नूकर टूर्नामेंट का खिताब

लखनऊ। आगरा के पारस गुप्ता ने तनुज कोहली मेमोरियल नॉर्थ इंडिया ओपन स्नूकर टूर्नामेंट के फाइनल में हरियाणा के दिग्विजय कादियान को रोमांचक मैच में 5-2 से हराकर विजेता ट्रॉफी जीत ली। यूपीबीएसए ;उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स एंड स्नूकर एसोसिएशन के तत्वावधान में कोहली परिवार द्वारा प्रायोजित व ग्रीन बैज़ स्नूकर एकेडमी फैजाबाद रोड लखनऊ में आयोजित टूर्नामेंट के फाइनल में भारत के दूसरी रैंकिंग खिलाड़ी व नेशनल गेम्स चैंपियन पारस गुप्ता ने पहले चार फ्रेम लगातार जीतकर असाधारण सटीकता और आत्मविश्वास दिखाया। उन्होंने त्रुटिहीन पॉटिंग और रणनीतिक खेल से कादियान पर दबाव बनाया और 4-0 की बढ़त से ऐसा लगा कि मैच जल्दी खत्म हो जाएगा। हालांकि अपने शांत स्वभाव और जुझारू प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध पूर्व जूनियर नेशनल चैंपियन दिग्विजय कादियान ने वापसी की। समापन समारोह में मुख्य अतिथि यूपीबीएसए के अध्यक्ष कुश भार्गव व विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष नितिन कोहली ने विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 658 रन का लक्ष्य दिया

हैमिल्टन। केन विलियमसन के 156 रन की मदद से न्यूजीलैंड ने 657 रन की विशाल बढत बनाने के बाद इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजो को सस्ते में आउट करके तीसरे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली। इंग्लैंड को एक और झटका लगा जब कप्तान बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग चोट के फिर उभरने से मैदान से चले गए। विलियमसन ने अपने कैरियर का 33वां और सेडोन पार्क पर सातवां शतक लगाया। अपने घरेलू मैदान पर यह उनका लगातार पांचवां शतक था। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 453 रन बनाए जबकि पहली पारी में उसके पास 204 रन की बढत थी। इंग्लैंड ने पांच ओवर खेलकर दो विकेट 18 रन पर गंवा दिए। टिम साउदी ने बेन डकेट (चार) को दूसरे ओवर में आउट किया।

बांग्लादेश ने पहले टी20 में वेस्टइंडीज को सात रन से हराया

किंग्सटाउन (सेंट विन्सेंट)। बल्लेबाजो और गेंदबाजो के ऑलराउंड प्रदर्शन से बांग्लादेश ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचो की टी20 श्रृंखला के रोमांचक पहले मुकाबले में सात रन की जीत के साथ I-0 की बढ़त बना ली। बांग्लादेश के छह विकेट पर 147 रन के स्कोर का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 12वें ओवर में सात विकेट पर 61 रन बनाकर संकट में थी। कप्तान रोवमैन पावेल ने हालांकि 35 गेंद में पांच चौको और चार छक्को से 60 रन की पारी खेलकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया लेकिन मेजबान टीम 19.5 ओवर में 140 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के लिए तेज गेंदबाज हसन महमूद (18 रन पर दो विकेट) ने आखिरी ओवर में शानदार प्रदर्शन किया और पावेल को आउट किया और फिर दो गेंद बाद अल्जारी जोसेफ (09) को बोल्ड करके मैच खत्म किया।मेहमान टीम के लिए मेहदी हसन ने 13 रन पर चार विकेट चटकाए। इससे पहले सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार 32 गेंदों पर दो चौको और तीन छक्को की मदद से 43 रन बनाकर बांग्लादेश के लिए शीर्ष स्कोरर रहे।

लोंग, मनिका की टीम एशिया वाल्डनर कप चैम्पियन

ओस्लो। भारत की टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा सितारो से सजी टीम एशिया का हिस्सा थी जिसने यहां वाल्डनर कप के पहले आयोजन मे टीम वर्ल्ड को हराया। टीम एशिया मे मनिका के अलावा टेबल टेनिस के दिग्गज चीन के मा लोंग, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन मेंग, दक्षिण कोरिया के शिन युबिन और कजाकिस्तान के किरिल गेरासिमेंको शामिल थे। टीम एशिया ने रविवार को टीम वर्ल्ड को 14-0 से हराया। टीम वर्ल्ड मे ट्रुल्स मोरेगार्ड, दिमित्रिज ओवत्चारोव, ह्यूगो काल्डेरानो, एड्रियाना डियाज़ और बर्नाडेट स्जोक्स जैसे खिलाड़ी थे। मनिका रविवार को एड्रियाना से अपना मैच हार गई थी।

सेना और बंगाल की संतोष ट्रॉफी में आसान जीत

हैदराबाद। मौजूदा चैंपियन सेना और पूर्व चैंपियन पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी के लिए खेले जा रही राष्ट्रीय फुटबाल चैंपियनशिप के ग्रुप ए मे सोमवार को यहां आसान जीत दर्ज की। पश्चिम बंगाल ने मेजबान तेलंगाना को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत के साथ अंक तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, जबकि गत चैंपियन सेना ने आखिरकार अच्छा प्रदर्शन किया और जम्मू-कश्मीर पर 4-0 से जीत के साथ अपना खाता खोला।जम्मू कश्मीर की यह लगातार दूसरी हार है और वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। तेलंगाना ने अपना पहला मैच राजस्थान के खिलाफ ड्रॉ खेला था और वह एक अंक लेकर पांचवे स्थान पर है।

फुटवियर में नवाचार को बढ़ावा

नोएडा। रिलेक्सो फुटवियर्स लिमिटेड ने प्रतापगढ़ में नए एक्सक्लुज़िव ब्राण्ड आउटलेट की घोषणा की है। जो उपभोक्ताओं को स्टाइलिश और आरामदायक फुटवियर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे उत्तर प्रदेश में रिलेक्सो की रीटेल मौजूदगी और अधिक सशक्त होगीए जहां ब्राण्ड के 108 आउटलेट्स हैंए ऐसे में यह कंपनी की रीटेल योजनाओं के लिए मुख्य क्षेत्र है। प्रतापगढ़ में नया ईबीओ रिलेक्सो के प्रमुख ब्राण्ड्स जैसे फ्लाईट स्पार्क्सए और बाहमास की ओर से प्रोडक्ट्स की व्यापक रेंज के साथ उपभोक्ताओं को खरीदारी का सहज अनुभव प्रदान करेगा। आउटलेट में हर प्रकार के उपभोक्ताओं की पंसद को ध्यान में रखते हुए उच्च गुणवत्ता के फुटवियर्स की व्यापक रेंज पेश की गई है जिसमें रोज़मर्रा से लेकर ट्रैंडी डिज़ाइन के स्टाइलिश और आरामदायक फुटवियर शामिल हैं। इस आउटलेट के लॉन्च के साथ रीलेक्सो का रीटेल फुटप्रिन्ट अब देश भर में 408 स्टोर्स तक फैल चुका हैए जो शहरों और कस्बों में प्रीमियम और उच्च गुणवत्ता के फुटवियर्स उपलब्ध कराने की ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ब्राण्ड उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने तथा स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने के प्रयास में अपनी मौजूदगी का विस्तार जारी रखे हुए है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 में क्षेत्ररक्षण का खामियों को दूर करने उतरेगा भारत

नवी मुंबई। श्रृंखला के पहले मैच में 49 रन से जीत दर्ज करने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में क्षेत्ररक्षण की अपनी खामियों को दूर करने की कोशिश करेगी। ऑस्ट्रेलिया में अपने अंतिम एकदिवसीय मुकाबले और रविवार को यहां हुए पहले टी20 मैच के बीच कम समय के बावजूद भारत ने शानदार प्रदर्शन किया और कैरेबियाई टीम के खिलाफ टी20 मुकाबलों में अपनी जीत का सिलसिला नौ मैच तक पहुंचा दिया। क्षेत्ररक्षण हालांकि एक बार फिर टीम का कमजोर पक्ष रहा जब जेमिमा रोड्रिग्स, स्मृति मंधाना और साइमा ठाकोर ने एक-एक कैच टपकाया। साइमा ने कियाना जोसेफ (49) का कैच उस समय छोड़ा जब वह 34 रन बनाकर खेल रही थी। डिएंड्रा डॉटिन (28 गेंद में 52 रन, चार चौके, तीन छक्के) को जेमिमा और मंधाना ने जीवनदान दिए।कप्तान हरमनप्रीत की जगह क्षेत्ररक्षण के लिए उतरी मीनु मनि ने हालांकि शानदार प्रदर्शन किया।टीम ने हालांकि यह नहीं बताया कि हरमनप्रीत क्यों वेस्टइंडीज की पारी के दौरान अधिकांश समय क्षेत्ररक्षण के लिए नहीं उतरीं।

गली क्षेत्र में क्षेत्ररक्षण के दौरान नर्वस रहता हूं: मार्श

ब्रिस्बेन। आस्ट्रेलिया के हरफनमौला मिशेल मार्श ने सोमवार को स्वीकार किया कि वह क्षेत्ररक्षण के दौरान गली क्षेत्र में खड़े रहने के दौरान काफी नर्वस (घबराहट होना) रहते हैं क्योंकि इस स्थान पर कैमरून ग्रीन ने टीम के लिए शानदार काम किया है। ग्रीन रीढ़ की हड्डी में चोट के कारण मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। मार्श ने गली क्षेत्र में शानदार क्षेत्ररक्षण के साथ उनकी कमी को महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने यहां तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन सोमवार को मिचेल स्टार्क की गेंद पर भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल का हवा में छलांग लगाकर शानदार कैच लपका। मार्श ने कहा, मुझे लगता है कि जब से मैं टेस्ट टीम में वापस आया हूं, गली में क्षेत्ररक्षण करते समय मैं सबसे अधिक घबराहट महसूस करता हूं। इस स्थान के लिए ग्रीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। आप उस स्थान अगर कोई कैच टपका देंगे तो आपकी तुलना ग्रीन से की जाएगी। मैं खेल के दौरान किसी भी समय ऐसा कर सकता हूं। ईमानदारी से कहूं तो शायद मुझे डाइव लगाने की जरूरत भी नहीं थी लेकिन मैंने सोचा कि थोड़ा सा समय है तो यह मजेदार होगा।

इलेक्ट्रानिक मीडिया फिर बना चैंपियन

एसबीआई कप मीडिया प्रीमियर लीग 2024.25

लखनऊ । मैन ऑफद मैच मयूर शुक्ला-93 रन, 4 विकेट के दमदार आलराउंड खेल की सहायता से इलेक्ट्रानिक मीडिया एकादश ने एसबीआई कप मीडिया प्रीमियर लीग 2024-25 में खिताबी जीत दर्ज की। लखनऊ स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन ;एलएसजेएद्ध के तत्वाधान में एसोसिएशन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में पहली बार मीडिया क्रिकेट का फाइनल दूधिया रोशनी में खेला गया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने टाइम्स ऑफइंडिया को 63 रन से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा बरकरार रखा। इलेक्ट्रानिक मीडिया एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 158 रन का स्कोर बनाया। मयूर शुक्ला ने 62 गेंदों पर 8 चौके व 3 छक्के से 93 रन की पारी खेली। जवाब में टाइम्स ऑफ इंडिया 16‍2 ओवर में 95 रन पर आल आउट हो गया। ऋषि सिंह सेंगर 14,राजीव श्रीवास्तव 11,जुहैब 18 व शलभ सक्सेना 13 ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। मयूर शुक्ला ने 4 विकेट अपने नाम किए। तरुण सिंह को 2 विकेट मिले। विशिष्ट पुरस्कारों में मैन ऑफद टूर्नामेंट मयूर शुक्ला, सर्वश्रेष्ठ बैटर देवेश पाण्डेय व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज विमलेश कुमार चुने गए। समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अनिल कुमार महाप्रबंधक नेटवर्क 1 भारतीय स्टेट बैंक, लखनऊ सहित विशिष्ट अतिथि डा.नवनीत सहगल चेयरमैन, प्रसार भारती व उत्तर प्रदेश सरकार के सचिव खेल सुहास एलवाई ने विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। इससे पूर्व एलएसजेए के अध्यक्ष धर्मेंद्र पाण्डेय, सचिव एसएम अरशद और आयोजन सचिव दिव्य नौटियाल ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार जताया।

उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज अंकित राजपूत ने 31 साल की उम्र में संन्यास लिया

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज अंकित राजपूत ने विदेशी टी20 लीग में संभावनाएं तलाशने के लिए सोमवार को 31 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।हाल में रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले राजपूत ने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की। राजपूत ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं आज बेहद कृतज्ञता और विनम्रता के साथ भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। वर्ष 2009 से 2024 तक मेरी क्रिकेट यात्रा मेरे जीवन का सबसे शानदार समय रहा है। मुझे अवसर प्रदान करने के लिए मैं भारतीय क्रिकेट बोर्ड , उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ और कानपुर क्रिकेट संघ का आभार व्यक्त करता हूं। राजपूत ने पांच आईपीएल टीमों चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स राजस्थान रॉयल्स और लखनऊसुपर जाइंट्स का भी आभार व्यक्त किया जिनका वह हिस्सा रहे हैं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने भी पिछले महीने घरेलू क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उनकी तरह राजपूत भी दुनिया भर की टी20 लीग में संभावनाएं तलाश रहे हैं।

सिंधी प्रीमियर लीग-24 का भव्य शुरुआत

लखनऊ। लखनऊ यूनाईटेड दृ सिंध ने सिंधी प्रीमियर लीग नेशनल लेवल 2024 के पहले दिन खेले गए मैचों में दोहरी जीत से अपना अभियान शुरू किया। दूसरी ओर आलमबाग रायल्स दृ सेलिब्रेशन, जेबी क्लासिक, जेबी ग्रुपए यूपी 65, एके इंफ्रा व सिल्वर स्ट्राइकर्स द अवध हास्पिटल ने भी अपने-अपने मैच जीते। सिंधी कॉउंसिल ऑफ इंडिया यूथ विंगके द्वारा आयोजित लीग का उद्घाटन आशियाना स्थित मल्टी एक्टिविटी सेंटर पर मुख्य अतिथि सरोजनीनगर विधायक डा. राजेश्वर सिंह ने किया। संतजादा साई मोहन लाल साहिब शिव शांति संत आसुदाराम आश्रम, मोहन दास लधानी राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया,मुरलीधर आहूजा राष्ट्रीय महासचिव सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया भी मौजूद रहे। संयोजक भीमेश अठवानी ने बताया कि टूर्नामेंट में 12 टीमें खेल रही है जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। हर टीम में आठ खिलाड़ियों को जगह मिली है। हर पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले 20 दिसंबर 2024 को खेले जाएंगे। सभी मैच आठ.आठ ओवरों के खेले जाएंगे। अपने पहले मैच में लखनऊ यूनाईटेड सिंध ने मैन ऑफद मैच कृष्णा नाबाद 36, 1 विकेट के हरफनमौला खेल से सिली स्लागर्स को 44 रन से हराया। लखनऊ यूनाईटेड सिंध ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 85 रन बनाए। जवाब में सिली स्लागर्स 5 विकेट पर 41 रन ही बना सका। अपने दूसरे मैच में लखनऊ यूनाईटेड दृ सिंध ने मैन ऑफद मैच लोकेश खत्री 51 के अर्धशतक से पीएसवाईए को 23 रन से हराया। जेबी क्लासिका जेबी ग्रुप ने मैन ऑफद मैच रवि नाबाद 33 की पारी से नवाबी वारियर्स को 7 विकेट से हराया। अन्य मैचों में आलमबाग रायल्स, सेलिब्रेशन ने रायल स्ट्राइकर्स को 43 रन सेए सिल्वर स्ट्राइकर्स दृ अवध हास्पिटल ने रायल स्ट्राइकर्स को 22 रन से हराया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।